आज का विचार

जब धन कमाते हैं तो घर में चीजें आती हैं, लेकिन जब किसी की दुआएं कमाते हैं तो धन के साथ खुशी, सेहत और प्यार भी आता है।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | सोमवार, 31 मार्च, 2025 वर्ष 23, अंक 79, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

मन की बात: प्रधानमंत्री मोदी ने टेक्सटाइल कचरे की चुनौतियों को लेकर जागरूक किया

एक प्रतिशत ही कपड़ा होता है रीसाइकल, जल संचयन प्रयासों से 11 अरब क्यूबिक मीटर से भी ज्यादा पानी का संरक्षण

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम में देशवासियों को भारतीय नववर्ष की बधाई दी। दुनिया में योग और आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता का जिक्र किया और टेक्सटाइल कचरे से जुड़ी चुनौतियों के प्रति लोगों को जागरूक किया।

मन की बात के 120वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज से चैत्र नवरात्रि की शुरूआत हो रही है। 13 से 15 अप्रैल के बीच देश के अलग-अलग हिस्सों में त्योहारों की जबरदस्त धूम दिखेगी। यह पूरा महीना त्योहारों का है। वह देशवासियों को इन त्योहारों की बधाई देते हैं।

कार्यक्रम में इस बार प्रधानमंत्री ने बढ़ते टेक्सटाइल कचरे की समस्या का उल्लेख किया और कहा कि इससे निपटने के लिए कई नावाचारी प्रयास हो रहे हैं। इसमें रीसाइक्लिंग और सर्कुलर इकोनामिक जैसी पहल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आजकल दुनिया भर में पुराने कपड़ों को हटाकर नए कपड़े पहनने का चलन बढ़ गया है। इन पुराने कपड़ों में से केवल एक प्रतिशत ही रीसायकल किए जाते हैं।

उन्होंने कहा, भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है, जहां सबसे ज्यादा टेक्सटाइल कचरा निकलता है। यानी हमारे सामने चुनौती भी बहुत बड़ी है। लेकिन खुशी है कि हमारे देश में इस चुनौती से निपटने के लिए कई सराहनीय प्रयास किये जा रहे हैं। कई भारतीय स्टार्टअप ने टेस्टाइल रिकवरी फेसेलिटी पर काम शुरू किया है। कई ऐसी टीमें हैं, जो कचरा बीनने वाले हमारे भाई-बहनों के सशक्तिकरण के लिए भी काम कर रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज बच्चों और उनके अभिभावकों को आगामी गर्मियों की छुट्टियों के दौरान अपने अनुभवों को #हॉलीडेमेमोरीज के साथ साझा करने की अपील की। उन्होंने माय-भारत के खास कैलेंडर की चर्चा की जिसे गर्मियों की छुट्टियों के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने इस कैलेंडर से जुड़े कुछ अनूठे प्रयासों को साझा किया। माय-भारत के स्टडी टूर से जन औषधि केंद्र के कामकाज और वाइब्रेंट विलेज अभियान का हिस्सा बनकर सीमावर्ती गांवों का अनोखा अनुभव लिया जा सकता है।

एक बार फिर जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले सात-आठ सालों में टैंक पॉन्ड और अन्य जल संचयन प्रयासों से 11 अरब क्यूबिक मीटर से भी ज्यादा पानी का संरक्षण हुआ है। इस क्रम में कर्नाटक के गडक जिले का उदाहरण दिया जहां लोगों के प्रयास से सूखी झील की सफाई की गई।

उन्होंने खेलो इंडिया पर पैरा खेलों की समाप्ति और उसमें खिलाड़ियों की बढ़-चढ़कर की गई प्रतिभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि पैरा ओलंपिक कितने पॉपुलर हो रहे हैं। इस दौरान दिव्यांग खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय 18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए हैं जिनमें से 12 महिला खिलाड़ियों के नाम रहे।

परंपरागत भारतीय औषधियों की दुनिया भर में बढ़ रही साख

प्रधानमंत्री ने 21 जून को आने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और परंपरागत भारतीय औषधियों की दुनिया भर में बढ़ती पहचान की बात की। उन्होंने कहा कि चिली और ब्राजील जैसे देशों में भी इसका प्रभाव बढ़ रहा है। उन्होंने समोस इंडिया नामक टीम के बारे में बताया जिसका स्पेनिश भाषा में अर्थ वी आर इंडिया होता है। उन्होंने बताया कि यह टीम पिछले एक दशक से योग और आयुर्वेद को बढ़ावा दे रही है। वे आयुर्वेद और योग से संबंधित जानकारी को स्पेनिश भाषा में अनुवादित भी करते हैं। प्रधानमंत्री ने अपने कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में महुआ के फूल से बन रही कुकीज और आदिलाबाद में इससे बन रहे पकवानों की बात की। प्रधानमंत्री ने फिट इंडिया कार्निवल की अनूठी पहल का अपने कार्यक्रम में जिक्र किया और कहा कि इसमें अलग-अलग क्षेत्रों से करीब 25 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। उन्होंने मशहूर रैपर ूमैनकाइंड के एक पॉप्युलर होते गीत रन इट अप का जिक्र किया और इसमें इसमें कलारिपयडू, गतका और थांग-ता जैसी हमारी पारंपरिक मार्शल आर्ट को शामिल किया गया है।

सरसों की फसल उगाने वाले किसानों के लिए कुरुक्षेत्र और रेवाड़ी में बड़ी ऑयल मिल प्रोजेक्ट की मिलेगी सौगातः सैनी

प्रदेश में जल संरक्षण के लिए बनाएं जाएंगे 2200 नए तालाब, 2 हजार तालाब बनाने का कार्य हुआ पूरा

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में सरसों का उत्पादन करने वाले लाखों किसानों को प्रदेश सरकार ने कुरुक्षेत्र में बड़ी ऑयल मिल तथा रेवाड़ी और नारनौल में ऐशिया की सबसे बड़ी ऑयल मिल लगाने की परियोजना तैयार की है। इस परियोजना को जल्द ही अमलीजामा पहना दिया जाएगा। इस परियोजना से लाखों किसानों को फायदा होगा। इन सभी किसानों की फसल एमएसपी पर खरीदना सुनिश्चित किया जाएगा। अहम पहलु यह है कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां किसानों की सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार गांव समानी में ग्राम पंचायत की तरफ से मन की बात कार्यक्रम को लेकर आयोजित भव्य समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम की 120वीं कड़ी में देश के नागरिकों को सम्बोधित किया और खेलो इंडिया पैरा गेम के खिलाडियों को बधाई दी। इन खेलों में हरियाणा के खिलाडियों ने 34 स्वर्ण पदक, 39 रजत पदक और 31 कांस्य पदक जीतकर सहित हरियाणा ने कुल 104 पदक हासिल किए है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल योगा 2025 को योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण के लिए सभी प्रदेशों को कार्य करने के लिए कहा है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को नव वर्ष नव सम्वत की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए गांव समानी के विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपए की अनुदान राशि देने के साथ-साथ सभी मांगों को पूरा करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि चुनावों के बाद अब प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र सबका साथ सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास पर चलते हुए प्रदेश में तीन गुणा तेज गति से विकास कार्य करवाएं जाएंगे। अभी हाल में विधानसभा सदन में प्रदेश का बजट पारित किया गया है और हर मद में समान रूप से बजट का बंटवारा किया गया है और प्रदेश का चंहुमुखी विकास करने के लिए पूरी संरचना और योजना तैयार कर ली गई है। सरकार ने जिन लोगों का पंचायती भूमि पर 20 साल से पुराना मकान है उनको 2004 के कलैक्टर रेट पर देने का निर्णय लिया है, इसी तरह हजारों पटटीदार किसानों को भी 2004 कलैक्टर रेट पर कासत वाली जमीन पर मालिकाना हक देने का काम किया है। सरकार ने महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का काम किया है। इस योजना का 17 लाख लाभार्थियों को फायदा मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैच दॉ रेन योजना के तहत तालाब बनाए जा रहे है। प्रदेश में 2 हजार तालाब बनाने का काम पूरा कर लिया है और आने वाले समय में प्रदेश में 2200 नए तालाब बनाएं जाएंगे। इसके अलावा किसानों से अपील की जा रही है कि किसान खेतों में और ग्राम पंचायत पंचायती भूमि में बरसात का पानी एकत्रित करे ताकि पानी का संरक्षण किया जा सके और प्रदेश डार्क जोन की स्थिति से बाहर आ सके। उन्होंने कहा कि दक्षिण हरियाणा के लोग ज्यादा फसल की पैदावार ले रहे है। इसी तर्ज पर प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी किसानों को टपका सिंचाई प्रणाली को अपनाना चाहिए और अटल भूजल योजना के तहत तालाब बनाकर पानी का संरक्षण करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 77 हजार आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 36 हजार आवेदकों के खातों में 151 करोड़ रुपए की राशि जमा करवा दी गई है और शेष 41 हजार आवेदकों के खातों में जल्द योजना के तहत पैसा जमा करवा दिया जाएगा। इसके अलावा इस योजना के तहत आगे भी सर्वे का कार्य चल रहा है। गांव की सरपंच शिवानी व समाजसेवी पवन कुमार ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए गांव की मांगे रखी है। इस कार्यक्रम में सरपंच शिवानी ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने श्री शिव महापुराण कथा में शिरकत कर लिया आशीर्वाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कुरुक्षेत्र जिला के लाडवा कस्बा में बाबा बांसी वाला वृद्धाश्रम द्वारा आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में शिरकत कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि शिव महापुराण कथा जैसे आयोजन समाज को एक नई दिशा व ऊर्जा प्रदान करते हैं और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। कावड़ सेवा दल व मुख्य यजमान विजेंद्र गोयल ने मुख्यमंत्री को सम्मानित किया।

लालू और कांग्रेस नेता सोनिया ने बिहार को 'बर्बाद' कर दिया : शाह

एजेंसी (हि.स.)
पटना/गोपालगंज

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस और उसकी सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर जोरदार प्रहार किया। शाह ने कहा कि राजद संरक्षक लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने बिहार को 'बर्बाद' कर दिया। वे आज दोपहर गोपालगंज में एक जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे।

फोटो : हि.स.

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग की गठबंधन सरकार में राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया और आज बिहार को बीमारू राज्य से प्रगतिशील राज्य की पंक्ति में लाकर के खड़ा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब बिहार को यह तय करना है कि उसे लालू-राबड़ी का जंगल राज चाहिए या मोदी जी और नीतीश कुमार का विकास पथ।

उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस जो 65 साल में नहीं कर पाई, वह नरेन्द्र मोदी ने 10 साल में कर दिखाया। उन्होंने कहा कि आने वाले बिहार विधानसभा में राजग सरकार को फिर से वोट दें। हम पांच साल के भीतर बिहार को बाढ़ मुक्त बना देंगे।

बिहार में राजग 2005 में सत्ता में आयी और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। इस गठबंधन ने दो दशकों तक बिहार पर शासन किया है। पिछले 20 सालों में दो बार ऐसा हुआ है जब नीतीश कुमार विपक्षी खेमे में चले गए और राजद के साथ गठबंधन में राज्य सरकार चलाई। नीतीश कुमार अब राजग खेमे में वापस आ गए हैं और बिहार चुनाव के लिए भाजपा के साथ मिलकर तैयारी कर रहे हैं।

लालू यादव और उनके परिवार पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, यहां लालू-राबड़ी शासन और केंद्र में सोनिया-मनमोहन सरकार ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। लालू के दोनों बेटे अब मुख्यमंत्री पद की तैयारी कर रहे हैं। उनकी बेटी (मीसा भारती) संसद में हैं। उनकी पत्नी राबड़ी देवी भी सदन (विधान परिषद) की सदस्य हैं।

लालू अपने परिवार को 'सेट' करने में व्यस्त हैं। उन्होंने बिहार में युवाओं को 'सेट' नहीं किया। लेकिन केंद्र की नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को रोजगार दिया है।

शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण सुनिश्चित किया और बिहार में माता जानकी की प्रकाट्य स्थली पर भी भव्य मंदिर बनाने की योजना बनाई है। केंद्र की भाजपा सरकार ने छठ पर्व के लिए छुट्टियों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने राज्य के लिए बजट घोषणाओं को सूचीबद्ध करते हुए कहा, केंद्र ने बिहार के विकास के लिए 9 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। तेरह ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बनाए जा रहे हैं। हम 8,000 करोड़ रुपये की लागत से सात पुल बनाएंगे। केंद्र ने बिहार में मखाना बोर्ड भी स्थापित किया है। राजद ने बिहार को लूटने के अलावा कुछ नहीं किया है।

प्रदेश से नशे की लत को जड़ से खत्म करना बेहद जरूरीः भगवंत मान

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के तहत नशे की बुराई के खिलाफ छेड़ी गई जंग को जन आंदोलन में बदलने के लिए समस्त पंजाबियों से बढ़-चढ़कर सहयोग देने की अपील की है।

एक ऑडियो संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने 'युद्ध नशों विरुद्ध' के रूप में नशों के खिलाफ व्यापक स्तर पर सख्त कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पिछली सरकारों के सीधे संरक्षण के कारण नशे की समस्या ने प्रदेश में अपने पैर पसार लिए थे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार ने पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए अभियान शुरू किया है और इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह जंग आम जनता की सक्रिय भागीदारी से ही जीती जा सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस अभियान में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 9779100200 जारी किया है। भगवंत सिंह मान ने लोगों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र या शहर में सक्रिय नशा तस्करों से संबंधित कोई भी जानकारी इस व्हाट्सएप नंबर पर साझा करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जानकारी देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और किसी को भी इसका खुलासा नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशों के खिलाफ इस आर-पार की लड़ाई में जनता का पूरा समर्थन और सहयोग अत्यंत आवश्यक है, इसलिए सभी लोगों को इस अभियान का बड़े स्तर पर समर्थन करना चाहिए। भगवंत सिंह मान ने जनता से अपील की कि वे इस हेल्पलाइन नंबर पर नशा तस्करी से जुड़ी जानकारी देकर इस अभियान का अभिन्न हिस्सा बनें।

सनातन के लिए लगातार कार्य कर रही है सत्य ऑनलाइन और सनातन रक्षक परिषद : शेखावत

एजेंसी (हि.स.)
हरिद्वार

सनातन रक्षक परिषद द्वारा आयोजित सनातन सम्मान एवं गंगा महोत्सव का उद्घाटन आचार्य बालकृष्ण महाराज, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, महामंडलेश्वर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश ने दीप प्रज्वलित ऋषिकुल आयुर्वैदिक कॉलेज के सभागार में किया गया। हरकी पौड़ी हरिद्वार से शुरू हुआ गंगा महोत्सव मां गंगा की आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से गंगा की संस्कृति को लोगों तक पहुंचाना और मां गंगा के प्रति जागरूकता को लेकर गंगा महोत्सव का आयोजन लगातार 15 वर्षों से संचालित है।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि सनातन को आगे बढ़ाने के लिए लगातार सत्य ऑनलाइन और सनातन रक्षक परिषद भारत मे कार्य कर रहा है। यही नहीं लोगों में जागरूकता पहुंचाना सनातन के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार कार्यक्रमों का आयोजन होता है। तीर्थ नगरी हरिद्वार में 16वां गंगा महोत्सव सनातन सम्मान समारोह 2025 में लोगों को और छोटी-छोटी उभरती बाल प्रतिभाओं को जागरूक करने का प्रयास किया गया। यही नहीं सत्य ऑनलाइन प्रोडक्शन के द्वारा सनातन को जागरूकता बढ़ाने के लिए एक भव्य फिल्म सनातन रक्षक का निर्माण किया जा रहा है। जो सभी वर्गों को एकजुट करने का मील का पत्थर साबित होगी। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि मां गंगा को विभिन्न रूपों में पूजा जाता है और सनातन धर्म में कर्म के सिद्धांतों को माना जाता है जिसके अनुसार व्यक्ति के कर्मों के आधार पर उसका अगला जन्म तय होता है धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष सनातन धर्म में जीवन के चार उद्देश्यों को माना जाता है।

फोटो : हि.स.

धर्म नैतिक जीवन के लिए अर्थ आर्थिक स्थिरता काम सुख और संतुष्टि और मोक्ष मुक्ति के लिए। आज सनातन धर्म फिर से खड़ा हो रहा है और उसका पूरा श्रेय आप सभी को जाता है।

नक्सलवाद में अनेक माताओं ने अपने लाडले खोए, अब छत्तीसगढ़ का नया भविष्य देख रहा हूं : प्रधानमंत्री

एजेंसी (हि.स.)
बिलासपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बिलासपुर में कहा कि नक्सलवाद में अनेक माताओं ने अपने लाडले खोए। बहनों ने भाइयों को खो दिया। आपने तो खुद सहा है। देखा है..! अब छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों में शांति का एक नया दौर शुरू हो रहा है। उन्होंने 'मन की बात' कार्यक्रम का जिक्र किया और बताया कि इसमें बस्तर ओलंपियाड की चर्चा की थी। इस ओलंपियाड में हजारों युवाओं ने भाग लिया था। उन्होंने कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के नवजवानों का शानदार भविष्य देख रहा हूं।

प्रधानमंत्री मोदी आज बिलासपुर जिले के बिल्हा विधानसभा के मोहभट्ठा गांव में 33, 700 करोड़ के विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने जैसे ही जम्मो, संगी, साथी, जहूंरिया महतारी, दीदी, बहनी औ सियान, जवान मनला जय जोहार से अपने भाषण की शुरूआत छत्तीसगढ़िया भाषा के संबोधन से की, वैसे ही ताली की गड़गड़ाहट से आयोजन में मौजूद लोगों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा, भारत माता की जय, रतनपुर महामाया और माता कर्मा की जय से की। उन्होंने लोगों को नवरात्रि के पहले दिन की शुभकामनाएं दी।

प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की प्राथमिकताएं और काम को गिनाया और विपक्षी पार्टी के नेताओं का नाम लिए बिना कांग्रेस पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में छत्तीसगढ़ में विकास कार्य नहीं हो पाए और जो काम हुआ भी, उसमें घोटाले किए गए। कांग्रेस को कभी जनता की चिंता नहीं थी, जबकि उनकी सरकार ने हमेशा लोगों के जीवन, उनकी सुविधाओं और बच्चों के भविष्य के बारे में सोचा है। वे विकास योजनाओं को छत्तीसगढ़ के हर गांव तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में किए गए वादों को पूरी ईमानदारी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें सिर्फ घोटाले करती थीं, जबकि उनकी सरकार ने हमेशा जनता की भलाई के लिए काम किया।

फोटो : हि.स.

मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रदेश के कितने जिलों में आदिवासी परिवार रहते हैं..? कांग्रेस ने उनकी सुध नहीं ली। हमने गरीब आदिवासियों की चिंता की, उनके स्वास्थ्य की चिंता की, दवा की चिंता की। सस्ती दवा के लिए पीएम जन औषधि केंद्र खोला, आयुष्मान योजनाएं लाई। इसीलिए मैं कहता हूं जिसको कोई नहीं पूछता है, उसको मोदी पूजता है। आपके जल, जंगल जमीन के लिए 80 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। पहली बार हमारी सरकार अति पिछड़े आदिवासियों के लिए हमारी सरकार पीएम जनमन योजना बनाई है। ये 16 जिलों में ये योजना चल रही है। 2500 किलोमीटर की सड़क पीएम जनमन योजना के माध्यम से आदिवासी जिलों में बनाई जाएंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की शुरूआत का जिक्र किया। इस योजना के तहत, सरकार लोगों को 70 से 80 हजार रुपये की सब्सिडी दे रही है, ताकि वे अपने घर की छतों पर सोलर पैनल लगवा सकें। इससे उनका बिजली का बिल बिल्कुल खत्म हो जाएगा और इसके साथ वे खुद बनाई गई बिजली को बेचकर पैसे भी कमा सकेंगे। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में इस योजना से दो लाख परिवारों ने रजिस्ट्रेशन किया है।

इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 7 रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखी और 4 महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया, जिनकी कुल लागत ₹2,695 करोड़ है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मोहभट्ठा, बिलासपुर स्थित कार्यक्रम स्थल से अभनपुरझरायपुर के बीच मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। ये परियोजनाएं राज्य में रेल परिवहन को और मजबूत करेंगी, जिससे यात्री एवं माल परिवहन को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई वे है खरसिया-झाराडीह पांचवी लाइन, सरगबुंदिया-मड़वारानी (तीसरी एवं चौथी लाइन) दाधापारा-बिल्हा-दगोरीचौथी लाइन ,निपनिया-भाटापारा-हथबंद चौथी लाइन, भिलाई-भिलाई नगर-दुर्ग लिंक केबिन, राजनांदगांव-डोंगरगढ़ चौथी लाइन, करगी रोड-सल्का रोड तीसरी लाइन प्रमुख है। इसके अलावा शत प्रतिशत छत्तीसगढ़ में रेल लाइन विद्युतीकरण और नई रेल लाइन की सौगात दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार कितनी तेजी अपनी गारंटियां पूरी कर रही है। छत्तीसगढ़ की बहनों से जो हमने वादा किया था, वो पूरा करके दिखाया है। धान किसानों को दो साल का बकाया बोनस मिला है। बढ़े हुए एमएसपी पर धान की खरीद की गई है। इससे लाखों किसान परिवारों को हजारों करोड़ रुपये मिले हैं। इस दौरान राज्य पाल रमन डेका, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

कानून की पढ़ाई से जागृत होती है आत्मविश्वास की भावना: सुक्खू

कानून उनके लिए है, जिन्हें इसकी नितांत आवश्यकता है: न्यायमूर्ति सूर्यकांत

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचपीएनएलयू), शिमला ने आज हिमाचल प्रदेश न्यायिक अकादमी, शिमला में अपना दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति से अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने अपने जीवन से जुड़ी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री हासिल की, लेकिन कभी वकालत नहीं की। उन्होंने कहा कि राजनीति और समाज सेवा में उनकी विशेष रुचि थी और राज्य के लोगों के सहयोग और आशीर्वाद से उन्हें प्रदेश की सेवा करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि जीवन की चुनौतियां डिग्री प्राप्त करने के बाद शुरू होती हैं और अनुभव से ज्ञान प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि कानून की पढ़ाई से लोगों में आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है, चाहे वह व्यवसाय के लिए किसी भी क्षेत्र का चुनाव करें।

ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पिछले दो वर्षों से व्यवस्थागत विषयों के समाधान के साथ-साथ वित्तीय स्थिति में आशातीत सुधार लाकर व्यवस्था परिवर्तन के ध्येय से महत्वपूर्ण बदलाव लाए है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए गए कानूनी सुधारों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने अनाथ बच्चों के कल्याण के लिए कानून बनाकर लगभग 6000 बच्चों का भविष्य सुनिश्चित किया है। हिमाचल प्रदेश यह कानून बनाने वाला देश का पहला राज्य बना है। प्रदेश में बेटियों को संपत्ति में समान अधिकार देने का प्रावधान किया गया है और लड़कियों की विवाह की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष की गई है।

इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकान्त ने छात्रों को अपने ध्येय को प्राप्त करने के दृष्टिगत दृढ़ता से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प और बुद्धिमत्ता

अति आवश्यक होती है। समारोह के दौरान, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय करोल और हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजीव शकधर को कानून के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ लॉज की मानद उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर 451 छात्रों को भी उपाधियां प्रदान की गई, जिनमें बीए, एलएलबी पाठ्यक्रम के 114, बीबीए एलएलबी पाठ्यक्रम के 111 और एलएलएम के 211 छात्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 15 छात्रों को पी.एच.डी. की डिग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए छात्रों को सम्मानित भी किया गया। स्नातकोत्तर उपाधि के 2021 के ओवरऑल टॉपर सूर्यदेव सिंह भंडारी, 2022 के लिए टिसी एनी थॉमस और 2023 के लिए निवेदिता शर्मा को संस्थापक कुलपति स्वर्ण पदक से नवाजा गया। 2018 बैच की शीनम ठाकुर को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले, जिनमें के.के. लूथरा मेमोरियल गोल्ड मेडल (क्रिमिनल लॉ), श्री तरसेम कुमार स्वर्ण पदक (सर्वश्रेष्ठ महिला टॉपर), श्री श्याम सुंदर गोयल मेमोरियल गोल्ड मेडल (स्नातक टॉपर), संस्थापक कुलाधिपति स्वर्ण पदक (हिमाचल प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रूप में), संस्थापक कुलपति स्वर्ण पदक (सर्वश्रेष्ठ ओवरऑल टॉपर) और संस्थापक कुलाधिपति फैलोशिप पुरस्कार (हिमाचल प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ विधि छात्र के रूप में) जैसे पुरस्कार शामिल हैं।

इसके अलावा, अदिति शर्मा को 2018 के लिए न्यायमूर्ति धर्मपाल सूद स्वर्ण पदक (संवैधानिक कानून में उत्कृष्ट प्रदर्शन) प्रदान किया गया। लिपि आर्यन को 2019 के लिए के.के. लूथरा मेमोरियल गोल्ड मेडल (आपराधिक कानून) से सम्मानित किया गया। अंकिता शर्मा को 2019 के लिए श्री तरसेम कुमार स्वर्ण पदक, श्री श्याम सुंदर गोयल मेमोरियल स्वर्ण पदक और संस्थापक कुलपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। हिया शर्मा को 2019 के लिए संस्थापक कुलाधिपति स्वर्ण पदक और संस्थापक कुलाधिपति फैलोशिप पुरस्कार से नवाजा गया, जबकि संचित शर्मा को 2019 के लिए न्यायमूर्ति धर्मपाल सूद स्वर्ण पदक (संवैधानिक कानून में उत्कृष्टप्रदर्शन) से सम्मानित किया गया।

समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति आर. महादेवन, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी.एस. संधावालिया, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, हिमाचल प्रदेश नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. प्रीति सक्सेना और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

नवरात्रि के मद्देनजर जम्मू और कटरा रेलवे स्टेशनों पर विशेष प्रबंध

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

नवरात्र शुरू हो गए हैं और जम्मू मंदिरों का शहर होने के साथ-साथ मां वैष्णो देवी मंदिर का प्रवेशद्वार भी है, इसलिए इस दौरान जम्मू और श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ होने का अनुमान है जिसको ध्यान में रखते हुए, रेलवे ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जिससे इन स्टेशनों पर आने वाले यात्रियों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े और रेलयात्रियों को यात्रा का अच्छा अनुभव मिल सके। जम्मू मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री उचित सिंघल ने जम्मू और कटरा रेलवे स्टेशनों पर नवरात्र की भीड़ के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए किए गए विशेष इंतजामों की रूपरेखा तैयार कि है।

यात्रियों की सहायता के लिए दोनों स्टेशनों पर हेल्पडेस्क की तैनाती की गईहाई, यात्रियों के अच्छेयात्रा अनुभव के लिए साफ-सफाई की निगरानी की जा रही है।

स्टेशन पर किसी भी तरह की भीड़ जमा होने से बचने के लिए सुरक्षा के खास प्रबंध भी किए गए है। नवरात्रि पर्व को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी कटडा स्टेशन से स्पेशल ट्रेन का संचालन भी किया गया है और साथ में खान पान के स्टॉलओं को भी चेक किया जा रहा इया है और कड़े निर्देश जारी किए गए है कि यदि कोई भी यात्रियों से ओवर चार्जिंग करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और साथ में यात्रियों के लिए 24 घंटे रेलवे स्टेशन पर हेल्प डेस्क भी उपलब्ध है जिससे यात्रियों को काफी राहत मिल रही है। आरपीएफ, जीआरपी और टिकट चेकिंग स्टाफ प्लेटफार्म पर निगरानी बनाए हुए हैं। इसके साथ ही वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल भी स्वयं स्टेशन की निगरानी कर रहे है।

जुब्बल में 3.06 किलोग्राम चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

जिला शिमला के जुब्बल थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक तस्कर को 3 किलो 6 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20, 61 और 85 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट (एसआईयू) शिमला की टीम हैड कांस्टेबल पुनीत शर्मा के नेतृत्व में गश्त पर थी। शनिवार रात करीब 9:55 बजे जब पुलिस दल अंटी और कड्डू इलाके में गश्त कर रहा था, तभी एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 3 किलो 6 ग्राम चरस बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रभाकर चौहान (20) पुत्र प्रमोद

फोटो : हि.स.

चौहान, निवासी गांव जोतरी, डाकघर चीवा, तहसील मोरी, जिला उत्तरकाशी, उत्तराखंड के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी चरस कहां से लेकर आया था और इसे कहां सप्लाई किया जाना था। साथ ही यह भी पता लगाया जा' रहा है कि इस नशा तस्करी के पीछे कोई बड़ा गिरोह तो सक्रिय नहीं है।

शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर भारत की प्रसिद्ध सिद्धपीठ माता बाला सुंदरी मंदिर त्रिलोकपुर में उमड़े श्रद्धालु

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

उत्तर भारत की प्रसिद्ध सिद्धपीठ त्रिलोकपुर माता बाला सुंदरी मंदिर के लिए जाना जाता है। यहां पर माता अपने बाल रूप में पिंडी में विराजमान हैं। ऐसा माना जाता है कि रियासत काल में माता दुर्गा यहां पर देवबंद से नमक की बोरी में आयी थीं। और जब स्थानीय बनिया का नमक कई महीनो खत्म नहीं हुआ तो उसे हैरानी हुई। तब माता ने उसे सपने में दर्शन दिए और मंदिर बनाने को कहा। बनिया नाहन के तत्कालीन राजा के पास गया और उन्हें भी माता ने सपने में दर्शन दिए। उसके बाद यहां पर भव्य मंदिर निर्माण किया गया और माता दुर्गा यहां पिंडी रूप में विराजमान हैं। यहां की बड़ी मान्यता है और पड़ोसी राज्यों हरियाणा ,पंजाब ,उत्तराखंड से लाखों श्रद्धालु यहां शीश नवाने पहुंचते हैं।

फोटो : हि.स.

चैत्र नवरात्र पर त्रिलोक पुर जोकि काला अब से 5 किलोमीटर दुरी पर है मेला भी लगता है। चैत्र नवरात्रि पर मंदिर को आकर्षक तरीके से सजाया गया है और आज सुबह से ही लोग कतारबद्ध होकर माता के दर्शन कर रहे हैं। मंदिर में पूजा अर्चना हवन व आरती से आरम्भ हुई जिसमे उपायुक्त सिरमौर एल आर वर्मा ने भाग लिया। मंदिर में पूजा अर्चना के साथ चैत्र नवरात्रि का शुभारम्भ हो गया। डी सी सिरमौर एल आर वर्मा ने बतायाकि चैत्र नवरात्रों को लेकर त्रिलोकपुर में पुख्ता प्रबंध किये हैं। मंदिर आने के लिए वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग जनो के लिए अलग प्रबंध किये गए हैं काला अम्ब से त्रिलोकपुर तक गाड़ियों की व्यवस्था की गयी है। इसके इलावा मेला परिसर में पार्किंग स्थल बनाये गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को आने जाने में कोई असुविधा न हो। इसके इलावा सुरक्षा की दृष्टि से भी पुलिस,जवानो ० होम गार्ड्स की तैनाती की गयी है। इसके इलावा भंडारों का भी आयोजन किया गया है।

नाहन के प्राचीन ऐतिहासिक मंदिर कालीस्थान में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

फोटो : हि.स.

रविवार से चैत्र नवरात्र आरम्भ हो गए हैं जिसपर मंदिरों में श्रद्धालुओं का ताँता लगा हुआ है। लोग बड़े श्रद्धा भाव से माता दुर्गा की पूजा अर्चना कर रहे हैं। चैत्र नवरात्रों पर नाहन के ऐतिहासिक मंदिर कालीस्थान में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है और लोग बड़े शांत भाव से माता के दर्शनों को पहुंच रहे हैं। यह मंदिर रियासत काल में बनाया गया था और यहां माता काली पिंडी रूप में विराजमान हैं। इस मंदिर की बड़ी मान्यता है और जिला के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ साथ पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं।

मन्दिर कमेटी ने सभी श्रद्धालुओं की सुविधा के बेहतर प्रबंध किये हैं ताकि लोग आसानी से माता के दर्शन कर सकें। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष योगेश गुप्ता ने बताया कि नवरात्रों को लेकर मंदिर में बेहतरीन प्रबंध किये गए हैं मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधाओं का भी इंतजाम किया गया है ताकि सभी लोग माता के दर्शन कर सकें।

माता वैष्णो देवी मंदिर में नवरात्रि की शुरूआत शतचंडी यज्ञ और उन्नत सुविधाओं के साथ हुई

एजेंसी (हि.स.)
कटरा

माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने नवरात्रि की शुरूआत के शुभ अवसर पर मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए एक सहज और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करने के लिए कई नई सुविधाओं की शुरूआत की है और मौजूदा सुविधाओं को अपग्रेड किया है। माननीय अध्यक्ष मनोज सिन्हा (लेफ्टिनेंट गवर्नर जेके-यूटी) के मार्गदर्शन और निदेशों के तहत बोर्ड का उद्देश्य समग्र तीर्थयात्रा के अनुभव को बढ़ाना है जिससे भक्तों को बढ़ी हुई सुविधा, आराम और समावेशी सुविधाएं प्रदान की जा सकें श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने पवित्र गुफा मंदिर में नवरात्र के दौरान मानवता की शांति समृद्धि और भलाई के लिए आयोजित किए जा रहे वैदिक भजनों और अन्य धार्मिक समारोहों के बीच नौ दिवसीय शतचंडी यज्ञ के शुभारंभ में भाग लेने के बाद कहा।

सीईओ ने रेखांकित किया कि श्राइन बोर्ड ने तीर्थयात्रा के अनुभव को बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं जिनमें स्मार्ट लॉकर, मुफ्त सार्वजनिक कॉल बूथ और दिव्यांग भक्तों के लिए अर्धकुंवारी में गर्भजून आरती और भवन में अटका आरती में भाग लेने के लिए मानार्थ स्लॉट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, दिव्यांग तीर्थयात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर बुकिंग और मानार्थ बैटरी कार सेवाओं के लिए समर्पित कोटा प्रदान किया गया है। सभी मौसम की स्थिति में आराम सुनिश्चित करने के लिए बाणगंगा और अर्धकुंवारी में आराम और रखने के क्षेत्र स्थापित किए गए हैं जबकि अर्धकुंवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय का विस्तार 200 भक्तों की सेवा के लिए किया गया है। इसके अलावा लंगर सुविधा को बाणगंगा में शुभ्रा भवन तक बढ़ा दिया गया है जो वर्तमान में ताराकोट मार्ग, सांझीछत, अर्धकुंवारी और भैरों जी में संचालित मौजूदा लंगर सेवा को बढ़ा ये स्मार्ट लॉकर आरएफआईडी कार्ड से जुड़े

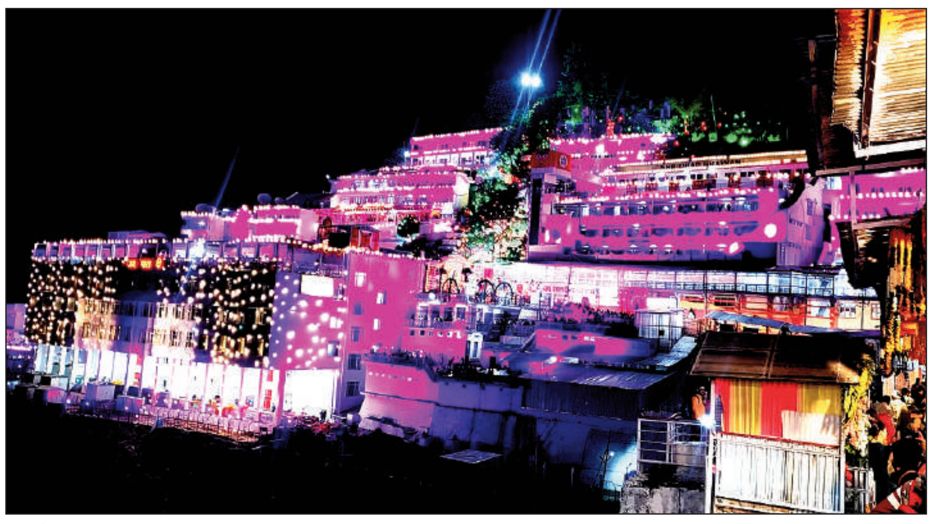

हुए हैं जिससे भक्त अपने सामान को सुरक्षित रूप से रख सकते हैं। तीर्थयात्रियों विशेष रूप से प्रीपेड सिम रखने वालों के लिए निर्बाध संचार की सुविधा के लिए, भारती एयरटेल के सहयोग से मुफ्त पीसीओ सुविधाएं ट्रैक के साथ विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध हैं, ताकि भक्तों को आराम और आश्वासन की एक अतिरिक्त परत प्रदान की जा सके जिससे वे अपनी आध्यात्मिक यात्रा के दौरान अपने परिवारों के साथ जुड़े रह सकें। थकान को कम करने और राहत प्रदान करने के लिए बाणगंगा और अधकुंवारी में भक्तों के लिए आराम सह होल्डिंग क्षेत्र स्थापित किए गए हैं।

एक समय में 2,000 तीर्थयात्रियों को समायोजित करने की क्षमता वाली ये संरचनाएं मौसम की स्थिति के बावजूद फिर से जीवंत होने के लिए एक आरामदायक और शांत स्थान प्रदान करती हैं जिससे उन्हें नए जोश और उत्साह के साथ अपनी यात्रा जारी रखने के लिए पुनर्जीवित किया जाता है। इसके अलावा भवन क्षेत्र को आकर्षक रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाया गया है जिससे भक्तों के लिए एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला माहौल बन गया है।

तीर्थयात्रा के निर्बाध और आरामदायक अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए श्राइन बोर्ड ने पटरियों पर चौबीसों घंटे पानी और बिजली की आपूर्ति, स्वच्छता सुविधाओं और चिकित्सा देखभाल सहित व्यापक व्यवस्थाएँ की हैं। इसके अतिरिक्त तीर्थयात्री परेशानी मुक्त यात्रा के लिए बैटरी से चलने वाले वाहन यात्री रोपवे और हेलीकॉप्टर सेवाओं जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

नवरात्र उत्सव के हिस्से के रूप में श्राइन बोर्ड ने सुबह और शाम अटका आरती के दौरान प्रशंसित कलाकारों द्वारा आकर्षक भजन और भेंट प्रदर्शन की भी व्यवस्था की है। ये आध्यात्मिक कार्यक्रम तीर्थयात्रियों के अनुभव को और समृद्ध करेंगे जिससे भक्ति और आध्यात्मिकता का माहौल बनेगा।

संक्षिप्त-समाचार

राजौरी के कोटरंका में शारदा माता मंदिर की पवित्र छड़ी यात्रा निकाली गई

जम्मू। नवरात्रि के प्रथम दिन, राजौरी जिले के कोटरंका के ऊपरी क्षेत्रों में स्थित प्राचीन शारदा माता मंदिर की पवित्र छड़ी यात्रा निकाली गई। इस धार्मिक स्थल को स्थानीय लोग अत्यंत श्रद्धा के साथ पूजते हैं, जो सर्दियों में बर्फ से ढका रहता है। धार, सकरी, पीरी और अन्य दूरस्थ गांवों के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने इस यात्रा में भाग लिया, जो रविवार सुबह पीरी गांव से शुरू हुई। भक्तों को 15 किलोमीटर की कठिन चढ़ाई करने के बाद दोपहर तक मंदिर पहुंचे और शाम तक वापस लौटे। यह क्षेत्र पूर्व में आतंक प्रभावित रहा है, जिसके मद्देनजर प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और सीआरपीएफ की टीमें यात्रा में शामिल हैं।

कश्मीर घाटी के फल उद्योग को नुकसान, विधायक ने उठाई आयात शुल्क लगाने की मांग

जम्मू। कश्मीर घाटी की आर्थिकी में फल उद्योग की अहम भूमिका है, लेकिन विदेशों से बिना आयात शुल्क के सेब के आयात के कारण हर साल स्थानीय फल उद्योग को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। राजपोरा विधानसभा के विधायक गुलाम मोहिउद्दीन मीर ने इस मुद्दे को हाल ही में विधानसभा में उठाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि फल उद्योग कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। मीर ने कहा कि बिना आयात शुल्क के विदेशी सेब बाजार में आने से स्थानीय बागवानों को गंभीर आर्थिक क्षति हो रही है। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द उचित कदम उठाने की अपील की, ताकि कश्मीरी फल किसानों को राहत मिल सके।

कठुआ मुठभेड़ में आतंकियों द्वारा कोई हथियार नहीं छीना गया: जम्मू-कश्मीर पुलिस

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने स्पष्ट किया कि कठुआ जिले के सुदूरवर्ती जंगल क्षेत्र में हुई दो दिवसीय मुठभेड़ के दौरान आतंकवादियों द्वारा कोई हथियार नहीं छीना गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मुठभेड़ में शहीद हुए चार पुलिसकर्मियों के सभी हथियार और अन्य सामान बरामद कर लिए गए हैं। गुरुवार को कठुआ के सफियान जंगल क्षेत्र में हुई इस मुठभेड़ में चार पुलिसकर्मी शहीद हो गए, जबकि दो पाकिस्तानी आतंकी मारे गए। माना जा रहा है कि ये आतंकी प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे। फर्जी दावों पर पुलिस की सख्त प्रतिक्रिया पुलिस प्रवक्ता ने सोशल मीडिया पर हथियार छीनने की अफवाह फैलाने वालों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कुछ राष्ट्रविरोधी तत्व सोशल मीडिया पर यह झूठी अफवाह फैला रहे हैं कि ऑपरेशन सफियान के दौरान हमारे शहीदों के हथियार आतंकियों ने छीन लिए। यह पूरी तरह से गलत है। सभी हथियार और शहीदों का सामान बरामद किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि मुठभेड़ के दौरान आतंकी घबराकर अपने हथियार और किट छोड़कर भाग निकले, क्योंकि स्थानीय पुलिस की विशेष अभियान टीम ने साहस और दृढ़ता से कार्रवाई की। पुलिस ने चेतावनी दी है कि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों और झूठा प्रचार फैलाने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस की यह सख्त प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है, जिससे आतंकवाद को लेकर किसी तरह का भ्रम न फैले और सच सामने आए।

क्रालगुंड में आग लगने की घटना, एक दुकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त

जम्मू। क्रालगुंड बाजार में एक दुकान में मामूली आग लग गई, जिससे आंशिक क्षति हुई। यह दुकान जाविद अहमद डार की थी। सौभाग्य से, फायर सर्विस विभाग ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और आग को अन्य दुकानों तक फैलने से रोक दिया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच जारी है। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और स्थानीय प्रशासन ने स्थिति को तुरंत नियंत्रित कर लिया।

लोगों की सजगता से गब्बर पंचायत, बुद्धल में बड़ा अग्निकांड होने से टला

जम्मू। गब्बर पंचायत, बुद्धल में एक बड़ा अग्निकांड टल गया, जब एक घर की रसोई में अचानक आग लग गई। स्थानीय लोगों ने एकजुटता और सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत कार्रवाई की और पानी के बर्तनों से आग पर काबू पा लिया। हालांकि, फायर ब्रिगेड की गाड़ी समय पर नहीं पहुंच पाई, क्योंकि बुद्धल से गब्बर तक 8 किलोमीटर लंबी सड़क की खराब स्थिति के कारण वाहन को देरी हुई। इसके बावजूद, दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों ने मिलकर आग को बुझाने में सफलता पाई, जिससे कोई जान-माल की हानि नहीं हुई। आग स्वर्गीय मोहम्मद रफीक के पुत्र मोहम्मद शोकत के घर में लगी, जिससे आर्थिक नुकसान हुआ, लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों की साहसिक और त्वरित प्रतिक्रिया ने एक बड़े हादसे को टलने में मदद की।

श्रीनगर में वाहन की चपेट में आने से 16 वर्षीय किशोर की मौत

श्रीनगर। श्रीनगर के सेम्पोरा इलाके में शनिवार देर रात एक वाहन की चपेट में आने से 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि एक 16 वर्षीय स्कूटी सवार जिसका पंजीकरण नंबर जेके01बीए-4312 है और जो पंथा चौक के जाफ्रॉन कॉलोनी का निवासी है श्रीनगर के सेम्पोरा में एक वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। न्होंने कहा कि लड़के को तुरंत इलाज के लिए एसएमएचएस अस्पताल ले जाया गया हालांकि अस्पताल में उसकी मौत हो गई। उसकी पहचान फैजान अहमद नंदा (16) पुत्र मोहम्मद रफीक नंदा, निवासी श्रीनगर के जाफ्रॉन कॉलोनी के रूप में हुई है। इस बीच, घटना का संज्ञान लिया गया है।

भुंतर में हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

कुल्लू। थाना भुंतर के अंतर्गत पुलिस ने हेरोइन तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जिला में हेरोइन (चिट्टा) तस्करों के विरुद्ध विशेष अभियान छेड़ रखा है और इन्हें गिरफ्तार करने में सफलता भी हासिल हो रही है। नशा तस्करी का मामला रविवार बीती रात उस दौरान सामने आया जब पुलिस टीम सब्जी मंडी के समीप पार्किंग में गश्त कर रहे थे। इस दौरान शक के आधार पर एक व्यक्ति की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 7 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने नशे की खेप को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक डॉ कार्तिकेयन ने बताया कि पुलिस ने आरोपी अनिल कुमार (39) पुत्र नरेश कुमार निवासी गांव छोटी शमशी डाकघर शमशी तहसील भून्तर जिला कुल्लू के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है।

आईजीएमसी में मरीज के तीमारदार का मंहगा आईफोन चोरी

शिमला। राजधानी शिमला में सबसे बड़े सरकारी अस्पताल आईजीएमसी में एक मरीज के तीमारदार का मंहगा एप्पल आईफोन चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार शिमला जिला के चौपाल निवासी देवांश अपने पिता की देखभाल के लिए 21 मार्च से आईजीएमसी शिमला में मौजूद थे, जहां उनके पिता भर्ती हैं। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 28 मार्च की रात जब वह अपने पिता के पास सो रहे थे तो उसी दौरान किसी ने उनका एप्पल आईफोन चोरी कर लिया। सुबह उठने पर जब उन्होंने अपनी जेब में फोन नहीं पाया, तो उन्हें शक हुआ कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनका मोबाइल चुरा ले गया है। पीड़ित ने मामले की सूचना सदर थाना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि चोर का सुराग मिल सके। बता दें कि इससे पहले भी आईजीएमसी में चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। शिमला पुलिस ने अस्पताल में मौजूद तीमारदारों और मरीजों से सावधानी बरतने की अपील की है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

हमारा लक्ष्य प्रदेश को नशे के खिलाफ जागरूक कर हरियाणा को नशामुक्त बनाना: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने नशे के खिलाफ पूरे समाज को एकजुट होने का किया आह्वान

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को सोनीपत के दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित सोनीपत हॉफ मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हॉफ मैराथन में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों का मुख्य लक्ष्य प्रदेश को नशे के खिलाफ जागरूक करना है ताकि हरियाणा को नशामुक्त बनाया जा सके। उन्होंने पूरे समाज को नशे के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समस्त प्रदेशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाएं भी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दौड़ मिलकर चलने की प्रेरणा देने वाली, हमें खेलों के प्रति जागरूकता पैदा करने और नशे के खिलाफ पूरे समाज को लामबंद करने वाली दौड़ है। इस तरह के आयोजनों से न केवल सामाजिक जागरूकता आती है बल्कि हम सभी के अंदर उत्साह और उमंग का संचार भी होता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं, स्वस्थ समाज देश-प्रदेश के विकास व उत्थान की पहली सीढ़ी है। स्वस्थ समाज के लिए जरूरी है कि उसमें कुरीतियां न हो और वह नशे जैसी बुराई से मुक्त हो। इसी उद्देश्य से हमने प्रदेश में खेल सुविधाओं का विस्तार किया है। खेलों को बढ़ावा दिया है। युवाओं और सभी नागरिकों को नशे की बुराई से दूर रखने का अभियान भी चलाया है। यह मैराथन इसी अभियान की एक कड़ी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पूरे प्रदेश में मैराथन और राहगिरी का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों से आमजन को फिटनेस के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 29 अगस्त, 2019 को फिट इंडिया कार्यक्रम शुरू किया था ताकि आमजन अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने फिट इंडिया कार्यक्रम शुरू करके फिटनेस को आमजन की जीवन शैली का अभिन्न अंग बना दिया है। इसके साथ-साथ भारत ने विश्वभर को योग का मूलमंत्र भी दिया है। उन्होंने कहा कि आज की मैराथन में उमड़ी भीड़ देखकर पता चल रहा है कि लोग फिटनेस के लिए संकल्पबद्ध हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार निरंतर नशे पर प्रहार कर रही है। संतों, महात्माओं, स्वयंसेवी संस्थाओं और नागरिक संस्थाओं के साथ मिलकर नशे के खिलाफ काम कर रहे हैं। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेलों को बढ़ावा दे रहे हैं। नशा मुक्ति व पुनर्वास के लिए गांव व वार्ड स्तर से लेकर राज्य स्तर तक मिशन टीमों का गठन किया जा चुका है। धाकड़ कार्यक्रम को कॉलेज, यूनिवर्सिटी और शैक्षणिक संस्थाओं के स्तर पर शुरू किया गया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस मैराथन का आयोजन हरियाणा सरकार के हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। इस तरह प्रदेशभर में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। हरियाणा उदय अभियान के तहत अब तक 2,482 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें 16 लाख 50 हजार लोगों ने भाग लिया है। यह हरियाणा का आज तक का सबसे बड़ा आउटरीच कार्यक्रम साबित हुआ है। इसमें राहगिरी, साइक्लोथॉन, अपराध व नशे से प्रभावित क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिताएं, नशामुक्त अभियान, वरिष्ठ नागरिकों को गोद लेना, पुलिस पाठशाला आदि शामिल हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह बड़ी खुशी की बात है कि मैराथन में पूरे शहर से हजारों लोगों ने हिस्सा लिया है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने मैराथन में हिस्सा लिया है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सुना प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम

संवाददाता
चंडीगढ़

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रत्येक मन की बात कार्यक्रम लेकर आता है नई सोच: अरविंद शर्मा

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ0 अरविंद शर्मा ने गोहाना विधानसभा के गांव जुआं स्थित बूथ नंबर 136 पर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 120वां संस्करण सुना। इस दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने उपस्थित ग्रामीणों को भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का प्रत्येक मन की बात कार्यक्रम नई सोच को लेकर आता है और उनकी हर बात मन को छूने वाली होती है। मन की बात कार्यक्रम से नौजवानों और देशवासियों को कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है जो उनको जीवन में आगे बढने. में प्रेरणादायक सिद्ध होता है। मन की बात कार्यक्रम में बोलते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि आज मन की बात कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानीपत के उद्योगपतियों द्वारा कपड़ा उद्योग से निकलने वाले अपशिष्ट कपड़े का सदुपयोग करने के प्रयासों की प्रशंसा की, जो प्रदेश व प्रत्येक हरियाणावासी के लिए गर्व की बात है कि हम दूसरे लोगों के लिए प्रेरणादायक बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश का प्रत्येक वर्ग इतना ईमानदार व मेहनती है कि प्रधानमंत्री कई बार अपने मन की बात कार्यक्रमों में हरियाणा का जिक्र करते हैं। वहाँ उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सुझावों के साथ सभी बच्चे अपनी गर्मी की छुट्टियों का सदुपयोग करें और प्रधानमंत्री द्वारा बताए गए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के साथ जुडकर सीमावर्ती गांवों में एक अनोखा अनुभव लेने के साथ-साथ अंबेडकर जयंती पर पदयात्रा में हिस्सा लेकर आप संविधान के मूल्यों को लेकर जागरूकता भी फैलाएं।

सात दिवसीय श्री शिव महा पुराण की कथा का हुआ समापन

शिवरात्रि व्रत है अत्यंत महत्वपूर्ण, जो शिव की कृपा और मोक्ष की प्राप्ति का है मार्ग : आचार्य महेश गुरु

संवाददाता
लाडवा

बाबा बंसी वाला वृद्धाश्रम द्वारा आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शिरकत कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री के साथ पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा भी साथ रहे। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि शिव महापुराण कथा जैसे आयोजन समाज को एक नई दिशा व ऊर्जा प्रदान करते हैं और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। कावड़ सेवा दल व मुख्य यजमान विजेंद्र गोयल ने मुख्यमंत्री को सम्मानित किया। वही आचार्य महेश गुरु ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कथा के समापन पर हवन व भंडारा आयोजित किया गया। जिसमें लोगों ने बड़ी भारी संख्या में भाग लेकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। शिवाला राम कुंडी पर चल रही कथा में उज्जैन के प्रसिद्ध कथा व्यास आचार्य महेश गुरु जी ने शंखचूड़ तुलसी विवाह, नंदी अवतार, पीप्लाद हनुमत व दुवार्सा अवतार की कथा सुनाई । अंतिम सत्र में द्वादश ज्योतिर्लिंग के प्रकट होने के रहस्य व उनकी महिमा के बारे में सविस्तार बताया। उन्होंने शिवरात्रि व्रत के बारे में बताते हुए कहा कि शिवरात्रि व्रत अत्यंत महत्वपूर्ण है। जो शिव की कृपा और मोक्ष प्राप्ति का मार्ग है। इस व्रत में रात्रि जागरण, रुद्राभिषेक और उपवास का विधान है, जो शिव और शक्ति के मिलन का प्रतीक है। महाशिवरात्रि का व्रत करने वाले शिव कृपा का भागी बन जाते है और यमराज के दूत भी उससे दूर रहते हैं। आज कथा सत्र में प्रसिद्ध कथावाचक व भागवत मनीषी आचार्य रजनीश शास्त्री ने पहुंच कर कथाव्यास आचार्य महेश गुरु को सम्मानित किया व श्री शिव महापुराण की कथा सुनी। मुख्य यजमान विजेंद्र गोयल व अमित गोयल ने कथा समापन के बाद आरती की। मुख्य यजमान विजेंद्र गोयल व उनके सुपुत्र अमित गोयल ने सभी संस्थाओं का इस महायज्ञ में सहयोग देने के लिए धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पवन गोयल,,विकास सिंघल, अनुज गोयल, संजय सिंगला, मदनलाल राजकुमार सैनी, देशराज, कुंवर सिंघल, वीरेंद्र सिंघल, अशोक मित्तल सहित सभी सदस्यों ने श्री शिव महापुराण की आरती में भाग लिया। आचार्य महेश गुरु जी ने जहां आयोजकों व मुख्य यजमान के परिवार को आशीर्वाद दिया वहीं सभी आए हुए श्रद्धालुओं को भी आशीर्वाद देते हुए उनके कुशल मंगल की कामना की। इस अवसर पर भारी संख्या में महिलाएं व पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सैनी ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की 2 परियोजनाओं का किया शिलान्यास

संवाददाता
लाडवा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लाडवा हल्का में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की 2 बड़ी परियोजनाओं पर प्रदेश सरकार की तरफ से 4 करोड़ 48 लाख रुपए की राशि का बजट खर्च किया जाएगा। इन परियोजनाओं से लाडवा के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के हजारों लोगों को फायदा मिलेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा आईजीएन कॉलेज में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की 4 करोड़ 48 लाख रुपए के बजट की दो परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें राक्षी नदी पर तीन पुलियों की जगह पक्के पुलों का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस परियोजना पर एक करोड़ 35 लाख 72 हजार रुपए का बजट खर्च किया जाएगा। दूसरी परियोजना के तहत राक्षी नदी के 2 हजार 200 फीट लंबाई क्षेत्र का आरसीसी ट्रफ से निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस परियोजना पर 3 करोड़ 12 लाख 25 हजार रुपए का बजट खर्च किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद लाडवा शहर की आबादी क्षेत्र व फसलों को नुकसान नहीं होगा। इसलिए लाडवा शहर और इसके आस-पास के डेरों व कालोनियों के हजारों नागरिकों की जान, सम्पत्ति व फसलों को बचाने के लिए इन योजनाओं को तैयार किया गया है। इस मौके पर पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच, उपायुक्त नेहा सिंह, मुख्यमंत्री के कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी, अधीक्षक अभियंता अरविंद कौशिक, भाजपा के जिला अध्यक्ष तजेन्द्र सिंह गोल्डी आदि उपस्थित थे।

शिक्षा महज नौकरी पाने का जरिया नहीं बल्कि यह जीवन परिवर्तन का मार्ग है: बंडारू दत्तात्रेय

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने करनाल के वरिष्ठ उपाध्याय मनोहर मुनि जैन पब्लिक स्कूल के 25वें स्थापना समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा महज नौकरी पाने का जरिया नहीं है बल्कि यह एक जीवन परिवर्तन का मार्ग है। शिक्षा हमें संस्कारवान बनाती है। उन्होंने वीयूएमएम जैन पब्लिक स्कूल के 25 वें स्थापना दिवस पर समस्त छात्रों व स्कूल मैनेजमेंट को बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने हिन्दू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं दी।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि आज के कार्यक्रम में छात्रों ने महिला सशक्तिकरण को लेकर बेहतरीन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी है, जो हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी बेटी-बचाओ और बेटी-पढ़ाओ अभियान को शुरू किया था। इसके साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में लखपति दीदी और ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं की शुरूआत की गई है, जिसका लाभ महिलाएं उठा रही हैं।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भारत तेजी से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। विश्व की बड़ी शक्तियों में भारत का नाम गिना जाता है। देश को आगे बढ़ाने में हमारी युवा शक्ति का अहम योगदान है। हमें शिक्षा के साथ-साथ स्किल पर भी कार्य करना चाहिए। आज शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक का महत्व बढ़ गया है। ऐसे में हम नए-नए स्किल सीखकर न केवल नौकरी अर्जित कर सकते हैं बल्कि नए-नए स्टार्ट अप भी खड़े कर सकते हैं।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि वीयूएमएम जैन पब्लिक स्कूल गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान कर रहा है। बेहद खुशी है कि विद्यालय अपने 25 वर्ष पूरे कर रहा है।

घोषणा **लाडवा में बनेगा 100 बैड का अस्पताल, मुख्यमंत्री की घोषणाओं में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी के खिलाफ होगी सख्त कार्यवाही**

लाडवा में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने के लिए बनेगा खेल स्टेडियम: नायब सैनी

अनिल गोयल
लाडवा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लाडवा के गांव धनौरा जाट्टान में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने के लिए आधुनिक खेल स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। इस खेल स्टेडियम पर सरकार की तरफ से करोड़ो रुपए पारित किया गया है। इस हलका में धनौरा जाट्टान के साथ-साथ खैरा और बीड़ कालवा के खेल प्रांगणों में सी.एस.आर. के तहत करीब 20 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी। इस आधुनिक खेल स्टेडियम में खिलाडियों को उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी और इंडोर हाल का भी निर्माण किया जाएगा। इस 6 एकड़ के खेल स्टेडियम के साथ लगती पंचायती जमीन को साथ मिलाने के आदेश दिए गए है। इस खेल स्टेडियम में पर सरकार की तरफ से अब तक 2 करोड़ 34 लाख का बजट खर्च किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को लाडवा आई.जी.एन. कॉलेज में लाडवा हलका के विकास कार्यो की समीक्षा को लेकर अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लाडवा के गांव धनौरा जाट्टान में खेल स्टेडियम को आधुनिक खेल स्टेडियम बनाने के आदेश देते हुए कहा कि इस परियोजना जल्द-जल्द अमलीजामा पहनाया जाए और तमाम औपचारिकताओं को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि गांव लाडवा में एफ.आर.यू. यूनिट के बाद 100 बैड का अस्पताल बनाया जाएगा। गांव रामशरण माजरा में 3 करोड़ 23 लाख, गांव बीड़ मथाना में 3 करोड़ 29 लाख की लागत से सामुदायिक केन्द्र का निर्माण कार्य किया जाएगा, गांव बीड़ मथाना, बीड़ बड़तौली, जोगीमाजरा व मेहरा में पार्क कम व्यायामशाला का निर्माण कार्य जून 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा, ग्रामीण क्षेत्र में गलियों, चारदीवारी, चौपाल, मुरम्मत, पानी निकासी, सामुदायिक केन्द्र, शौचालय, अबेंडकर भवन सहित 15 लंबित विकास कार्यो को जल्द से जल्द शुरू करने के आदेश दिए गए है, नगरपालिका के विभिन्न विकास कार्यो करीब 8 करोड़ रुपए का बजट खर्च किया जाएगा। इन विकास कार्यो को जल्द शुरू करने के आदेश दिए गए है। मुख्यमंत्री ने सी.एम. घोषणाओं को निर्धारित समय पर पूरा न करने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं को लेकर लापरवाही बरतने वाले अधिकारी को किसी भी सुरत में बख्शा नही जाएगा। सभी अधिकारी वर्ष 2015 से लंबित घोषणाओं को जल्द पूरा नही करेगें। तो सख्त कार्यवाही अम्ल में लाई जाएगी।

लाडवा में किडनी के मरीजों को जल्द मिलेगा डायलसिस की सुविधा

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि लाडवा में किडनी के मरीजों की सुविधा के लिए डायलसिस की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। इसके आलावा लाडवा अस्पताल में जल्द ही एफ.आर.यू. (फर्स्ट रैफरल यूनिट) की सुविधा उपलब्ध होगी। इस यूनिट में 3 विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए लाडवा में गायनी के चिकित्सक भी नियुक्त करने के आदेश दिए है। इस हलका में जो चिकित्सक लम्बी छूटी या डैपयूटेशन पर गए है, उनके पदों को रिक्त दिखाकर दूसरे डाक्टरों की नियुक्ति की जाए। इस जिले में चिकित्सकों की कमी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव बन में 20 से ज्यादा कैंसर के मरीज सामने आ चुके है, इस गांव में पीने के पानी की जांच भी की जाएगी। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करने के लिए विशेष शिविर भी लगाएंगें।

लाडवा में 31 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा सव-डिवीजिन ऑफिस काम्पलैक्स

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को सख्त आदेश दिए कि लाडवा सव-डिविजन ऑफिस काम्पलैक्स के निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। इस काम्पलैक्स का निर्माण कार्य आगामी 2 माह में शुरू किया जाए और टैंडर प्रक्रिया को आगामी कुछ दिनों में पूरा कर दिया जाए। इस प्रौजेक्ट पर प्रदेश सरकार की तरफ से 31 करोड़ रुपए का बजट भी पारित किया हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि लाडवा में न्यायिक परिषद परियोजना को भी जल्द तैयार किया जाए। इसके लिए अधिकारी नियमानुसार जल्द कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गांव कौलापुर, बरगट चौक बाबैन से सुनारियां चौक, लाडवा से नई सब्जी मंडी तक फारलैनिंग परियोजना पर जल्द से जल्द कार्य शुरू किया जाए। इस परियोजना पर प्रदेश सरकार की तरफ से 17.89 करोड़ का बजट खर्च किया जाएगा। इस परियोजना के निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देर सहन नहीं की जाएगी। इस दौरान सभी विभाग तमाम औपचारिकताएं पूरी करना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को सख्त आदेश दिए कि गांव बिहोली में 4 करोड़ 24 लाख की लागत से बनने वाले वैटैनेनिरी पालीक्लीनिक का निर्माण कार्य 30 अप्रैल 2025 तक पूरा किया जाए। इस अस्पताल में अल्ट्रासांउड व एक्स- रे मशीन की व्यवस्था होनी चाहिए। सैनी ने कहा कि लाडवा व बाबैन में पानी निकासी और गलियों के निर्माण कार्य 2 करोड़ 88 लाख कर राशि खर्च की गई है।

संक्षिप्त-समाचार

हिंदू हाई स्कूल में इन-हाउस में हैप्पी क्लास रूम की ट्रेनिंग का किया आयोजन

लाडवा। हिंदू हाई स्कूल में सीबीएसई के दिशानिर्देशों के अनुसार इन-हाउस में हैप्पी क्लासरूम की ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। प्रबंधक कमेटी के प्रधान पवन गर्ग ने कहा कि हिंदू हाई स्कूल का परिवार बहुत हौसले और मेहनत के साथ ये ट्रेनिंग कर रहे हैं। स्कूल की प्रधानाचार्य योगिता आहलूवालिया ने बताया कि सत्र के आरंभ में क्लासरूम मैनेजमेंट करना अत्यंत आवश्यक है ताकि बच्चों की पहले दिन से ही पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि बनाई जा सके। जो आने वाले समय में उनके लिए अच्छे रिजल्ट लाने में बहुत सहायक सिद्ध होगी। रिसोर्स पर्सन के रूप में श्रीमती सपना सिंह ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि हैप्पी क्लास मैनेजमेंट की तैयारी सभी शिक्षकों को बच्चों के आने से पहले ही कर लेनी चाहिए। परीक्षाएं खत्म होने के बाद बच्चे काफी समय तक घर पर रहने के बाद स्कूल में आते हैं तो पहले दिन ही पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि को बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पहले ही दिन बच्चों को पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य न करवाके उनसे ऐसी एक्टिविटी करवाई जाए। जिससे उनमें स्कूल में आकर पढ़ाई के प्रति अरुचि उत्पन्न न हो। साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ाई में कमजोर बच्चों को अतिरिक्त समय देने की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि वे भी पढ़ाई में सुधार कर सके। इस ट्रेनिंग में हिंदू हाई स्कूल के सभी शिक्षक व शिक्षिकाओं उपस्थित रहे।

मदर टेरेसा मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए लाइफ स्किल हाउस ट्रेनिंग कार्यशाला का किया आयोजन

लाडवा। लाडवा पिपली मार्ग पर स्थित मथाना चौकी पर मदर टेरेसा मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए विशेषज्ञ सिमरिता मदान के द्वारा लाइफ स्किल हाउस ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा सक्सेना के द्वारा सरस्वती दीप प्रज्वलन से हुई। प्रधानाचार्या ने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को जीवन कौशलों से सशक्त बनाना और शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना था। उन्होंने शिक्षकों के समग्र विकास में जीवन कौशलों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण सत्र का संचालन विशेषज्ञ सिमरिता मदान द्वारा किया गया। जिन्होंने शिक्षकों को संचार कौशल, निर्णय-निर्माण, समस्या समाधान, भावनात्मक संतुलन और नेतृत्व क्षमता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। सत्र के दौरान शिक्षकों ने टीम वर्क, आत्म-जागरूकता और समय प्रबंधन पर आधारित विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस प्रशिक्षण से शिक्षकों को न केवल अपनी व्यक्तिगत दक्षताओं को विकसित करने का अवसर मिला, बल्कि छात्रों के समग्र विकास में भी योगदान देने की प्रेरणा मिली। प्रधानाचार्या ने इस पहल को शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षण पद्धति को अधिक प्रभावी और विद्यार्थियों के लिए लाभकारी बनाते हैं। अंत में, सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद किया गया।

नव संवत्सर पर भजन संध्या का किया आयोजन

लाडवा। नगर की प्रसिद्ध संस्था जय भारत कला मंच ने गत रात्रि को हिंदू नवसंवत्सर बड़ी धूमधाम से मनाया। जिस में दीप प्रज्वलित किया गया। उसके बाद देशभक्ति और भजन का कार्यक्रम किया गया। जिसने मंच के डायरेक्टर बबलू व्यास, विकी मलिक, पंकज गर्ग, अमित शर्मा ने अपनी सुंदर प्रस्तुति दी। मंच के प्रधान रोकी शर्मा ने कहा कि सनातनी होना हम सब के लिए बड़े गर्व की बात है और सनातन के अनुसार 30 मार्च से हमारा नववर्ष शुरू हो रहा है। रोकी शर्मा ने सभी को नववर्ष की बधाई देते हुए देश प्रदेश की सुख शांति की कामना की। बाद में सभी ने सहभोज का आनंद लिया। मंच के प्रधान ने बताया कि मंच हर महीने 2 बार सहभोज का कार्यक्रम रिहर्सल रूम हिंदू स्कूल के पास करते है। इस अवसर पर सुमित, अनिल गुप्ता, निशु शर्मा, रिंकु अरोड़ा, विकास भारद्वाज, ऋषभ, मोनू, हनी शर्मा, बंटी मलिक, रिंकु शर्मा, ललित, भरत शर्मा, राहुल, विशाल, संकेत, गोलू, विष्णु, अश्वनी, राजू,अमित कंसल, अमित अरोड़ा, विक्रम सेनी, राघव शर्मा सभी सदस्य मौजूद थे।

नई शिक्षा नीति, 2020 के बारे अध्यापकों को प्रशिक्षित करने हेतु लगाया शिविर

लाडवा। शहीद भगत सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बरोट (कुरुक्षेत्र) में अध्यापकों के लिए एक दिन प्रशिक्षण शिवर का आयोजन किया गया। जिसमें नई शिक्षा नीति, 2020 के बारे अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। जिसमें स्कूल के अधिकतर अध्यापक शामिल रहे।प्रिंसिपल मुकेश चंद ने बताया कि यह प्रशिक्षण अध्यापकों को शिक्षा में होने वाले बदलाव को समझने के लिए सहयोगी रहेगा। इस अवसर पर स्कूल के सभी अध्यापकगण उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य जाँच शिविर लगा कर दी स्वर्गीय बाबू श्री ओम प्रकाश जिंदल को श्रद्धांजलि: धर्मवीर

लाडवा। स्वर्गीय बाबू श्री ओम प्रकाश जिंदल की 20 वी पुण्य तिथि के उपलक्ष में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन इकाई लाड़वा के द्वारा श्री आत्म मनोहर जैन चैरिटेबल संस्थान के सहयोग से एक निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर सुगनी देवी आर्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल लाड़वा में लगाया गया। जिसमे हमारे लोकप्रिय सांसद नवीन जिंदल के प्रतिनिधि धर्मवीर जी मुख्यतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कैंप में दाँत रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, हड्डियों के डॉक्टर,व जनरल फिजीसीयन द्वारा अपनी सेवाए दी व जिंदल फाउंडेशन की तरफ से सभी तरह के टेस्ट निशुल्क किए गए। कैम्प में 195 लोगो की स्वास्थ्य जांच की गई व एक सप्ताह की निशुल्क दवाई दी गई। वही आई हुई मोबाइल लैब में 61 लोगो के टेस्ट किए गए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी मित्रसैन, लाड़वा के प्रसिद्ध उद्योगपति राजीव गर्ग,समाजसेवी वैभव अग्रवाल, समाजसेवी राजदुलारी वशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल हुई। वही कार्य की अध्यक्षता अश्वनी जैन द्वारा की गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुगनी देवी आर्य गर्ल्स स्कूल के स्टाफ व मैनेजमेंट ने बहुत विशेष योगदान दिया। वही समाजसेवी सचिन गर्ग,मोनिका बंसल, बफार्नी सेवा दल व श्री आत्म मनोहर जैन चैरिटेबल संस्थान ने इस कैम्प में विशेष सहयोग की आहुति डाली। इस अवसर पर मैनेजमेंट के प्रधान अनिल गोयल, सदस्य राज कुमार गर्ग व अखिल भारतीय अग्रवाल संस्था के प्रधान महेश गुप्ता, सचिव हरीश सिंगला,जगमोहन अग्रवाल,अंकुर गुप्ता, अजय गुप्ता, दीपक गुप्ता,सुरेंद्र सिंगला,खरेती लाल सिंगला,राम निवास बंसल,अजय गोयल,संदीप सिंगला, अजय गुप्ता,युवा प्रधान अंकित मंगला, सचिव रोहित,महिला प्रधान उर्मिल अग्रवाल, जिला उप प्रधान शिव गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

भारत की तरक्की में अहम योगदान दे सकता है इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना

जी हां अगर आप ने भारत को तरक्की के रास्ते पर रफतार देनी है तो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना एक अच्छी पसंद हो सकती है।इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत में परिवहन क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है, और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी (ईवी) इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण घटक बन चुकी है। जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने, वायु प्रदूषण को घटाने और सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। भारत सरकार ने इस दिशा में कई महत्त्वपूर्ण नीतियाँ और प्रोत्साहन योजनाएँ लागू की हैं, जिनका उद्देश्य देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को मुख्यधारा में लाना है। हाल ही में, भारत सरकार ने ईवी बैटरियों से संबंधित कुछ प्रमुख घटकों के आयात शुल्क में छूट दी है।यह निर्णय घरेलू स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण और बैटरी उत्पादन को बढ़ावा देने की एक रणनीतिक पहल मानी जा रही है।हालांकि, अभी भी कई चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जिन्हें दूर करने के लिए एक ठोस नीति और नवाचारों की आवश्यकता है।आइये बात करते हैं भारत में ईवी क्षेत्र की मौजूदा स्थिति के बारे में। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकृति और उपयोग में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2023 में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 49.25% की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे कुल 1.52 मिलियन ईवी बेचे गए।मई 2024 तक, यह संख्या 1.39 मिलियन यूनिट तक पहुँच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20.88% अधिक थी।सरकार ने 2030 तक निजी कारों में 30%, वाणिज्यिक वाहनों में 70%, बसों में 40% और दोपहिया व तिपहिया वाहनों में 80% तक इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी का लक्ष्य निर्धारित किया है।भारत में बैटरी उत्पादन को स्थानीय स्तर पर विकसित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। सरकार द्वारा बैटरी से संबंधित उपकरणों के आयात शुल्क में छूट दी गई है, जिससे घरेलू निर्माण को बढ़ावा मिलेगा।ईवी क्षेत्र में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। टाटा मोटर्स, विनफास्ट और स्टेलेंटिस जैसी कंपनियाँ इस क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं।विभिन्न राज्य सरकारें भी अपनी अलग-अलग ईवी नीतियाँ लागू कर रही हैं। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र ने 2025 तक अपने नए वाहनों के 10% को इलेक्ट्रिक बनाने का लक्ष्य रखा है। कर्नाटक 2030 तक अपने सभी वाणिज्यिक 3ह और 4ह वाहनों का विद्युतीकरण करने की योजना बना रहा है।चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना ईवी अपनाने के लिए बेहद जरूरी है।फरवरी 2024 तक, भारत में कुल 12,146 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए थे। सरकार और वित्तीय संस्थाएँ ईवी खरीदने के लिए किफायती वित्तीय योजनाएँ उपलब्ध करा रही हैं।ईवी को अपनाने में कई प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जैसे अपर्याप्त चार्जिंग अवसंरचना-ईवी चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार अभी भी अपर्याप्त है। खासकर छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में चार्जिंग स्टेशन की कमी एक बड़ी बाधा बनी हुई है। उच्च प्रारंभिक लागत-यद्यपि बैटरी की कीमतों में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है, फिर भी इलेक्ट्रिक वाहनों की प्रारंभिक लागत पारंपरिक पेट्रोल और डीजल वाहनों की तुलना में अधिक है। आपूर्ति श्रृंखला निर्भरता-भारत अभी भी लिथियम, कोबाल्ट और निकल जैसे महत्त्वपूर्ण बैटरी घटकों के लिए आयात पर निर्भर है।नीति की अनिश्चितता-ईवी नीतियों में बार-बार बदलाव निवेशकों और उपभोक्ताओं के लिए अनिश्चितता पैदा करता है। ईवी अंगीकरण को बढ़ावा देने के लिए कई सुझावों पर गौर कर सकते हैं इनमें चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार-भारत को चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने और इंटर-ऑपरेबल चार्जिंग समाधान विकसित करने की जरूरत है। इसके लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। दीर्घकालिक नीति और सब्सिडी समर्थन-सरकार को फेम क्क्क्जैसी योजनाओं को लागू करना चाहिए, जिससे ईवी निमार्ताओं और उपभोक्ताओं को अधिक निश्चितता मिल सके।बैटरी निर्माण और नवाचार पर निवेश-घरेलू स्तर पर बैटरी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ढछकयोजना का विस्तार किया जाना चाहिए।स्मार्ट सिटीज और ईवी-स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत ईवी चार्जिंग नेटवर्क को विकसित करने और ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाने चाहिए। छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए समर्थन-ई वी स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग दिया जाना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्र में ईवी को बढ़ावा देना-सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों को अपनी गाड़ियों का कम से कम 30% इलेक्ट्रिक करने का लक्ष्य रखना चाहिए।उपभोक्ता जागरूकता अभियान-बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाकर इलेक्ट्रिक वाहनों के लाभों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए।अंत में कह सकते हैं कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की वृद्धि और अपनाने की गति लगातार तेज हो रही है।सरकार और निजी क्षेत्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बावजूद, ईवी उद्योग को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, नीति समर्थन और बैटरी निर्माण के क्षेत्रों में ठोस पहल की जाए, तो भारत एक प्रमुख वैश्विक ईवी बाजार बन सकता है।सतत परिवहन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार, उद्योग और उपभोक्ताओं के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने से भारत न केवल अपने कार्बन उत्सर्जन को कम कर सकता है, बल्कि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा क्रांति में अग्रणी भूमिका भी निभा सकता है।

आज का राशिफल

मेष: आज आप नए व्यवसायिक अवसरों की खोज में रहेंगे।पुराने मित्रों से मुलाकात होगी और यादें ताजा करेंगें।शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। आपकी सलाह दूसरों के लिए उपयोगी साबित होगी। जीवनसाथी के साथ समय आनंदमय रहेगा।

वृषभ: आज आपके मन में अस्थिरता बनी रह सकती है। आज के दिन अपनी वाणी में संयम रखें और विरोधियों से सतर्क रहें। संपत्ति से जुड़े दस्तावेज संभालकर रखें। अत्यधिक मेहनत से थकान महसूस होगी, सेहत का ध्यान रखें।

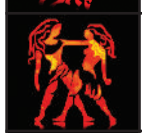
मिथुन: आपका दिन जोश और उत्साह से भरा रहेगा। व्यर्थ की बातों से दूर रहें। संतान से सुखद समाचार मिलेगा। परिवार में हल्की नोकझोंक हो सकती है। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहेंगे और लोग आपके विचारों से प्रभावित होंगे।

कर्क: आज जोखिम भरे निवेश करने से बचें।परिवार के वरिष्ठ सदस्यों की सलाह को महत्व दें।बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें। विद्यार्थियों को शिक्षकों से मार्गदर्शन मिलेगा। नौकरी में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं।

सिंह: कार्यस्थल पर बॉस के साथ संबंध मधुर रखें। जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। जीवनसाथी की किसी बात से मन व्यथित हो सकता है। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। टीमवर्क में समन्वय की कमी महसूस हो सकती है।

कन्या: सुबह थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है।माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।दांपत्य जीवन में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।मित्रों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलेगा। राजनीतिक क्षेत्र के लोगों के लिए दिन चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

तुला: आज घरेलू कार्यों में व्यस्तता रहेगी। बुद्धिमान व्यक्तियों से मार्गदर्शन मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कानूनी मामलों में सफलता मिलने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। प्रेम संबंधों को समय देंगे।

वृश्चिक: उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आपको अधूरे कार्य पूरे करने की चिंता बनी रहेगी। विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। परिवार के प्रति समर्पण की भावना बढ़ेगी।

धनु: आज धन प्राप्ति के नए अवसर मिल सकते हैं।पारिवारिक माहौल थोड़ा गंभीर रहेगा। दांपत्य जीवन में प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा। शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश से लाभ मिलेगा। परीक्षा एवं साक्षात्कार में सफलता मिल सकती है।

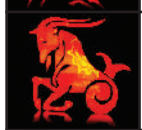
मकर: बच्चों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। अधिक भागदौड़ करने से बचें।मानसिक दुविधा के कारण कार्य प्रभावित हो सकते हैं।विरोधी भ्रमित करने का प्रयास कर सकते हैं।परिवार से पूरा सहयोग न मिलने की संभावना है।

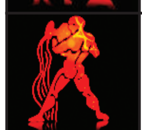
कुंभ: व्यवसाय में लाभ के संकेत हैं। आज के दिन अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहेंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

मीन: आज अनावश्यक भागदौड़ से बचें, सेहत प्रभावित हो सकती है। अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। किसी कारणवश काम में रुकावट आ सकती है।कुछ लोग आपका मनोबल गिराने की कोशिश कर सकते हैं।सहकर्मियों से अच्छा व्यवहार बनाए रखें।

राजस्थान का प्रमुख लोकोत्सव है गणगौर पर्व

31 मार्च पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा (हि.स.)

गणगौर एक प्रमुख त्योहार है।यह मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है।गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीघार्यु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देवभूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं।गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है।परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है।

लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। लेकिन सभी आयु वर्ग की विवाहिता महिलायें भी गणगौर की पूजा करती हैं।राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हों, गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं।जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती हैं। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती हैं।उसे देखकर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है।

कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है।गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है।कहते हैं कि इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं।कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है।

होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं।उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं:-

गौर ये गणगोर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली।

गीत गाने के बाद लड़कियां गणगौर की कहानी सुनती है। दोपहर को गणगौर के भोग लगाया जाता है तथा कुए से लाकर पानी पिलाया जाता है। लड़कियां कुए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं:-

म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाट्यारी मुकुट करो,

बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो,

म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो।

लड़कियां गीतों में गणगौर के प्यासी होने पर काफी चिन्तित लगती हैं एवं गणगौर को जल्दी से पानी पिलाना चाहती है। पानी पिलाने के बाद गणगौर को गेहूं चने से बनी घूघरी का प्रसाद लगाकर सबको बांटा जाता है और लड़कियां गीत गाती हैं:-

म्हारा बाबाजी के माण्डी गणगौर, दादसरा जी के माण्ड्यो रंगरो झूमकड़ो,

ल्यायोजी - ल्यायो ननद बाई का बीर, ल्यायो हजारी ढोला झुमकड़ो।

रात को गणगौर की आरती की जाती है तथा लड़कियां नाचती हुई गाती हैं। गणगौर पूजन के मध्य आने वाले एक रविवार को लड़कियां उपवास करती हैं।प्रतिदिन शाम को क्रमवार हर लडकी के घर गणगौर ले जायी जाती है। जहां गणगौर का 'बिन्दौरा' निकाला जाता है तथा घर के पुरुष लड़कियों को भेंट देते हैं। लड़कियां खुशी से झूमती हुई गाती हैं:-

ईसरजी तो पेंचो बांध गोराबाई पेच संवार ओ राज म्हे ईसर थारी सालीछां।

गणगौर विसर्जन के पहले दिन गणगौर का सिंजारा किया जाता है।लड़कियां मेहन्दी रचाती हैं। नये कपड़े पहनती हैं, घर में पकवान बनाये जाते हैं। सत्रहवें दिन लड़कियां नदी, तालाब, कुए, बावड़ी में ईसर गणगौर को विसर्जित कर विदाई देती हुई दुःखी हो गाती हैं:-

गोरल ये तू आवड़ देख बावड़ देख तन बाई रोवा याद कर।

गणगौर की विदाई का बाद कई महिनो तक त्यौहार नहीं आते इसलिए कहा गया है-ह्लह्लतीज त्यौहारा बावड़ी ले डूबी गणगौरह्लह्ल। अर्थात जो त्यौहार तीज (श्रावणमास) से प्रारम्भ होते हैं, उन्हें गणगौर ले जाती है।ईसर-गणगौर को शिव पार्वती का रूप मानकर ही बालाऐं उनका पूजन करती हैं। गणगौर के बाद बसन्त ऋतु की विदाई व ग्रीष्म ऋतु की शुरूआत होती है। दूर प्रान्तों में रहने वाले युवक गणगौर के पर्व पर अपनी नव विवाहित प्रियतमा से मिलने अवश्य आते हैं। जिस गोरी का साजन इस त्यौहार पर भी घर नहीं आता वो सजनी नाराजगी से अपनी सास को उलाहना देती है। ह्लह्लसासू भलरक जायो ये निकल गई गणगौर, मोल्यो मोड़ों आयो रेह्लह्ल।

गणगौर महिलाओं का त्योहार माना जाता है, इसलिए गणगौर पर चढ़ाया हुआ प्रसाद पुरुषों को नहीं दिया जाता है।गणगौर के पूजन में प्रावधान है कि जो सिंदूर माता पार्वती को चढ़ाया जाता है, महिलाएं उसे अपनी मांग में सजाती हैं। शाम को शुभ मुहूर्त में गणगौर को पानी पिलाकर किसी पवित्र सरोवर या कुंड आदि में इनका विसर्जन किया जाता है।

आज आवश्यकता है इस लोकोत्सव को अच्छे वातावरण में मनाये। हमारी प्राचीन परम्परा को अक्षुण बनाये रखें।इसका दायित्व है उन सभी सांस्कृतिक परम्परा के प्रेमियों पर है, जिनका इससे लगाव है। जो ऐसे पर्वो को सिर्फ पर्यटक व्यवसाय की दृष्टि से न देखकर भारत के सांस्कृतिक विकास की दृष्टि से देखने के हिमायती हैं।अब राजस्थान पर्यटन विभाग की वजह से हर साल मनाए जाने वाले इस गणगौर उत्सव में शामिल होने कई देशी-विदेशी पर्यटक भी पहुँचने लगे हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

नैतिक पतन के चलते खतरे में इंसानी रिश्ते

डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स.)

समाज में कितना पतन बाकी है? यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। महिला ने जेठ के साथ मिलकर अपने दो वर्ष के बेटे को मरवा दिया। पत्नी ने प्रेमी सँग मिलकर मर्चेंट नेवी मे अफसर पति के टुकड़े-टुकड़े कर ड्रम में डाल दियाा। पिता ने नौकर से अपने बेटे की हत्या करवायीं। ये कुछ वारदातें तो बानगी भर हैं। दरअसल नैतिक पतन के चलते इस तरह की खबरें अब आम हो रही हैं। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। लेकिन यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएँ समाचारों में ज्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं। हमें जरूरत है कि हम अच्छाई को भी उतना ही महत्त्व दें और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। इस पतन के कारणों को समझकर समाधान निकालना जरूरी है- परिवारों में संवाद बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, नैतिक शिक्षा को मजबूत करना और अपराध रोकने के लिए सख्त कदम उठाना। हमें यह भी सोचना होगा कि हम किस तरह के मूल्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा समाज बना रहे हैं। समाज के पतन को पूरी तरह रोकना कठिन हो सकता है, लेकिन हम सब मिलकर इसे धीमा कर सकते हैं और सही दिशा में मोड़ सकते हैं।

आज के समय में जब हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर नजर डालते हैं तो चारों ओर अपराध, धोखा, हिंसा और नैतिक पतन की खबरें देखने को मिलती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि समाज घोर कलयुग के प्रभाव में प्रवेश कर चुका है। पारिवारिक सम्बंधों में विश्वास की कमी, नैतिक मूल्यों का ह्रास और भौतिक सुखों की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को कमजोर कर दिया है। समाज में नैतिकता, रिश्तों की अहमियत और मानवीय संवेदनाएँ धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही हैं। हत्या, विश्वासघात, स्वार्थ, लालच और नैतिक पतन की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। यह देखकर ऐसा लगता है कि समाज एक अंधकारमय दौर की ओर बढ़ रहा है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। समाज में जिस तरह से नैतिक पतन बढ़ रहा है, वह केवल अपराधों की संख्या नहीं बल्कि पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने के टूटने का संकेत भी देता है।

समाज में रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है और इसके कई कारण हो सकते हैं। पहले जहाँ रिश्तों में अपनापन, विश्वास और त्याग होता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच और दिखावे ने उनकी जगह ले ली है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी और दोस्तों के बीच भी आजकल स्वार्थ और लालच हावी होता जा रहा है। परिवार, जो पहले प्रेम और सहयोग का केंद्र हुआ करता था, अब झगड़ों और आपसी मतभेदों का शिकार बनता जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर हत्या, बलात्कार, लूटपाट और धोखाधड़ी जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं। परिवार के सदस्य तक एक-दूसरे के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। लोग नैतिकता और ईमानदारी को छोड़कर किसी भी तरह से धन और सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का शोषण ही क्यों न करना पड़े। पहले लोग जीवन में धैर्य रखते थे, कठिनाइयों को सहन करते थे, लेकिन आजकल गुस्सा और अधीरता लोगों पर हावी हो गई है। छोटे-छोटे विवाद हिंसक रूप लेने लगे हैं। धर्म केवल दिखावे का साधन बनता जा रहा है, जबकि नैतिकता और ईमानदारी की कीमत घटती जा रही है। लोग दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं, लेकिन खुद सही राह पर नहीं चलते। पहले संयुक्त परिवार होते थे, जहाँ बुजुर्गों का मार्गदर्शन रहता था लेकिन अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर पारिवारिक मूल्यों में कमी आ रही है। आर्थिक दबाव, रिश्तों में तनाव और व्यक्तिगत इच्छाओं के टकराव से लोग मानसिक रूप से अस्थिर हो रहे हैं, जिससे वे गलत फैसले लेते हैं। इंटरनेट पर हिंसा, अपराध और अनैतिकता को कहीं न कहीं सामान्य बना दिया गया है। लोग बिना सोचे-समझे घातक कदम उठा लेते हैं। स्कूलों और परिवारों में बच्चों को सही और गलत का फर्क कम सिखाया जा रहा है। लालच, ईर्ष्या और व्यक्तिगत स्वार्थ बढ़ रहे हैं। अपराधी जानते हैं कि सजा मिलने में देरी होगी या बचने का रास्ता मिल जाएगा, जिससे अपराधों की संख्या बढ़ रही है।

अब सवाल है कि इस नैतिक गिरावट को कैसे खत्म किया जाए। दरअसल, यदि परिवार, समाज और सरकार मिलकर सही कदम उठाएँ, तो इस गिरावट को रोका जा सकता है। पारिवारिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने के लिए माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए। उन्हें नैतिक शिक्षा देनी चाहिए और सही-गलत का फर्क. समझाना चाहिए। तनाव, अवसाद और गुस्से से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न किया जाए। जरूरत हो तो थैरेपी और काउंसलिंग को अपनाया जाए। अपराधियों को कड़ी सजा मिले और कानूनी प्रक्रिया तेज हो, ताकि अपराधियों में डर बना रहे। सकारात्मक कहानियों और नैतिकता से जुड़े कंटेंट को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे समाज में अच्छे मूल्यों की प्रेरणा मिले। स्कूलों में नैतिक शिक्षा, सहानुभूति और सामाजिक मूल्यों पर जोर दिया जाए। समाज में नैतिकता और इंसानियत बनाए रखने के लिए हम सबको अपनी ज़िम्मेदारी निभानी होगी। यह केवल सरकार या कानून का काम नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति को अपने स्तर पर बदलाव लाने की जरूरत है।

स्पष्ट है कि घोर कलयुग के इस समय में भी अगर हम अपने कर्मों को सही दिशा में रखें, तो यह अंधकार थोड़ा कम हो सकता है। समाज में नैतिकता और इंसानियत बनाए रखने के लिए हमें खुद से शुरूआत करनी होगी। हम केवल सरकार और कानून व्यवस्था को दोष नहीं दे सकते, बल्कि हमें अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में बदलाव लाने होंगे। घोर कलयुग के इस समय में भी यदि हम अपने कर्मों को सही दिशा में रखें, तो समाज में अच्छाई का पुनर्जागरण संभव है। हमें यह तय करना होगा कि हम इस अंधकार में खो जाना चाहते हैं या फिर अपने प्रयासों से रोशनी की एक नई किरण लाना चाहते हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सचमुच सिमट रही है दामन की प्रतिष्ठा

प्रियंका सौरभ (हि.स.)

समय के साथ परिधान और समाज की सोच में बदलाव आया है। पहले 'दामन' केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं, बल्कि मर्यादा और संस्कृति का प्रतीक माना जाता था। पारंपरिक वस्त्रों-साड़ी, घाघरा, अनारकली को महिलाओं की गरिमा से जोड़ा जाता था। दामन की प्रतिष्ठा अब भी बनी हुई है, परंतु उसकी परिभाषा बदल चुकी है। परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। क्या छोटे वस्त्र संस्कारों का ह्रास हैं, या फिर मानसिकता का परिष्करण? क्या स्त्री का सम्मान उसके पहनावे से तय होना चाहिए, या फिर उसकी बुद्धिमत्ता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता अधिक महत्वपूर्ण हैं?

समय की करवटों ने जब फैशन के रेशों को बुना, तब परिधान भी परिवर्तनों की सीढ़ियाँ चढ़ते चले गए। परंतु क्या इस बदलाव ने 'दामन की प्रतिष्ठा' को भी प्रभावित किया है? क्या आधुनिक वस्त्रों ने पारंपरिक गरिमा को बिसरा दिया, या फिर समाज की दृष्टि अब और व्यापक हो चली है? समय के साथ परिधान और समाज की सोच में बदलाव आया है। पहले 'दामन' केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं, बल्कि मर्यादा और संस्कृति का प्रतीक माना जाता था। क्या हम ये कह सकते है कि जैसे-जैसे दामन छोटा हुआ वैसे-वैसे मर्यादा और संस्कृति भी घटती गई।

पारंपरिक दामनः गरिमा का प्रतीक

'दामन' केवल वस्त्र का टुकड़ा नहीं, यह मर्यादा का आँचल, संस्कृति की पहचान और शालीनता की परिधि रहा है। भारतीय नारी के परिधान-साड़ी, घाघरा, अनारकली और दुपट्टा न केवल उसके सौंदर्य को सँवारते थे, बल्कि उसकी गरिमा और मर्यादा का भी पर्याय बने। पहले '52 गज के दामन' का अर्थ भव्यता, शालीनता और गौरव से लिया जाता था। दामन संभालना मात्र वस्त्रों का सहेजना नहीं, बल्कि अपनी प्रतिष्ठा और चारित्रिक दृढ़ता को बचाए रखना भी था। समाज ने मर्यादा को बाह्य आवरण में समेट दिया, जिससे व्यक्तित्व का आकलन केवल परिधानों से होने लगा।

बदलते परिधान, बदलती परिभाषाएँ

समय अपनी गति से प्रवाहमान रहा और उसके साथ समाज की सोच भी विस्तारित होती चली गई। अब वह समय नहीं, जब गरिमा की परिभाषा केवल कपड़ों की सिलवटों में समेट दी जाती थी। आज महिलाएँ अपने आत्मविश्वास की उड़ान को चुन रही हैं-जींस, टॉप, स्कर्ट, फॉर्मल सूट और इंडो-वेस्टर्न परिधानों के साथ। परिधान अब मात्र देह को ढकने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और विचारों की अभिव्यक्ति का स्वरूप बन गए हैं। परंपरा और आधुनिकता के ताने-बाने से एक नया फ्यूजन जन्म ले चुका है, जो संस्कृति और स्वतंत्रता के बीच संतुलन स्थापित करता है। गरिमा अब वस्त्रों की परिधि में सीमित नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और व्यवहार में प्रतिबिंबित होती है।

क्या आधुनिकता ने दामन की प्रतिष्ठा को धूमिल किया?

यह एक जटिल प्रश्न है, जिसकी गूँज समय और समाज दोनों में सुनी जा सकती है। क्या वस्त्रों का लघु होना संस्कारों का ह्रास है, या फिर मानसिकता का परिष्करण? क्या किसी स्त्री का सम्मान उसके पहनावे तक सीमित रहना चाहिए? क्या उसकी बुद्धिमत्ता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता उससे अधिक मूल्यवान नहीं? क्या परिधान की लंबाई उसके विचारों की ऊँचाई से अधिक महत्त्व रखती है? कुछ का मत है कि आधुनिकता ने संस्कृति को धूमिल किया, परंतु अन्य इसे आत्म-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के रूप में देखते हैं। वास्तविकता यह है कि गरिमा बाह्य आवरण में नहीं, बल्कि आचरण और आत्मसम्मान में होती है।

समाज का नजरिया और स्त्रियों की स्वतंत्रता

अब भी कई स्थानों पर परिधानों को लेकर परंपरा की बेड़ियाँ जकड़ी हुई हैं। 'ऐसे वस्त्र मत पहनो, लोग क्या कहेंगे?' जैसे शब्द आज भी अनगिनत घरों की दीवारों से टकराते हैं। 'कपड़ों से संस्कार झलकते हैं!' 'लड़की हो, थोड़ा सभ्य कपड़े पहनो!' 'ऐसे खुले विचार नहीं, यह हमारी संस्कृति नहीं!' परंतु क्या परिधान ही संस्कारों की कसौटी है? समाज को इस सोच से आगे बढ़ना होगा कि स्त्रियों की मर्यादा वस्त्रों से नहीं, उनके विचारों से आँकी जानी चाहिए। समय के प्रवाह में समाज ने अनेक रूप बदले हैं, परंतु स्त्रियों की स्वतंत्रता को लेकर उसकी सोच अब भी दो ध्रुवों में बँटी हुई प्रतीत होती है। एक ओर आधुनिकता की लहर उन्हें आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बना रही है, तो दूसरी ओर परंपरा की जड़ें अब भी उनकी उड़ान में अवरोध उत्पन्न करती हैं। सवाल यह उठता है कि क्या स्त्री सचमुच स्वतंत्र हुई है, या यह केवल एक भ्रम है?

संस्कृति और स्वतंत्रताः संतुलन आवश्यक है

'दामन की प्रतिष्ठा' अब भी बनी हुई है, बस उसकी परिभाषा ने एक नया रूप धारण कर लिया है। परंपरा हमारी जड़ों से जुड़ी होती है, लेकिन जड़ों को मजबूती देने के लिए शाखाओं का फैलना भी जरूरी है। संस्कृति को आधुनिकता के साथ संतुलित करना आवश्यक है। महिलाओं को अपनी इच्छा से परिधान चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। असली गरिमा पहनावे में नहीं, बल्कि विचारों, कर्मों और आत्म-सम्मान में बसती है। समय की सुइयाँ कभी पीछे नहीं दौड़तीं। परिधान बदल सकते हैं, परंतु सम्मान और गरिमा की वास्तविक पहचान व्यक्ति के आचरण और आत्मसम्मान में होती है। 'दामन की प्रतिष्ठा' आज भी जीवंत है, बस उसका अस्तित्व अब कपड़ों की सिलवटों में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और स्वतंत्रता के विस्तृत आकाश में देखा जाता है।

कई बार जब 'दामन की प्रतिष्ठा' पर चर्चा होती है, तो असल में यह संस्कृति और स्वतंत्रता के बीच संतुलन का मामला होता है। परंपराएँ समाज की जड़ों से जुड़ी होती हैं, लेकिन उनका बदलते समय के साथ ढलना भी जरूरी है। महिलाओं को यह अधिकार होना चाहिए कि वे जो पहनना चाहें, पहन सकें, बिना किसी सामाजिक दबाव के। गरिमा और मर्यादा पहनावे से ज्यादा व्यक्ति के व्यवहार, सोच और कृत्यों में झलकती है। संस्कृति और आधुनिकता में संतुलन बनाए रखना सबसे अच्छा समाधान है। फैशन और पहनावा बदल सकते हैं, लेकिन सम्मान और गरिमा व्यक्ति की सोच और कर्मों से आती है। दामन की प्रतिष्ठा आज भी बनी हुई है, बस उसकी परिभाषा बदल गई है। यह अब सिर्फ कपड़ों में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और आत्म-सम्मान में दिखती है।

(लेखिका रिसर्च स्कॉलर एवं स्वतंत्र स्तंभकार हैं)

पंजाब पुलिस द्वारा सीमा पार से नशा तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़; 6 किलो हेरोइन सहित दो गिरफ्तार

पंजाब पुलिस मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सोच के अनुसार पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध

संवाददाता
चंडीगढ़/तरनतारन

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर नशे के खिलाफ छेड़ी गई मुहिम के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, तरनतारन पुलिस ने 6 किलो हेरोइन सहित दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस संबंध में जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान हरदीप सिंह उर्फ. दीप और हरजीत सिंह, दोनों निवासी गांव ठट्ठी सोहल, तरनतारन के रूप में हुई है। हेरोइन बरामद करने के अलावा, पुलिस टीमों ने नशीले पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही उनकी स्विफ्ट कार को भी जब्त कर लिया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी पाकिस्तान-आधारित तस्कर बिल्ला और शाह के सीधे संपर्क में थे, जो सीमा पार से नशे की खेपें भेज रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि ये खेपें ड्रोन की मदद से भेजी जा रही थीं। डीजीपी ने बताया कि इस मामले में आगे की कड़ियों को जोड़ने के लिए जांच जारी है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां और बरामदगी होने की संभावना है।

डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीआईजी) हरमनबीर सिंह गिल ने कहा कि सप्लायरों, डीलरों और खरीदारों के पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के साथ-साथ गिरफ्तार आरोपियों द्वारा अब तक प्राप्त किए गए नशीले पदार्थों की कुल मात्रा का भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है। इस अभियान के संबंध में जानकारी साझा करते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) तरनतारन, अभिमन्यु राणा ने बताया कि आरोपी हरदीप और हरजीत के नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल होने की पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। डीएसपी (डी) रजिंदर मिन्हास और डीएसपी गुरिंदरपाल सिंह नागरा की निगरानी में सीआईए स्टाफ तरनतारन की पुलिस टीम ने एक विशेष ऑपरेशन चलाकर उक्त आरोपियों को तरनतारन के गांव भूसे के क्षेत्र से गिरफ्तार कर नशीले पदार्थ बरामद किए। इस संबंध में एफआईआर नंबर 27, दिनांक 29 मार्च 2025 को तरनतारन के सराय अमानत खान पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(सी) और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

प्रोग्राम 'आरंभ' बच्चों की सीखने की यात्रा में माता-पिता को शामिल करने की अनूठी पहल: डॉ. बलजीत कौर

संवाददाता
चंडीगढ़

- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध

पंजाब सरकार द्वारा ह्यआरंभह्न प्रोग्राम की शुरूआत की जा रही है, जो एक नवीन पहल है, जिसका उद्देश्य माता-पिता को सरल, खेल-आधारित गतिविधियों के माध्यम से अपने बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना है।

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों की बुनियादी शिक्षा को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पहले चरण में ह्यआरंभह्न प्रोग्राम आठ जिलों में लागू किया जाएगा: लुधियाना, एसएएस नगर, पटियाला, संगरूर, श्री मुक्तसर साहिब, तरनतारन, रोपड़ और अमृतसर। यह कार्यक्रम जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है और भविष्य में राज्यभर में विस्तार के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करेगा।

मंत्री ने आगे बताया कि ह्यआरंभह्न प्रोग्राम माता-पिता और बच्चों के लिए रोचक और संवादात्मक शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से एक ऐसा सहायक वातावरण तैयार करेगा, जो बच्चों के बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम पंजाब सरकार की बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने और परिवारों को अपने बच्चों की अकादमिक प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि ह्यआरंभह्न प्रोग्राम के कार्यान्वयन से जुड़ी अधिक जानकारी आने वाले महीनों में सार्वजनिक की जाएगी। उन्होंने माता-पिता और शिक्षकों से इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की, ताकि प्रारंभिक शिक्षा को और अधिक प्रभावशाली और आनंददायक बनाया जा सके।

मंत्री ने अंत में कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार बच्चों के समग्र विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही ऐसी योजनाएं ह्यरंगला पंजाबह्न के सपने को साकार करने में योगदान देंगी।

भूमिगत जल की समस्या से निपटने के लिए विशेषज्ञों के बीच विमर्श

पंजाब-कैलिफोर्निया मिलकर समाधान निकालने के लिए प्रयासरत

संवाददाता
चंडीगढ़

भूमिगत जल स्तर में गिरावट की गंभीर चुनौती के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, फ्रेजनो की एक टीम ने इस समस्या का स्थायी समाधान खोजने के लिए पंजाब के कृषि विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया। डॉ. शैरेन एलिजाबेथ बेंस और डॉ. गुररीत सिंह बराड के नेतृत्व में आए उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने छह अंडरग्रेजुएट और मास्टर्स के छात्रों के साथ पंजाब राज्य किसान और खेत मजदूर आयोग (पी.एस.एफ.सी.) के साथ रणनीतिक विचार-विमर्श किया और इस चुनौती के समाधान के लिए तुरंत कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। यह ध्यान में रखते हुए कि पंजाब और कैलिफोर्निया दोनों ही पानी की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं, जिससे कृषि और पशुपालन से जुड़ी अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, यह बैठक जानकारी के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई। पी.एस.एफ.सी. के चेयरमैन डॉ. सुखपाल सिंह ने राज्य की कृषि नीति का विस्तृत विवरण देते हुए विज़िटिंग टीम के साथ भूमिगत जल के पुनर्भरण से जुड़ी रणनीतियों पर चर्चा की। इस दौरान, कृषि विभाग के पूर्व निदेशक श्री राजेश वशिष्ठ ने भूमिगत जल स्तर में गिरावट के आंकड़े प्रस्तुत किए और इसके समाधान के लिए विज्ञान-आधारित रिचार्ज नीतियों का प्रस्ताव दिया। प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. बराड ने दोनों क्षेत्रों के बीच स्पष्ट समानताओं की चर्चा करते हुए जल स्रोतों में हो रही कमी की समस्या के समाधान के लिए ठोस रणनीतियाँ तैयार करने के प्रस्ताव का समर्थन किया। डॉ. बेंस ने इस मुद्दे पर कैलिफोर्निया के अनुभव साझा करते हुए इस संकट की वैश्विक प्रकृति और सामूहिक समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। बागवानी विभाग के पूर्व निदेशक और प्रमुख नीति-निमार्ता डॉ. गुरकंवल सिंह ने कृषि को अधिक लाभदायक और टिकाऊ बनाने के लिए वैज्ञानिक वैश्विक समुदाय से एकजुट होने की अपील की। इस दौरान, डॉ. रंजोध सिंह बैंस और श्री मानवप्रीत सिंह ने पंजाब के कृषि ढांचे से जुड़े विभिन्न नीतिगत उपायों पर चर्चा कर वार्ता को आगे बढ़ाया।

टीबी उन्मूलन की राष्ट्रीय स्तरीय मुहिम में पंजाब ने दूसरा स्थान हासिल किया

संवाददाता
चंडीगढ़

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने पंजाब को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित
- पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों को दिया

विश्व टीबी दिवस पर भारत सरकार द्वारा टीबी उन्मूलन के लिए शुरू किए गए 100 दिवसीय अभियान ₹टीबी मुक्त भारत अभियान₹ में पंजाब ने देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त कर तपेदिक के खिलाफ अपनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह के दौरान, टीबी मामलों की जांच, अनुसंधान और ईलाज में राज्य के अथक प्रयासों को मान्यता दी गई और राज्य टीबी अधिकारी डॉ. राजेश भास्कर ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा से उपलब्धि प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

7 दिसंबर, 2024 को पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह द्वारा अमृतसर में शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य संवेदनशील आबादी के लिए जल्द से जल्द स्क्रीनिंग, जांच और बेहतर देखभाल के माध्यम से टीबी के उन्मूलन को सुनिश्चित करना था।

डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इन 100 दिनों के दौरान, पंजाब भर में स्वास्थ्य टीमों ने लगभग 28 लाख उच्च-जोखिम वाले व्यक्तियों की जांच की, जिसमें 17,300 टीबी मरीजों की पहचान हुई, जिन्हें समय पर ईलाज और पोषण सहायता प्रदान की गई। उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान के दौरान रोकथाम उपायों पर भी विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें नए संक्रमणों को रोकने के लिए संपर्क में आए लोगों और जोखिम समूहों के लिए टीबी रोकथाम थेरेपी देना शामिल था। स्वास्थ्य मंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों की प्रतिबद्धता को दिया। इस दौरान, पंजाब की सफलता को कई प्रदर्शन मापदंडों, जिनमें मामलों की अनुसंधान दर, टीबी से संबंधित मौतों में कमी और रोकथाम उपचार का दायरा शामिल है, के आधार पर आंका गया।

कैबिनेट मंत्री धालीवाल ने गांव सक्कियांवाली में सीवरेज प्रोजेक्ट का उद्घाटन

संवाददाता
अमृतसर/चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री स कुलदीप सिंह धालीवाल ने आज गांव सक्कियांवाली में सीवरेज प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया, जो अज्नाला क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह प्रोजेक्ट, जिसे पिछली सरकारों ने रोका हुआ था, स धालीवाल के ठोस प्रयासों के कारण अब पूरा होने जा रहा है।

उद्घाटन समारोह के दौरान बोलते हुए स धालीवाल ने जोर देकर कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार अपने वित्तीय संसाधनों का प्रत्येक पैसा पंजाब के लोगों के कल्याण के लिए खर्च करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पिछड़े समझे जाने वाले गांवों को बुनियादी सुविधाएं, जैसे कि सीवरेज सुविधा, प्रदान करने के सरकार के प्रयासों को उजागर किया।

स धालीवाल ने यह भी बताया कि गांव सक्कियांवाली लंबे समय से जलभराव की समस्या से जूझ रहा था, जहां अक्सर पानी घरों में घुस जाता था। उन्होंने इस समस्या के समाधान को लेकर किए गए अपने चुनावी वादे को पूरा करने पर संतोष व्यक्त किया।

कैबिनेट मंत्री ने ₹थापर मॉडल₹ के तहत गांव के बुनियादी ढांचे के विकास, जिसमें नालियां, तालाब और खेल मैदान शामिल हैं, को लेकर सरकार की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन पहलों, जिनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर को बेहतर बनाना है, को सरकार द्वारा उपयुक्त बजट आवंटन के माध्यम से साकार किया गया है।

पासला गांव में नशा तस्कर द्वारा किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त किया

संवाददाता
चंडीगढ़ / जालंधर

- युद्ध नशे के विरुद्ध: जालंधर देहाती पुलिस और सिविल प्रशासन ने पंचायत गली में कब्जा करने वाली नशा तस्कर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई
- जालंधर ग्रामीण पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी: एस.एस.पी.

पंजाब सरकार द्वारा नशे के खात्मे के लिए शुरू किए गए ' युद्ध नशे के विरुद्ध ' अभियान के तहत नशा तस्करों द्वारा किए गए अवैध कब्जों को हटाने के लिए एसएसपी जालंधर (ग्रामीण) गुरमीत सिंह के नेतृत्व में, जालंधर ग्रामीण पुलिस ने आज स्थानीय नागरिक प्रशासन अधिकारियों की उपस्थिति में नूरमहल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत गांव पासला में अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

एसएसपी जालंधर देहाती गुरमीत सिंह ने बताया कि जसविंदर कौर उर्फ जस्सी पत्नी अमरजीत सिंह उर्फ रम्मी निवासी गांव पासला, थाना नूरमहल काफी समय से नशे की तस्करी कर रही थी और एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत कई मामलों में शामिल है। उन्होंने बताया कि इन पति-पत्नी ने गांव की पंचायती गली में करीब 3-4 मरला जमीन पर अवैध कब्जा कर उस पर बाथरूम और दीवारें बना ली थी। उन्होंने कहा कि आज यह अवैध कब्जा गांव पासला की पंचायत और बीडीपीओ दफ्तर के कर्मियों और पुलिस प्रशासन की मदद से हटाया गया है। एसएसपी ने बताया कि जसविंदर कौर को थाना नूरमहल में एन.डी.पी.एस. अधिनियम की धारा 22-61-85 के तहत एफआईआर क्रमांक: 75, दिनांक 10-09-2019, 21(ए)-61-85 के तहत एफआईआर क्रमांक: 39, दिनांक 12-06-2021, धारा 21(ए)-61-85 के तहत एफआईआर संख्या: 70, दिनांक 30-08-2021, धारा 21-61-85 के तहत एफआईआर संख्या: 37, दिनांक 19-04-2022 के तहत एफआईआर दर्ज है।

इसके अलावा नूरमहल थाने में आई.पी.सी. धारा 323, 324, 307, 341, 148, 149 अतिरिक्त अभियोग 302, 325 के तहत एफआईआर क्रमांक 11 दिनांक 18-02-2023 एवं एन.डी.पी.एस. अधिनियम की धारा 21(ए)-61-85 के तहत एफआईआर नंबर: 76, दिनांक 21-10-2024 दर्ज है। एस.एस.पी. ने कहा कि यह कार्रवाई पंजाब सरकार की नशा तस्करों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का हिस्सा है और जालंधर ग्रामीण पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। एसएसपी ने जनता से नशे के खिलाफ जंग में योगदान देने की अपील करते हुए कहा कि अगर किसी भी व्यक्ति को नशे की तस्करी या इसके इस्तेमाल की जानकारी मिलती है तो तुरंत पुलिस को सूचित किया जाए।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा 'युद्ध नशे के विरुद्ध ' अभियान के तहत जारी किए नंबर वटसएप 9779-100-200 पर नशे संबंधी सूचना दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जायेगी।उन्होंने लोगों से अपने परिवारों, बच्चों और युवाओं को नशे के नुक्सान के बारे में समझाने और उन्हें स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित करने की भी अपील की। इस मौके पर गांव के सरपंच गुरविंदर सिंह ने नशे के खिलाफ पंजाब सरकार की मुहिम का स्वागत किया और कहा कि नशा तस्करों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के लिए वह राज्य सरकार और पंजाब पुलिस के आभारी है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य से नशे की समस्या को खत्म करने के लिए किए जा रहे प्रयास स्वागत योग्य है।

मेगा पी.टी.एम. के दौरान विधायकों ने 100 से अधिक सरकारी स्कूलों का दौरा कर माता-पिता और शिक्षकों से की बातचीत

माता-पिता-अध्यापक बैठक ने लिखी सफलता की नई इबारत

20 लाख से अधिक माता-पिता हुए शामिल: हरजोत बैंस

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा आयोजित मेगा माता-पिता-अध्यापक बैठक (पी.टी.एम.) में पूरे राज्य से 20.13 लाख से अधिक माता-पिता ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने इस पहल को छात्रों की शैक्षणिक उत्कृष्टता को और बेहतर बनाने के लिए स्कूलों और बच्चों के परिवारों के बीच मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि मेगा पी.टी.एम. की बड़ी सफलता, छात्रों के लिए एक सहयोगी और सकारात्मक वातावरण तैयार करने के प्रति पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

उन्होंने बताया कि इस मेगा पी.टी.एम. में व्यापक भागीदारी रही, जिसमें कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों ने 100 से अधिक स्कूलों का दौरा किया, जबकि शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने 5,849 स्कूलों का दौरा किया और 1.23 लाख से अधिक माता-पिता ने फीडबैक फॉर्म भरा।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार नियमित रूप से माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों से फीडबैक लेकर राज्य में शैक्षिक मानकों में सुधार करने और छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

शिक्षा मंत्री स बैंस ने इस पहल के दीर्घकालिक लाभों को उजागर करते हुए कहा कि यह बैठक माता-पिता और स्कूल शिक्षकों के बीच संवाद की खाई को पाटने में मदद करेगी, जिससे छात्रों के प्रदर्शन को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा और विभिन्न मुद्दों का समाधान समय पर हो सकेगा। उन्होंने कहा कि मेगा पी.टी.एम. के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ी है, जिससे माता-पिता और शिक्षकों के बीच संबंध और अधिक मजबूत हुए हैं। माता-पिता-अध्यापक बैठकें, माता-पिता को अपने बच्चों की पढ़ाई की नियमित समीक्षा करने में सहायता करने के साथ-साथ शिक्षकों को मार्गदर्शन और फीडबैक प्राप्त करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करती हैं। ये बैठकें न केवल माता-पिता को अपने बच्चों की शिक्षा में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने में सक्षम बनाती हैं बल्कि स्कूल प्रशासन को सुधार के आवश्यक क्षेत्रों की पहचान करने का अवसर भी देती हैं। पंजाब सरकार की इस पहल की माता-पिता और शिक्षकों दोनों ने सराहना की। माता-पिता ने अपने बच्चों के शिक्षकों के साथ जुड़ने और उनके शैक्षणिक सफर को बेहतर तरीके से समझने के इस अवसर के लिए सरकार का तहे दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षकों ने भी इस पहल का स्वागत किया, क्योंकि इससे उन्हें बच्चों के माता-पिता से जुड़ने और अपनी शिक्षण पद्धतियों पर उपयोगी फीडबैक प्राप्त करने का अवसर मिला।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र की इस अंतिम मेगा पी.टी.एम. को स्कूल शिक्षा विभाग के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताते हुए स हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि उन्होंने मोहाली से नंगल तक विभिन्न स्कूलों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि इस बैठक में माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों की भारी भागीदारी और उनके उत्साह को देखकर उन्हें खुशी हुई। उन्होंने शिक्षा के इस अभियान की सराहना की।

शिक्षा मंत्री ने इस शैक्षिक उत्सव में पूरे समर्पण के साथ भाग लेने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान और ह्यआपह्न पंजाब के प्रभारी श्री मनीष सिसोदिया, जिन्होंने स्कूल ऑफ एमिनेंस धूरी का दौरा किया, तथा उनके समस्त कैबिनेट सहयोगियों, विधायकों, स्थानीय प्रतिनिधियों और विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया द्वारा ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल एवं केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब और चंडीगढ़ के नागरिकों को ईद-उल-फितर के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। श्री कटारिया ने अपने संदेश में कहा, ह्यह्यमैं ईद-उल-फितर के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ और मंगलकामनाएँ देता हूँ। यह त्योहार पवित्र रमजान माह की समाप्ति का प्रतीक है और लोगों में सद्भाव, करुणा तथा आपसी भाईचारे की भावना को सशक्त करता है।ह्नह्न उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पर्व समाज में आपसी सौहार्द, भाईचारे और साझा मूल्यों को और अधिक मजबूत करेगा। राज्यपाल ने अपने संदेश में नागरिकों से दयालुता, करुणा, परोपकार, उदारता और सहिष्णुता को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने इस्लाम के उन मूल सिद्धांतों को याद करने पर जोर दिया, जो शांति, शुद्धता, ईश्वर की आज्ञा का पालन और समर्पण पर आधारित हैं।

पंजाब में 43 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में मत्स्य पालन: गुरमीत सिंह खुड्डियां

चंडीगढ़। पंजाब के पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन मंत्री स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि मत्स्य पालन क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति करते हुए राज्य प्राकृतिक जल स्रोतों, निजी तालाबों और पंचायतों के पोखरों से सालाना कुल 1,81,188 टन मछली का उत्पादन कर रहा है। वर्तमान में राज्य में 43,973 एकड़ क्षेत्र मत्स्य पालन के अंतर्गत है। वे एसएएस नगर (मोहाली) में एक होटल में मत्स्य पालन विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। इस सेमिनार का उद्देश्य मत्स्य पालकों को नवीनतम तकनीक, सर्वोत्तम प्रथाओं और मत्स्य पालन के आधुनिक तरीकों के बारे में जागरूक करना था। इसमें 300 से अधिक किसान और अधिकारी शामिल हुए।

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु निजी अस्पतालों को राज्य सरकार देगी अनुदान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने बड़नगर में चिकित्सालय का किया शुभारंभ

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

कहा- चिकित्सा सेवा मानवता की सर्वोत्तम सेवा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समाज में चिकित्सकों का योगदान सर्वोच्च माना जाता है। चिकित्सा सेवा मानवता की सर्वोत्तम सेवा है। सभी चिकित्सक हमेशा अपने हृदय में दया करुणा और मानवता के भाव को सर्वोच्च स्थान दें। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सरकार निजी अस्पतालों/बड़े मेडिकल ग्रुप्स को अनुदान देगी। वेलनेस सेंटर, नेचुरोपैथी सेंटर की स्थापना सहित आयुर्वेद (आयुष) को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे निजी प्रयासों को भी राज्य सरकार अनुदान देगी। गौशालाओं की स्थापना को भी सरकार समुचित प्रोत्साहन दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन जिले के बड़नगर में काबरा हास्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर संत पंडित कमल किशोर नागर महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, भाजपा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री शिव प्रकाश, जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, विधायक जितेंद्र सिंह पंड्या व डॉ. तेज बहादुर सिंह सहित जन-प्रतिनिधि, हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. वासुदेव काबरा आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य शासन की पहल पर बड़नगर में साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये की लागत से सीमेंट कारखाना स्थापित हो रहा है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र का औद्योगिक विकास होगा। उन्होंने काबरा परिवार द्वारा बीते कई दशकों से मानव मात्र की उपचार सेवाओं के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

फोटोः हि.स.

उन्होंने कहा कि डॉ. वासुदेव काबरा के नेतृत्व में इस परिवार की तीसरी पीढ़ी भी बड़नगर क्षेत्र के पीड़ितों/मरीजों के इलाज में पूरे समर्पण से सेवा दे रहे हैं, यह तारीफ की बात है। बड़नगर जैसी छोटी जगह में एक बड़ा हॉस्पिटल स्थापित करना निःसंदेह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि संतों के मार्गदर्शन और उनके सुझाए मार्ग से हम प्रदेश की जनता की सेवा में आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के सराहना करते हुए कहा कि इस पद्धति से रोग का जड़ से उन्मूलन किया जाता है। कोरोना काल में आयुर्वेदिक काढ़े ने ही लाखों कोरोना पीड़ित लोगों को जीवनदान दिया था। उन्होंने कहा कि परमात्मा हम पर कृपावान हैं कि उसने हमें निरोगी काया देकर इस संसार में भेजा है, पर यदि किसी वजह से शरीर में रोग उत्पन्न हो जाए, तो हमारी प्रकृति/परिवेश में ही ऐसी व्यवस्था दे दी है कि नैसर्गिक पद्धति से उस रोग का स्थायी इलाज हो जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विक्रम संवत का पहला दिन है। हमारी काल गणना पद्धति वैज्ञानिक है और व्यवहारिक भी है। हमारी कालजयी पद्धति में एक सेकेण्ड के 34000 वें हिस्से की भी गणना की जाती थी। हमने वैदिक घड़ी बनाकर उस काल के महत्व को आज की नई पीढ़ी को समझाने की कोशिश की है।

उन्होंने कहा कि हमारे यहां विक्रम संवत की स्थापना सम्राट विक्रमादित्य के पुरुषार्थ से हुई थी। सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल में उनकी सम्पूर्ण प्रजा पर कोई कर्जा नहीं था। सम्राट विक्रमादित्य ने सबको कर्ज मुक्त किया था और यह सब ऋणमुक्तेश्वर महादेव के असीम आशीर्वाद से ही हो पाया था। नवग्रह पूजन सिर्फ भारत में ही होता है क्योंकि इस संसार के सभी ग्रह, उपग्रह, नक्षत्र, पिंड और समूचा ब्रह्मांड हमारा है। ये सभी हमारे लिए तबसे स्तुत्य हैं और आगे भी हमेशा पूजनीय ही रहेंगे। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. वी.डी. काबरा ने स्वागत उद्बोधन दिया। डॉ. प्रखर काबरा ने हॉस्पिटल के संबंध में जानकारी प्रदान की।

सरकार कृषि उपभोक्ताओं के बिजली बिलों का 93 प्रतिशत सब्सिडी के रूप में वहन करेगी: ऊर्जा मंत्री

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रविवार को कहा कि कृषि उपभोक्ताओं के बिजली बिलों का 93 प्रतिशत सब्सिडी के रूप में वहन राज्य सरकार वहन करेगी। उन्होंने बताया कि नियामक आयोग द्वारा 29 मार्च 2025 को जारी विद्युत दरों के अनुसार क्रमशः तीन हॉर्स पॉवर, पांच हॉर्स पॉवर एवं 10 हॉर्स पावर के पंप पर कृषि उपभोक्ताओं को पूरे वर्ष में 30,730 रुपये, 54,671 रुपये एवं 1,15,655 रुपये का देयक बनता है। इसमें राज्य शासन द्वारा कृषि पंपों पर दी गई सब्सिडी की घोषणा अनुसार किसानों को मात्र 750 रुपये प्रति हॉर्स पॉवर प्रति वर्ष अर्थात किसानों को तीन हार्स पॉवर पंप पर 2250 रुपये, पांच हार्स पॉवर के पंप पर 3750 रुपये एवं 10 हार्स पॉवर के पंप पर 7500 रुपये का ही भुगतान करना होगा।

फोटोः हि.स.

एक करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं को मिल रहा अटल गृह ज्योति योजना का लाभ

मंत्री तोमर ने बताया कि सरकार द्वारालिये गये निर्णय के अनुसार कृषि उपभोक्ताओं को विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी दरों पर सब्सिडी स्वीकृत की गई है। इसके अनुसार उपभोक्ता द्वारा दी जाने वाली राशि 750 रुपये प्रति हॉर्स पॉवर एवं आयोग द्वारा जारी दरों का अंतर सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। उपरोक्तानुसार सब्सिडी देने पर शासन प्रत्येक तीन हॉर्स पावर पम्प के लिये कुल राशि 28,480 रुपये, पांच हॉर्स पावर पम्प के लिये कुल राशि 50,921 रुपये और 10 हॉर्स पॉवर पम्प के लिये कुल राशि 1,08,155 रुपये का भुगतान सब्सिडी के रूप में वहन करेगी। इस घोषणा से कृषिउपभोक्ताओं को नियामक आयोग द्वारा जारी दरों की मात्र लगभग सात प्रतिशत राशि ही जमा करनी होगी। शेष 93 प्रतिशत राशिसरकार सब्सिडी के रूप में वहन करेगी। प्रदेश में लगभग 37 लाख कृषि उपभोक्ता हैं जो सब्सिडी का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान कृषि के उपभोक्ताओं के अलावा 150 यूनिट प्रति माह तक मासिक खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं को प्रथम 100 यूनिट पर मात्र 100 रुपये का ही भुगतान करना होता है जबकि 100 यूनिट खपत पर शहर के प्रत्येक घरेलू उपभोक्ताओं के लिये सरकार सब्सिडी के रूप में लगभग 566 रुपये का भुगतान करेगी। इस प्रकार के घरेलू उपभोक्ता जिनको सरकार सब्सिडी प्रदान कर रही है, उनकी संख्या पूरे प्रदेश में लगभग एक करोड़ सात लाख है।

इस प्रकार विगत वित्तीय वर्ष में सरकार द्वारा लगभग 23,695 करोड़ रुपये एवं पूर्व के वर्ष के 3067 करोड़ रुपये मिलाकर कुल 26,762 करोड़ सब्सिडी के रूप में वहन किये गये हैं। इसी तरह सरकार द्वारा अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये भी लगभग इतनी ही राशि बतौर सब्सिडी वहन की जायेगी।

पर्यावरण संरक्षण पर अन्य देशों को साथ लेकर काम करें विकसित देश : उपराष्ट्रपति

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पर्यावरण पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण के मुद्दे पर विकसित देश खुद को अलग नहीं कर सकते। उन्हें ऐसे मॉडल को अपनाना चाहिए जिससे धरती का स्वास्थ्य, मानव समृद्धि और कल्याण हो। उन्होंने कहा, पर्यावरण के मुद्दे पर विकसित देश खुद को यह मानते हुए अलग नहीं कर सकते कि उनके पास एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र उत्पन्न करने के लिए तकनीकी साधन हैं। यह कुछ वर्षों तक रह सकता है लेकिन हमेशा के लिए नहीं। यदि वे वैश्विक समुदाय के साथ शामिल नहीं होते हैं तो उनके लिए खतरा सामने खड़ा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पर्यावरण न्याय अक्सर देरी, अस्वीकार करने, निपटान करने और उलझा देने के कुचक्र का शिकार है, जिसे तोड़ा जाना चाहिए। उन्हें खुशी है कि एनजीटी सभी मोर्चों पर संवेदनशीलता से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ राय की उपलब्धता में विशेषज्ञ संस्था के काम करने से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में होने वाली देरी कम होती है। भोपाल गैस लीक मामले का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब भी इससे जुड़े पाठ हम सीख रहे हैं। यह पर्यावरण से जुड़ी बड़ी लापरवाही थी। 2015 में 30 साल के अंतराल के बाद मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने पीड़ितों को मुआवजे का निपटारा किया।

फोटोः हि.स.

गोधरा के सौ वर्ष पुराने शिवमंदिर में तोड़फोड़, चोरी, सीसीटीवी में दिखे दो संदिग्ध

गोधरा। पंचमहाल जिले की गोधरा तहसील के भामैया गांव में असामाजिक तत्वों ने 100 वर्ष पुराने शिवमंदिर में तोड़फोड़ कर चोरी की। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। लोगों की भीड़ मंदिर के समक्ष उमड़ पड़ी। सीसीटीवी फुटेज में दो संदिग्ध लोगों को मंदिर के समीप से जाते देखा गया है। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुटी है। गोधरा तहसील के भामैया गांव के प्राथमिक स्कूल के सामने रंगेश्वर महादेव मंदिर में रविवार सुबह ग्रामीण चैत्र नवरात्र के पहले दिन दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे। इस समय मंदिर का ताला टूटा मिला, अंदर जाने पर पूजा के सामान इधर-उधर बिखरे पड़े थे। मंदिर का जल-लहरी तोड़ा गया था, मूर्तियां खंडित मिलीं। गोधरा के पुलिस उपाधीक्षक एनवी पटेल ने बताया कि गोधरा शहर के अहमदाबाद रोड पर भामैया गांव में एक प्राचीन मंदिर है, जिसमें चोरी की घटना सामने आई है। रंगेश्वर महादेव मंदिर में शनिवार रात 8 बजे से लेकर रविवार सुबह 7 बजे के बीच किसी अज्ञात शख्स ने चोरी की है।

एफपीआई का घरेलू शेयर बाजार में लौटा भरोसा 6 दिन में किया 30,927 करोड़ का निवेश

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

रुपये की मजबूती, मैक्रोइकोनॉमिक इंडिकेटर्स में सुधार और मार्केट के आकर्षक वैल्यूएशन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की रुचि एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में लौटती हुई नजर आ रही है। इस महीने के आखिरी छह कारोबारी दिनों के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने स्टॉक मार्केट में करीब 31 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया। एफपीआई द्वारा किया गया ये निवेश भारतीय बाजार में सुधार आने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। डिपॉजिटरी से मिली आंकड़ों के अनुसार मार्च के आखिरी 6 कारोबारी दिनों के दौरान एफपीआई द्वारा किए गए 30,927 करोड़ रुपये के निवेश के कारण उनके द्वारा मार्च के महीने में की गई कुल निकासी का आंकड़ा भी घटकर 3,973 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है।

फोटोः हि.स.

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार में बिकवाली करके अपने पैसे की निकासी करने की वजह से स्टॉक मार्केट की स्थिति काफी कमजोर हो गई है। मार्च के पहले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से फरवरी महीने के दौरान 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की थी, जबकि जनवरी में निकासी का ये आंकड़ा 78,027 करोड़ रुपये का था। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि मार्च के आखिरी दिनों में बाजार में आई तेजी के बावजूद घरेलू निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की आगे की चाल 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रिसिप्रोकल टैरिफ को आखिरी रूप देने के बाद पता चल सकेगी। अगर डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ को लेकर कड़ाई नहीं की जाती है, तो स्टॉक मार्केट की रैली जारी रह सकती है, लेकिन अगर टैरिफ पॉलिसी भारत के हितों के विपरीत रही तो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक एक बार फिर बिकवाल की भूमिका में आ सकते हैं।

धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि लगातार 5 महीने से अधिक समय तक स्टॉक मार्केट में बिकवाली के बाद मार्च के आखिरी दिनों में खरीदारी करने की रणनीति अपना कर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अपनी भूमिका में बदलाव करने का संकेत दिया है। धामी का कहना है कि घरेलू शेयर बाजार 27 सितंबर 2024 के अपने सर्वोच्च स्तर से करीब 16 प्रतिशत टूट चुका है।

संक्षिप्त-समाचार

म्यांमार में भूकंप के डर से लाखों लोगों ने सड़कों पर गुजारी रात

बर्मा। बीते दिनों आए भूकंप का डर म्यामांर के लोगों के दिलों से निकल नहीं रहा है। हालात यह है कि कहीं दोबारा भूकंप नहीं आए जाए, इस डर के चलते लाखों लोगों ने शनिवार की रात सड़कों पर ही गुजारी। उधर भूकंप में सड़कों और अस्पताल आदि को काफी नुकसान पहुंचने से जन-जीवन अभी तकअस्त-व्यस्त है। राहत सामग्री भी सही से लोगों तक नहीं पहुंच पा रही है। यूएन आफिस फार कोआर्डिनेशन आफ 'मनिटेरियन अफेयर्स के मुताबिक घरों में हुए नुकसान और भूकंप के झटकों के डर से बहुत लोगों की हिम्मत घर के अंदर जाने की नहीं हो रही है। ऐसे में उन्होंने घर के बाहर ही रात काटी। उधर भारत से भेजी गई 15 टन राहत सामग्री का वितरण भूकंप पीड़ितों को करना शुरू कर दिया गया है।गौरतलब है कि म्यामांर में आए भूकंप से कम से कम 1600 लोगों की मौत हुई है, वहीं करीब 3400 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

इफको ने त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय बिल 2025 का स्वागत किया

नई दिल्ली। भारतीय किसान उर्वरक सहकारी (इफको) ने लोकसभा में पारित त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय बिल 2025 का स्वागत किया। इस ऐतिहासिक कदम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे और सहकारी क्षेत्र को आधुनिक शिक्षा व अनुसंधान से जोड़ा जाएगा। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि भारत को 75 साल बाद पहला सहकारी विश्वविद्यालय मिल रहा है। यह विश्वविद्यालय नए नेतृत्व को प्रशिक्षित करेगा और सहकारी आंदोलन को और सशक्त बनाएगा। इफको के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने इस पहल को भारतीय कृषि, किसानों और ग्रामीण विकास के लिए बड़ा कदम बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सहकारिता मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय सहकारी नेतृत्व को नई दिशा देगा। यहां सहकारी क्षेत्र से जुड़े लोगों को व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे वे आधुनिक प्रबंधन और विपणन में कुशल बनेंगे।

असम के पूर्व गृह मंत्री भृगु कुमार फुकन की बेटी उपासा फुकन की रहस्यमय मौत

गुवाहाटी। असम के दिवंगत पूर्व गृह मंत्री और असम आंदोलन के प्रमुख नेता भृगु कुमार फुकन की एकमात्र बेटी उपासा फुकन की रविवार सुबह रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। यह घटना गुवाहाटी के खारघुली इलाके की एक बहुमंजिला इमारत में हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, उपासा फुकन ने इमारत की दूसरी मंजिल की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। घटना के समय उनकी मां घर पर मौजूद थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब उपासा की मां बर्तन धोने के लिए बाहर निकलीं, तभी उपासा ने छत से छलांग लगा दी। मां ने तेज आवाज सुनकर दौड़कर देखा और पाया कि उपासा के नाक और मुंह से खून बह रहा था। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पहुंचे। शुरूआत में उपासा फुकन में जीवन के कुछ लक्षण दिखे और उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, हालत बिगड़ने पर उन्हें गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उपासा फुकन, भृगु कुमार फुकन की इकलौती संतान थीं। उनकी रहस्यमय मौत ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर रेलवे चलाएगी दो जोड़ी समर स्पेशल ट्रेन

कटिहार। गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने दो जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और नारंगी स्टेशनों के बीच तथा कोल्हापुर और कटिहार के बीच प्रत्येक दिशा में 04-04 फेरों के लिए चलेगी। इन ट्रेनों के यात्रा मार्ग, ठहराव और समय-सारणी का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट और पश्चिमी रेलवे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध है। एनएफ रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने रविवार को बताया कि ये ट्रेनें 10 अप्रैल से 4 मई तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और नारंगी स्टेशनों के बीच तथा 6 अप्रैल से 29 अप्रैल तक कोल्हापुर और कटिहार के बीच प्रत्येक दिशा में 04-04 फेरों के लिए चलेंगी। सीपीआरओ ने बताया कि 10 अप्रैल (गुरुवार) से ट्रेन संख्या 01065 (छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - नारंगी) समर स्पेशल छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 11:05 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को नारंगी 11:00 बजे पहुंचेगी। इसी तरह 13 अप्रैल, 2025 (रविवार) से ट्रेन संख्या 01066 (नारंगी - छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) समर स्पेशल नारंगी से 05:25 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस 08:25 बजे पहुंचेगी। कपिंजल किशोर ने बताया कि 06 अप्रैल (रविवार) से ट्रेन संख्या 01405 (कोल्हापुर - कटिहार) समर स्पेशल कोल्हापुर से 09:35 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को कटिहार 6:10 बजे पहुंचेगी। इसी तरह 08 अप्रैल (मंगलवार) से ट्रेन संख्या 01406 (कटिहार - कोल्हापुर) समर स्पेशल कटिहार से 18:10 बजे प्रस्थान करेगी और गुरुवार को कोल्हापुर 15:35 बजे पहुंचेगी।

सड़क दुघर्टना में तीन लोग घायल, एक गंभीर

भागलपुर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के लोहिया पुल पर रविवार को सड़क दुघर्टना में तीन लोग घायल हो गए, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायलों का इलाज तिलकामांझी के निजी क्लीनिक में किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने ई-रिक्शा, मोटरसाइकिल और रिक्शा को टक्कर मारी दी। रिक्शा चालक विवेकानंद मंडल ने बताया कि तेज रफ्तार से आ रही कार को उसके चालक ने रोकने की कोशिश की लेकिन कार नहीं रुकी। उसका ब्रेक ही नहीं लगा। मेरे रिक्शा को पूर्ण रूपेण चूर-चूर कर दिया। मुझे चोट भी लगी है। उन्होंने बताया कि कार कई वाहन को धक्का मारते हुए आगे बढ़ा। डीपीआरओ कार्यालय में कार्यरत जमुई के कुंदन कुमार ने बताया कि मैं जैसे ही अपने मोटरसाइकिल से उल्टा पुल स्टेशन के पास चढ़ा। वैसे ही तेज रफ्तार से आ रही कर ने मुझे जोरदार टक्कर मारी जिससे मैं गिर गया और मेरी मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई।

सिंधी समाज ने गुजरात की प्रगति में सक्रिय योगदान दिया : मुख्यमंत्री

चेटीचंड के सांस्कृतिक उत्सव में शामिल हुए भूपेंद्र पटेल, चेटीचंड शोभायात्रा को रवाना किया

एजेंसी (हि.स.)
अहमदाबाद

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल रविवार को सिंधी समाज के पर्व चेटीचंड के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक उत्सव में सिंधी परिवारों के साथ सहभागी हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने चेटीचंड शोभायात्रा को भी रवाना किया। अहमदाबाद महानगर पालिका की ओर से आयोजित चेटीचंड पर्व के सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में मौजूद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि आज का पवित्र पर्व सिंधी कौम की उदारता और पुरुषार्थ का परिचय कराता है। सिंधी समाज आपदा को अवसर में बदलने वाला एक परिश्रमी समाज है। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज ने गुजरात की प्रगति में सक्रिय योगदान देकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत मंत्र को साकार किया है। पटेल ने कहा कि सिंध से आकर गुजरात को अपनी मातृभूमि और कर्मभूमि बनाने वाले सिंधी समाज के लोग गुजरात की रंग-बिरंगी संस्कृति में दूध में चीनी की भांति घुल-मिल गए हैं। धार्मिक पर्व के ऐसे सामूहिक आयोजन से नई पीढ़ी को भी इतिहास और परंपराओं के साथ जुड़ने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर विधायक डॉ. पायल कुकरानी ने विश्वास दिलाया कि राज्य के विकास में सिंधी समाज का योगदान सदैव मिलता रहेगा। कार्यक्रम में अहमदाबाद की महापौर प्रतिभा जैन, अहमदाबाद पूर्व के सांसद हसमुखभाई पटेल, कई विधायक और पार्षद तथा बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग उपस्थित रहे।

फोटोः हि.स.

इण्डियन आयल टैंकर से शराब तस्करी, एक गिरफ्तार 60लाख की शराब बरामद

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में पुलिस टीम ने इण्डियन आयल के टैंकर से जांलधर से बिहार ले जाए जा रहे भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। बरामद अवैध अंग्रेजी शराब की अनुमानित कीमत 60लाख रुपये है। एडीशनल एसपी त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने रविवार को बताया कि बीती रात राबर्ट्सगंज कोतवाली को सुचना मिली कि एक इण्डियन आयल के टैंकर से भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर बिहार जाने वाले हैं। पुलिस टीम ने फौरन हिन्दुआरी के पास पहुंच गई व संदिग्ध टैंकर के तलाश में लग गई। रात दस बजे पुलिस टीम ने इण्डियन आयल के एक टैंकर को जांच के लिए रोका, तब चालक ने बताया कि टैंकर में गैस भरा हुआ है व इण्डेन गैस से सम्बन्धित इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन द्वारा जारी टैक्स इन्वाइस उपलब्ध कराया गया, जो कॉमर्शियल इण्डेन गैस से सम्बन्धित था जिसका इनवॉइस वैल्यू लगभग दस लाख रुपये थी। यह टैंकर इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन टर्मिनल आफिस जालंधर से झांसी गैस सर्विस, झांसी उत्तर प्रदेश ले जाने हेतु जारी किया गया है।

मणिपुर में अफस्पा छह महीने बढ़ा, नागालैंड और अरुणाचल के कुछ क्षेत्र भी शामिल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर के तीन राज्यों से जुड़े विभिन्न जिलों एवं पुलिस थानों पर लागू 'सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम' (अफस्पा) को 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। रविवार को जारी अधिसूचना के तहत 13 पुलिस स्टेशनों को छोड़कर संपूर्ण मणिपुर, नागालैंड के आठ जिलों और 21 पुलिस स्टेशनों तथा अरुणाचल प्रदेश के तीन जिलों तथा तीन पुलिस थानों को 'अशांत' घोषित किया गया है। अशांत क्षेत्रों की स्थिति में तेजी से सुधार के लिए 'अफस्पा' के तहत सशस्त्र पुलिस बलों को कुछ विशेष अधिकार दिए जाते हैं। इसके तहत बलों को केंद्र की अनुमति के बिना अभियोजन चलाए जाने से भी संरक्षण मिलता है।

गृह मंत्रालय की ओर से इस संबंध में तीन अगल-अलग अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना के तहत इंफाल पश्चिम के इंफाल, लाम्फेल, सिटी, सिंगजामेई, पाटसोई, वांगोई थानों, इम्फाल पूर्व के पोरोम्पैट, हिंगांग, इरिलबंग थानों, थौबल के थौवल थाने, विष्णुपुर के विष्णुपुर, नामबोल थानों और काकचिंग के काकचिंग थाने के अलावा सारे मणिपुर में अफस्पा लागू रहेगा।

नागालैंड राज्य में दिमापुर, निउलैंड, चुमुकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिले। कोहिमा जिले में खुजामा, कोहिमा उत्तर, कोहिमा-दक्षिण, जुबजा और केजोचा पुलिस थाने। मोकोकचुंग जिले में मांगकोलेंबा, मोकोकचुंग-1, लॉगयो, तुली, लोंगचेम और अनाकी 'सी' पुलिस थाने।

युवा पीढ़ी को विक्रमोत्सव मनाए जाने की जानकारी पहुँचानी होगी : स्कूल

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में रविवार को जिला मुख्यालय के देव श्री नरसिंह मंदिर परिसर नरसिंहपुर में विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत कोटि सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन व दीप प्रज्ज्वलित कर ब्रह्मध्वज वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में सम्राट विक्रमादित्य नाट्य का मंचन की प्रस्तुति प्रवीण नामदेव के निर्देशन में दी गई। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने नव संवत्सर, विक्रम संवत-2082 और चैत्र नवरात्र की शुभकामनायें देते हुए कहा कि देश व प्रदेश में यह कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। आज सही मायने में गौरव व उत्सव का दिन है। आज का युग परिवर्तन का युग है। हमारी संस्कृति विश्व की श्रेष्ठ संस्कृतियों में से एक है। आज इस कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी सहभागिता कर रहे हैं। मंत्री सिंह ने कहा कि भारत के विश्व गुरू बनने की संकल्पना साकार होने वाली है। आदि शंकराचार्य से लेकर हमारे धर्मगुरू इसे स्थापित करने में जुटे हैं। आज पूरे प्रदेश में धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम संवत को प्रदेश में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है।

समारोह

अविभाजित गुना एवं अशोकनगर के वरिष्ठ पत्रकार हुए सम्मानित

विद्यार्थी जी के आदर्शों पर चल, सरकार की जवाबदेही बनाने को हो पत्रकारिता: सिंधिया

एजेंसी (हि.स.)
अशोकनगर

पत्रकार, पत्रकार जगत के नवरत्न गणेश शंकर विद्यार्थी जी के आदर्शों पर चलते हुए सरकार को जवाबदेही बनाने का कार्य करें। पत्रकारों का दायित्व प्रजातंत्र में संविधान के चौथे स्तंभ के रूप में पहरेदार और संरक्षक का कार्य है। यह बात केन्द्रीय दूर संचार मंत्री एवं क्षेत्रिय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार गुड़ी पड़वा के दिन जिला पत्रकार संघ द्वारा आयोजित अमर शहीद पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी स्मृति दिवस एवं संघ की नवीन कार्यकारिणी शपथ विधि एवं सम्मान समारोह के अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर बोलते हुए कही।कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती जी की प्रतिमा एवं गणेश शंकर विद्यार्थी जी के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर हुई।इस अवसर पर ज्योतिरादित्य सिंधिया का संघ के अध्यक्ष अरविन्द जैन एवं महासचिव देवेन्द्र ताम्रकार ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

फोटोः हि.स.

कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर आए अविभाजित गुना के वरिष्ठ पत्रकार नारायण जे.आचार्य, महावीर सिंह तोमर, योगेन्द्र लुम्बा का संरक्षक मण्डल से नीरज शुक्ला एवं पवन जैन उपाध्यक्ष मनोज कलाकार द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया।केन्द्रीय दूर संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नवीन कार्यकारिणी को गुड़ी पड़वा पर बधाई और शुभकामनायें देते हुए कहा कि इस अवसर में पत्रकार संघ को जिम्मेदारी भी दे रहा हूं कि प्रजातंत्र में पत्रकारों की बहुत जिम्मेदारी है, संविधान के चौथे स्तंभ के रूप में वह पहरेदार और संरक्षक भी हैं। हर एक को सचेत और सूचित करना पत्रकारों के ऊपर जिम्मेदारी का कार्य है। सिंधिया ने कहा कि आजादी के समय मोबाइल रूपी डब्बा नहीं हुआ करता था। पत्रकार लिखकर एक एक गांव से दूसरे गांव सूचना पहुंचाते थे। उस समय पत्रकार जगत के नवरत्नों में गणेश शंकर विद्यार्थी ने पूरे देश को संगठित करने का कार्य किया। पत्रकार की कलम तलवार से भी तेज होती है। पर अब सोशल मीडिया का ट्रेंड आ गया है, फेक न्यूज चल रहीं हैं। पत्रकारों की जिम्मेदारी है लोगों को फेक न्यूज और सत्य न्यूज में अंतर बताना।

सिंधिया ने कहा कि में पत्रकार संघ को जिम्मेदारी देता हूं कि अशोकनगर एवं आसपास के क्षमतावान युवक-युवतियों को पत्रकारिता के लिए प्रेरित करें, उनकी पाठशालायें शुरू करें, एआई का इस्तेमाल करें। उन्होंने यह भी कहा कि पत्रकार जगत में आदत हो गई है कि सेंसिटिव न्यूज करो पर समाज में हो रहे अच्छे काम भी दिखाओ, देश की जनता को क्या दिखा रहे हो इस पर विचार कर पत्रकारिता करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जी के आदर्शों पर चलने के साथ वरिष्ठ पत्रकारों को मॉडल मानकर पत्रकारिता करें। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संघ के संरक्षक मनोज जैन ने जिला पत्रकार संघ के विस्तार पर प्रकाश डाला एवं स्वागत भाषण संघ के अध्यक्ष अरविन्द जैन ने दिया।

सब्जी विक्रेता के बेटे ने अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ केआईपीजी 2025 में स्वर्ण पदक जीता

72 किग्रा कटेगरी में 206 किग्रा वजन के साथ अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

बिहार के हरनौत के एक सब्जी विक्रेता के होनहार बेटे झंडू कुमार ने अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़कर यहां जारी खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी) 2025 में स्वर्ण पदक जीता है। केआईपीजी के पहले संस्करण में रजत पदक जीतने वाले झंडू कुमार ने अपना खेल करियर हरनौत से ही शुरू किया था और एक रोचक लेकिन संघर्ष भरे सफर के बाद वह गांधीनगर स्थित साई एनसीई पहुंचे और फिर मशहूर पैरा कोच राजिंदर सिंह रहेलू की देखरेख में अपनी प्रतिभा की चमक दिखानी शुरू कर दी। 28 साल के झंडू कुमार के दोनों पैर जन्म से ही पोलियोग्रस्त हैं। उन्होंने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में स्थित वेटलिफ्टिंग हाल में 72 किग्रा कटेगरी में 206 किग्रा वजन के साथ अपना ही नेशनल रिकार्ड तोड़ा। इससे पहले उन्होंने नोएडा में 17-18 मार्च को आयोजित पैरा

मेरा सपना पैरालंपिक में देश के लिए पदक जीतना: झंडू कुमार

नेशनल चैंपियनशिप में 205 किग्रा वजन के साथ हरियाणा के सुधीर कुमार का 192 किग्रा का नेशनल रिकार्ड तोड़ा था।

झंडू कुमार 2017 से पहली बार खेलों में आए। शुरूआत में शाटपुट और डिस्कस थ्रो करते थे। साथ ही वह पावरलिफ्टिंग भी करते थे। तब तक उनको पैरा पावरलिफ्टिंग के बारे में पता नहीं था। एफ-55 कटेगरी में उन्होंने शाटपुट और डिस्कस थ्रो में कई इवेंट्स में हिस्सा लिया और सफलता भी अर्जित की लेकिन उनकी मंजिल कहीं और थी, लिहाजा किस्मत उन्हें उस ओर ले गई। उन्होंने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि जिला और राज्य स्तर पर शाटपुट और डिस्कस थ्रो में हिस्सा लिया और हर बार स्वर्ण पदक मिला। शुरूआत से उन्हें जिम

फोटो: हि.स.

का शौक था। पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में आयोजित राज्यस्तरीय चैंपियनशिप के दौरान किसी ने उन्हें पावरलिफ्टिंग में हाथ आजमाने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने पावरलिफ्टिंग में एबलबाडी आयोजनों में भी हिस्सा लिया।

खिलाड़ी ने कहा कि तब तक मुझे पैरा पावरलिफ्टिंग के बारे में पता नहीं था। फिर अपने बचपन के कोच गौतम सिंह (जो हरनौत में द राकस्टार जिम चलाते हैं) के कहने पर 2022 में ही कोलकाता में मैंने अपना पहला पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट खेला। वहां मैंने 65 किग्रा कटेगरी में 135 किग्रा वजन के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने कहा कि कोलकाता के बाद मैं किसी और चीज के बारे में सोचता ही नहीं था। इसी साल मैंने नई दिल्ली में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लिया लेकिन वहां मेरा एक भी लिफ्ट सही नहीं गया। यही वह इवेंट था, जिसमें रहेलू सर ने मुझे देखा था और कहा था कि मैं तुमको गांधीनगर बुलाऊंगा। वह बताते हैं कि देश के लिए 2004 एथेंस पैरालंपिक में पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतने वाले कोच रहेलू ने अपना वादा निभाया और 15 दिन के अंदर उन्हें गांधीनगर बुला लिया। पहली बार गांधीनगर पहुंचने पर हुए अनुभव पर झंडू कुमार ने कहा, मुझे लगा कि यह अलग ही दुनिया है। कुछ दिन तक लगा कि मुझसे नहीं हो पाएगा लेकिन धीरे-धीरे मैं इससे तालमेल बना लिया।

इसके बाद उन्होंने दिसंबर 2023 में आयोजित पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स में 72 किग्रा वर्ग में 157 किग्रा वजन के साथ रजत पदक जीता। उन्होंने कहा कि पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स ने मुझे नई पहचान दी। मेरा मनोबल सातवें आसमान पर था। इसके बाद 2024 में जब दूसरा नेशनल (जेएलएन स्टेडियम) में खेला गया तो मैं 187 किग्रा के साथ स्वर्ण जीतने में सफल रहा। इस सफलता के बाद मैं पहली बार अपने गांव गया। 28 साल के झंडू कुमार का सपना पैरालंपिक में देश के लिए पदक जीतना है। झंडू कहते हैं, मुझे अभी विश्व चैंपियनशिप खेलना है और फिर पैरालंपिक में मैं इसके लिए खूब मेहनत करूंगा। अभी कुछ दिनों के लिए परिवार के पास हरनौत जाऊंगा और फिर वापस गांधीनगर आकर मेहनत जारी रखूंगा।

मुंबई व कोलकाता का मुकाबला आज

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

मुंबई इंडियन्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में एक बार फिर खराब शुरुआत करने के बाद सोमवार को अपने घरेलू मैदान पर गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ अंकों का खाता खोलने के इरादे से उतरेगी। मुंबई इंडियन्स के लिए आईपीएल सत्र की शुरूआत लगातार हार के साथ करना कोई नई बात नहीं है। टीम को अब तक चेन्नई सुपरकिंग्स और गुजरात टाइटंस के खिलाफ दो मैच में हार झेलनी पड़ी है। टूर्नामेंट में हमेशा धीमी शुरुआत करने वाली यह टीम ट्रॉफी जीतने के लिए एकजुट होकर खेलने के लिए जानी जाती है लेकिन अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए मुंबई को अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन और बल्लेबाजों से निरंतरता की आवश्यकता होगी, विशेषकर तब जब उनके पास निचले क्रम में विशेषज्ञ फिनिशर की कमी है। रोहित शर्मा बल्ले से लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जबकि आक्रामक बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन अपने पहले आईपीएल टूर्नामेंट में भारतीय पिचों पर अभी तक लय हासिल नहीं कर पाए हैं।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने अपनी प्रतिभा की झलक तो दिखाई है लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। दूसरी ओर रोहित दोनों मैच में दोहरे अंक में पहुंचने में नाकाम रहे जिसमें एक बार वह खाता भी नहीं खोल पाए। सूर्यकुमार यादव टाइटंस के खिलाफ 48 रन बनाकर फॉर्म में लौटते दिख रहे थे लेकिन यह पारी वैसी नहीं थी, जिसके लिए भारतीय टी20 कप्तान को पहचाना जाता है। टीम में लगातार बदलाव के कारण मुंबई इंडियन्स सही संयोजन की तलाश में है लेकिन मौजूदा टीम में एक विशेषज्ञ फिनिशर की कमी है जो काम टीम के लिए पिछले कुछ समय में टिम डेविड ने किया था। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार बल्लेबाजी में मुंबई की सबसे बड़ी उम्मीद हैं और इन दो टी20 विशेषज्ञों की इस आईपीएल में शानदार शुरूआत मुंबई की टीम के लिए समारात्मक चीजों में से एक है।

कप्तान हार्दिक पंड्या व्यक्तिगत मोर्चे पर लगातार सफलता के बाद वानखेड़े स्टेडियम में फिर से जोश से भरकर लौटेंगे जहां के दर्शक पिछले साल रोहित से उनके मुंबई की कमान संभालने पर पूरी तरह से उनके खिलाफ थे। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति मुंबई इंडियन्स को बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों ट्रेंट बोल्ट और रीस टॉपले के साथ अपने वांछित नए गेंद के आक्रमण को उतारने से रोकेगी क्योंकि दीपक चाहर को न्यूजीलैंड के अनुभवी गेंदबाज के साथ तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी साझा करनी होगी। नाइट राइडर्स की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सत्र का पहला मैच गंवाने के बाद राजस्थान रॉयल्स पर मिली बड़ी जीत की लय को जारी रखना चाहेगी। अजिंक्य रहाणे की अगुआई में केकेआर के पास अपेक्षित ताकत है लेकिन क्विंटन डिकॉक के सलामी जोड़ीदार के रूप में सुनील नारायण की अनुपस्थिति में मोईन अली सलामी बल्लेबाज के रूप में अजीब लग रहे थे। टीम के बल्लेबाजी क्रम में रहाणे, वेंकटेश अय्यर और अंगकृष रघुवंशी शामिल हैं।

रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल की मौजूदगी में केकेआर के पास डेथ ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी हैं जबकि टीम की गेंदबाजी भी उतनी ही आकर्षक है।

विदेशी खिलाड़ियों को जीआई-पीकेएल में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं : कार्तिक डम्मू

एजेंसी (हि.स.)
गुरुग्राम

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी सितारे ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। यह बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट 18 अप्रैल से गुरुग्राम में शुरू होने वाला है। पहले सीजन में 12 टीमें (6 पुरुष और 6 महिला टीमें) हिस्सा ले रही हैं। जीआई-पीकेएल के संस्थापक कार्तिक डम्मू ने एक बयान में कहा कि मैं विदेशी खिलाड़ियों को ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं। कबड्डी एक ऐसा खेल है जिसकी जड़ें भारत में हर जगह फैली हुई हैं और इसे वैश्विक स्तर पर फैलते देखना काफी रोमांचक करने वाला है। विभिन्न देशों के एथलीटों के प्रतिस्पर्धा करने से न केवल खेल की तीव्रता बढ़ेगी, बल्कि खेल में नई शैलियां और रणनीतियां भी आएंगी। यह लीग वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय कबड्डी अनुभव की शुरूआत है और मैं इसे देखने के लिए उत्साहित हूं। आईपीकेएल के

फोटो: हि.स.

महिला टीमें: हरियाणवी ईगल्स, भोजपुरी लेपर्डेस, मराठी फाल्कन्स, पंजाबी टाइग्रेस, तेलुगु चीतास, तमिल लायनेस।

पुरुष टीमें: भोजपुरी लेपर्ड्स, हरियाणवी शार्क्स, मराठी वल्चर्स, पंजाबी टाइगर्स, तमिल लायंस, तेलुगु पैंथर्स।

संस्थापक सोहन तुसीर ने खिलाड़ियों की गुणवत्ता को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि यह लीग दुनियाभर में कबड्डी के नए उभरते सितारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी और उन प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच देगी जो इस मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान जीआई-पीकेएल ने अपनी चैंपियनशिप ट्रॉफी का अनावरण किया था।

उदित 61 किग्रा के फाइनल में, पूनिया और दहिया सेमीफाइनल में

अम्मान (जोर्डन)। भारतीय पहलवान उदित ने रविवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप के पुरुषों के 61 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाकर स्वर्ण पदक की उम्मीद जगाई जबकि अनुभवी दीपक पूनिया (92 किग्रा) और मुकुल दहिया (86 किग्रा) भी सेमीफाइनल में पहुंचे। उदित ने किर्गिस्तान के बेकबोलोट मिर्जानजार उलु को 9-6 से हराने के बाद चीन के वानहाओ झोउ को 2-0 से शिकस्त दी। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे पूनिया ने बेकजात राखिमोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत के साथ वापसी की। पूनिया को किर्गिस्तान के प्रतिद्वंद्वी से कड़ी टक्कर मिली लेकिन वह क्वार्टर फाइनल में 12-7 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। अब उनके और पदक के बीच जापान के ताकाशी इशिगुरो हैं। दहिया ने भी दो जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। सिंगापुर के वेंग लुएन गैरी चाउ को दहिया ने बिना अंक गंवाए तकनीकी दक्षता के आधार पर हराने के बाद किर्गिस्तान के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी मुहम्मद अब्दुल्लाव को 3-1 से शिकस्त दी।

बीकेएफसी के लिए दुबाई तैयार, दिग्गज कॉनर मैकग्रेगर ने जताई उत्सुकता

एजेंसी (हि.स.)
दुबई

बेयर नकल फाइटिंग चैंपियनशिप (बीकेएफसी) अगले सप्ताह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपने बहुप्रतीक्षित आगमन के लिए तैयार है। यह आयोजन वर्ल्ड लीग ऑफ फाइटर्स और दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल के सहयोग से 4 और 5 अप्रैल को प्रतिष्ठित दुबई ड्यूटी-फ्री टेनिस स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता में दुनिया के बेहतरीन मुक्केबाज बिना दस्ताने के दमदार मुकाबलों में आमने-सामने होंगे, जिसमें सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया जाएगा।

मिक्स मार्शल आर्ट्स दिग्गज कॉनर मैकग्रेगर ने अपने उत्साह को व्यक्त किया और बीकेएफसी के अध्यक्ष डेविड फेल्डमैन ने यूएई को एक गेमचेंजर के रूप में देखा। फेल्डमैन ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, "हम इस खेल को वैश्विक स्तर पर ले जा रहे हैं। छह हफ्तों में आठ

बीकेएफसी अध्यक्ष फेल्डमैन बोले- 'हम इस खेल को वैश्विक स्तर पर ले जा रहे हैं'

आयोजन, चार देशों में। हम दुबई ड्यूटी-फ्री टेनिस स्टेडियम में 4 और 5 अप्रैल को होने वाले दो इवेंट और चार विश्व चैम्पियनशिप मुकाबलों के लिए आ रहे हैं।"

बीकेएफसी की दुबई में एंट्री, संगठन की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसके तहत छह हफ्तों में चार अलग-अलग देशों में कुल आठ आयोजन किए जा रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात, जो अब तक बड़े-बड़े खेल आयोजनों का गवाह बन चुका है, अब पहली बार बिना दस्तानों के मुक्केबाजी का रोमांच देखेगा। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर पूर्व मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स चैंपियन और कॉम्बैट स्पोर्ट्स आइकन कॉनर मैकग्रेगर भी बेहद

उत्साहित हैं। बीकेएफसी के तेजी से बढ़ते प्रभाव को लेकर उन्होंने कहा, दुबई, हम आ रहे हैं। बीकेएफसी अब एक वैश्विक सनसनी बन चुका है। यह अमेरिका के फ्लोरिडा से लेकर पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। यह अब अंतरराष्ट्रीय हो चुका है और संयुक्त अरब अमीरात में भी धमाल मचाएगा। बीकेएफसी दुबई संस्करण में दुनिया के बेहतरीन मुक्केबाज हिस्सा लेंगे और विभिन्न भार वर्गों में जबरदस्त मुकाबले देखने को मिलेंगे। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल बिना दस्तानों के मुक्केबाजी को बढ़ावा देना है बल्कि इसे एक नए स्तर पर ले जाकर इसे खेल मनोरंजन का अद्भुत अनुभव बनाना है।

वाराणसी के रोशन मौर्य ने 10 दिन में जीते तीन पदक

एजेंसी (हि.स.)
वाराणसी

वाराणसी के सारनाथ के पास रहने वाले रोशन मौर्य ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा की चमक बिखेरी है। मात्र 10 दिनों में उन्होंने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। रोशन, काशी विद्यापीठ के छात्र होने के साथ-साथ कराटे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने इससे पहले भी कई पदक जीतकर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है।

फोटो: हि.स.

रोशन मौर्य ने हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय क्वान की-डो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर अपनी सफलता की शुरूआत की। यह प्रतियोगिता 18 से 20 मार्च तक राजस्थान के जे.जे. विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी, जिसमें उन्होंने पुरुष 61 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया।

इसके तुरंत बाद, उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भी अपना दमखम दिखाया। यह प्रतियोगिता 21 से 25 मार्च तक उत्तर प्रदेश के मेरठ में स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने पुरुष 63 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर काशी विद्यापीठ का नाम रोशन किया।

मेरठ में पदक जीतने के बाद रोशन सीधे हैदराबाद पहुंचे, जहां उन्होंने केआईओ राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। यह प्रतियोगिता 26 से 29 मार्च तक गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने उत्तर प्रदेश की ओर से पुरुष 60 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता।

संजय दत्त की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूतनी' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड में इन दिनों विभिन्न विषयों पर फिल्में बन रही हैं। खासतौर पर हॉरर कॉमेडी फिल्मों को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। 'मुंज्या' और 'स्त्री 2' जैसी फिल्मों की सफलता इसका उदाहरण हैं। इसी कड़ी में अब एक नई हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूतनी' का रोमांचक ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में सुपरस्टार संजय दत्त विशेष भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

फिल्म 'भूतनी' के ट्रेलर में संजय दत्त एक शक्तिशाली अवतार में नजर आ रहे हैं, जो दर्शकों के लिए बड़ा आकर्षण है। हालांकि, ट्रेलर से फिल्म की कहानी का पूरा अंदाजा नहीं लगता लेकिन इसमें नजर आने वाले कलाकारों की टीम बेहद खास है। फिल्म में संजय दत्त मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जबकि पलक तिवारी, आसिफ खान, मौनी रॉय और सनी सिंह भी अहम किरदारों में दिखाई देंगे। इस फिल्म की एक और खास बात यह है कि मशहूर सोशल मीडिया स्टार बी यूनिक इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। ट्रेलर के बाद से ही दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ गया है।

हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूतनी' 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। फिल्म का निर्माण सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स द्वारा किया गया है। संजय दत्त स्वयं दीपक मुकुट के साथ इस फिल्म के सह-निमार्ता हैं। निमार्ताओं की सूची में हुनर मुकुट और संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त का भी नाम है। कुल मिलाकर इसमें कोई शक नहीं है कि संजू बाबा का कॉमेडी अवतार देखने के लिए हर कोई उत्साहित होगा।

मौनी रॉय का बदला चेहरा देख फैंस ने किया ट्रोल

आजकल सुंदर दिखने के लिए विभिन्न उपचार और सर्जरी का सहारा लिया जाता है। इसमें अभिनेता बोटॉक्स और सर्जरी करवाते नजर आ रहे हैं। अक्सर ये सर्जरी उन्हें खूबसूरत की बजाय अजीब बना देती है और वे ट्रोलर्स का निशाना बन जाती हैं। ऐसा ही कुछ हुआ अभिनेत्री मौनी रॉय के साथ। एक्ट्रेस मौनी रॉय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखने के बाद लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि एक्ट्रेस ने दोबारा सर्जरी करवाई है। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मौनी रॉय ने इंडस्ट्री में नामी हस्तियों के बीच अपनी खास जगह बनाई है। टेलीविजन इंडस्ट्री से आने के बाद बॉलीवुड में करियर बनाना आसान नहीं है। इसके अलावा मौनी अपने आउटफिट्स और स्टाइल को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। अब उनके इंस्टाग्राम पर जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें मौनी वन पीस में नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उनका लुक काफी बदला हुआ नजर आ रहा है। कुछ लोगों को उनका यह अंदाज पसंद आया तो वहीं कुछ ने सवाल उठाया कि क्या मौनी ने दोबारा सर्जरी करवाई है। एक यूजर ने वीडियो पर टिप्पणी की, 'सर्जरी की दुकान।' पूरा चेहरा डिजाइन किया गया है, जैसे बच्चे चित्र बनाते हैं, डॉक्टर ने भी कुछ कलात्मक काम किया है। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'चेहरा फिर बदल गया।' एक अन्य यूजर ने लिखा-'सर्जरी और इंतजार के बाद मैं उन्हें पहचान भी नहीं पा रहा हूं।' ऐसे कमेंट किये गए हैं।

मौनी रॉय फिल्म भूतनी में नजर आएंगी। इस फिल्म में संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी और निक भी नजर आएंगे। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है जो 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से की थी। इसके बाद वह कई अन्य धारावाहिकों में नजर आईं, लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा लोकप्रियता एकता कपूर के शो नागिन से मिली।

श्रद्धा कपूर ने खरीदी नई लेक्सस कार

श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं, जिन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया है। पिछले चार वर्षों में उन्होंने विभिन्न भूमिकाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। हाल ही में श्रद्धा कपूर अभिनीत फिल्म 'स्त्री 2' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया और सुपर-डुपर हिट साबित हुई। इस सफलता के चलते श्रद्धा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इसी बीच, श्रद्धा कपूर ने एक शानदार लेक्सस कार खरीदी है, जिसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है।

कारों को लेकर श्रद्धा कपूर की दीवानगी के बारे में उनके फैंस अच्छी तरह जानते हैं। श्रद्धा कपूर ने हाल ही में एक अल्ट्रा-लक्जरी कार लेक्सस एलएम 350एच खरीदी है। यह कार काले रंग की है। श्रद्धा की कार की कीमत करोड़ों में है। इस कार की कीमत सुनकर आप चौंक जाएंगे। इस कार की कीमत 2.93 करोड़ रुपये है। श्रद्धा कपूर को नई कार मिलने पर फैन्स ने बधाई दी इसलिए श्रद्धा ने अपनी कारों के कलेक्शन में एक नई कार जोड़ ली है।

श्रद्धा के कार कलेक्शन की बात करें तो उनके पास कई लग्जरी कारें हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है। उनके पास लाल रंग की लेम्बोर्गिनी हुराकैन टेक्निका है, इसकी कीमत करीब 4 करोड़ रुपये है। श्रद्धा ने यह कार 2023 में खरीदी थी। फिर 2024 में श्रद्धा ने मारुति सुजुकी स्विफ्ट खरीदी। इसके अलावा श्रद्धा के पास ऑडी 07, मर्सिडीज बेंज जीएलए, बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज भी है।

बॉलीवुड इंडस्ट्री पर रणदीप हुड्डा का बड़ा बयान

रणदीप हुड्डा अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में वह फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' में नजर आए थे, जिसमें उनके अभिनय की खूब सराहना हुई। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। इससे पहले रणदीप ने कहा था कि इस फिल्म के लिए उन्होंने अपना सबकुछ दांव पर लगा दिया था, लेकिन जरूरत पड़ने पर बॉलीवुड में किसी ने भी उनकी मदद नहीं की। हाल ही में रणदीप हुड्डा ने एक बार फिर बॉलीवुड पर तंज कसते हुए अपने अनुभव शेयर किए, जिससे इंडस्ट्री के प्रति उनकी नाराजगी जाहिर होती है।

हालिया कार्यक्रम में रणदीप हुड्डा ने बॉलीवुड की मौजूदा स्थिति पर तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा, बॉलीवुड की वर्तमान स्थिति को मैं सिर्फ भेड़चाल कहूंगा। यह सोशल मीडिया ट्रेंड की तरह है। कुछ बार दोबारा रिलीज की गई फिल्मों ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सारी फिल्में सफल हो रही हैं। बॉलीवुड में कुछ नया करने के बजाय, इंडस्ट्री लोकप्रिय चीजों के पीछे भागती है और एक ही ढर्रे पर चलती रहती है।

रणदीप हुड्डा ने बॉलीवुड की एकरूपता पर सवाल उठाते हुए कहा, अगर कोई एक चीज काम करती है तो सभी उसी की नकल करने लगते हैं। अभी 'स्त्री' की सफलता के बाद हर कोई हॉरर-कॉमेडी बना रहा है। बतौर एक्टर, मुझे नहीं लगता कि यही सही मापदंड होना चाहिए। आपको अपनी पहचान के साथ कुछ नया करना चाहिए, न कि किसी की देखा-देखी फिल्में बनानी चाहिए। इसी सोच के कारण आज बॉलीवुड संकट के दौर से गुजर रहा है। यहां रचनात्मकता या नए प्रयोगों के लिए बहुत कम जगह है। हमने खुद को सीमित और अलग-थलग कर लिया है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रणदीप हुड्डा की बेबाक राय

रणदीप हुड्डा ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर खुलकर अपनी राय रखते हुए कहा, प्रयोग अब केवल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ही संभव है। हालांकि, यह भी सब्सक्रिप्शन बढ़ाने की दौड़ में लगा है, लेकिन यहां नए आइडिया और संभावनाओं की जगह है। किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है, जो इस क्षेत्र में अपनी पहचान बनाए। उम्मीद है कि वह मैं ही हूं, क्योंकि मैं दोनों माध्यमों पर काम करना चाहता हूं। मैं कुछ नया और प्रयोगात्मक करने की कोशिश कर रहा हूं और ऐसे विषय चुन रहा हूं, जो ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ सकें।

साउथ सिनेमा की तारीफ

रणदीप हुड्डा ने साउथ सिनेमा की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा, साउथ भारतीय निमार्ता-निर्देशक अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं और उनका काम बेहद अलग और वास्तविक है। मैं सच में उनके काम की प्रशंसा करता हूं क्योंकि वे अब भी अपनी संस्कृति से जुड़े विषयों पर फिल्में बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पुष्पा के पास सिक्स-पैक एब्स नहीं हैं, उसकी दाढ़ी है और उसका कंधा टेढ़ा है। वहीं, बॉलीवुड के बड़े फिल्म निमार्ता और अभिनेता सिर्फ एब्स बनाने में व्यस्त हैं। रणदीप हुड्डा जल्द ही सनी देओल के साथ एक्शन फिल्म 'जाट' में नजर आएंगे, जिसमें वह विलेन की भूमिका निभा रहे हैं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'तारक मेहता' में नजर आएंगी नई दयाबेन

दयाबेन कई सालों से 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' सीरियल से गायब हैं। दिशा वकानी, जिन्होंने असित मोदी के शो में आइकॉनिक किरदार दयाबेन का किरदार निभाकर लोगों का दिल जीत लिया था, शादी के बाद वह 2018 में मातृत्व अवकाश पर चली गईं और तब से वापस नहीं लौटीं। अब खबर आ रही है कि दिशा वकानी इस सीरीज में वापस नहीं आएंगी और मेकर्स ने नई दयाबेन ढूंढ़ ली है। कुछ महीने पहले असित मोदी ने शो पर इस खबर की पुष्टि की थी कि दिशा शो में वापस नहीं आएंगी।

अब ताजा जानकारी ये आई है कि दिशा वकानी शो से बाहर हो गई हैं और मेकर्स को नई दयाबेन मिल गई है। सीरीज से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि दयाबेन के किरदार के लिए ऑडिशन दे रही अभिनेत्रियों में से एक को आखिरकार चुन लिया गया है। हालाँकि, अभिनेत्री की पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है। इतना ही नहीं, टीम फिलहाल उनके साथ मॉक शूट भी कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि नई दयाबेन पिछले एक सप्ताह से शूटिंग कर रही हैं। असित मोदी नई दयाबेन की तलाश में थे। फिलहाल उनके साथ मॉक शूट चल रहा है। वह लगभग एक सप्ताह से टीम के साथ शूटिंग कर रही हैं। इस साल जनवरी में एक इंटरव्यू में असित मोदी ने कहा था कि दिशा वकानी शो में वापस नहीं आएंगी। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल अपने दो बच्चों के साथ व्यस्त हैं। असित मोदी ने कहा था, 'मैं अभी भी कोशिश कर रहा हूं। मुझे लगता है कि दिशा वकानी वापस नहीं आ सकतीं। उसके दो बच्चे हैं। वह मेरी बहन जैसी है। आज भी उनके परिवार के साथ हमारे बहुत करीबी संबंध हैं। दिशा वकानी ने मुझे राखी बांधी। उनके पिता और भाई भी मेरे परिवार का हिस्सा हैं। जब आप 17 वर्षों तक एक साथ काम करते हैं और यह आपका विस्तारित परिवार बन जाता है।'

उसी साक्षात्कार में उन्होंने कहा, उनके लिए शो में वापस आना मुश्किल है। शादी के बाद महिलाओं की जिंदगी बदल जाती है। बच्चों के साथ काम करना और घर की देखभाल करना। वास्तव में, यह उनके लिए थोड़ा कठिन है। लेकिन मैं अभी भी सकारात्मक हूं। ऐसा लगता है कि कहीं न कहीं भगवान चमत्कार करेंगे और वह वापस आ जाएंगी। अगर वह आये तो यह अच्छी बात होगी। अगर किसी कारणवश वह नहीं आती हैं तो मुझे शो के लिए दूसरी दयाबेन लानी पड़ेगी।

तमन्ना से ब्रेकअप के बाद विजय ने तोड़ी चुप्पी

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया कुछ दिनों से ब्रेकअप के कारण सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने पिछले दिनों ऐसा बयान दिया था, जिसे लोग विजय वर्मा के साथ उनके रिश्ते और ब्रेकअप से जोड़ रहे हैं। अब एक्टर विजय वर्मा ने इस पर अपनी राय जाहिर की है। विजय वर्मा ने रिश्ते के हर पहलू को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में विजय वर्मा ने रिश्तों पर एक नया और हल्का-फुल्का नजरिया शेयर किया, जिसमें उन्होंने जीवन में चुनौतियों के बावजूद खुश रहने की बात कही। जब उनसे रिश्तों की प्रकृति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इसकी तुलना विभिन्न स्वाद वाली मीठी, नमकीन आइसक्रीम से की। सलाह दी- जो भी आए उसे स्वीकार करना और उसका आनंद लेना सबसे अच्छा है, प्रत्येक क्षण का भरपूर आनंद लेना चाहिए। विजय वर्मा ने कहा, रिश्तों के बारे में आप सही कह रहे हैं। मुझे लगता है कि अगर आप आइसक्रीम की तरह रिश्ते का आनंद लेते हैं तो आप बहुत खुश रहेंगे। इसका मतलब है कि जो भी स्वाद आए उसे गले लगाओ और उसके साथ चलो।

इस महीने की शुरूआत में खबर आई थी कि तमन्ना और विजय का दो साल पुराना रिश्ता खत्म हो गया है। हालांकि दोनों में से किसी ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ब्रेकअप के बारे में आधिकारिक तौर पर बात नहीं की, लेकिन ऐसी अफवाह है कि उनका ब्रेकअप हो गया है। एक सूत्र ने बताया, 'तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा कुछ सप्ताह पहले अलग हो गए लेकिन वे अच्छे मित्र बने हुए हैं। दोनों अपने-अपने शेड्यूल पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

जब उन्हें पहली बार 2023 के नए साल की पार्टी में एक साथ देखा गया तो विजय और तमन्ना के डेटिंग की अफवाहें फैल गईं। जब यह जोड़ा सार्वजनिक रूप से एक साथ आया तो चर्चा तेज हो गई और 'लस्ट स्टोरीज 2' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी। तब से, उन्हें अक्सर कार्यक्रमों, फिल्म स्क्रीनिंग, डेट नाइट्स और विभिन्न सामाजिक आयोजनों में एक साथ देखा जाता रहा है।

तमन्ना ने 2024 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। विजय ने भी कई साक्षात्कारों में तमन्ना के प्रति अपने प्यार का इजहार किया। दोनों ने पहली बार नेटफ्लिक्स की सीरीज 'लस्ट स्टोरीज 2' में साथ काम किया था, जहां फिल्म के दौरान वे करीब आ गए थे।

एसडी कॉलेज के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल ने आइडिया फोर्ज 25 से उद्यमशीलता उत्कृष्टता को दिया बढ़ावा

आइडिया फोर्ज 25 के विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों के नेतृत्व में आयोजित हुईं चर्चाएं और व्यावहारिक कार्यशालाएं

संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर 32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की ओर से आइडिया फोर्ज 25 का आयोजन किया गया, जो नवाचार और उद्यमशीलता उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए था। इस दौरान हुए विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों के नेतृत्व में चर्चाएं और व्यावहारिक कार्यशालाएं शामिल थीं, जो प्रतिभागियों को अत्याधुनिक व्यावसायिक कौशल से लैस करने के लिए तैयार की गई थीं। विविध पृष्ठभूमियों के 100 से अधिक छात्रों और उभरते उद्यमियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने संस्थान की ह्यग्रीन वेलकम' पहल के तहत वक्ताओं का पौधे देकर स्वागत किया। अपने संबोधन में डॉ. शर्मा ने उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ावा देने में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और व्यावसायिक नवाचार को आगे बढ़ाने में उद्योग-शैक्षणिक सहयोग के महत्व पर बल दिया। दिन की शुरूआत प्रसिद्ध ह्यूमन कैपिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड चेंज मैनेजमेंट कंसल्टेंट हितेश गुलाटी द्वारा आयोजित एक कार्यशाला से हुई। उनके सत्र, बीएमसी कार्यशालाः एक मजबूत बिजनेस मॉडल कैनवास का निर्माण, ने उपस्थित लोगों को व्यवहार्य और टिकाऊ व्यवसाय मॉडल विकसित करने के लिए व्यावहारिक रूपरेखा प्रदान की। प्रतिभागियों ने ऐसे अभ्यासों में भाग लिया जिनमें वैल्यू प्रोपोजिशंस, कस्टमर सेगमेंटेशन, रेवेन्यू जेनरेशन स्ट्रेटजिस तथा व्यवसाय की मापनीयता के लिए आवश्यक प्रमुख साझेदारी गतिशीलता जैसे महत्वपूर्ण तत्वों पर जोर दिया गया।

बिजनेस मॉडल विकास कार्यशाला के बाद कार्यक्रम एक उच्च-प्रभावी पैनल चर्चा में परिवर्तित हो गया, जिसका शीर्षक था 'भारतीय उद्यमियों के लिए रोडमैपः स्टार्टअप इकोसिस्टम को आगे बढ़ाना।' इस सत्र में उद्योग जगत के कई प्रतिष्ठित दिग्गज एक साथ आए, जिन्होंने भारत के उभरते उद्यमशीलता परिदृश्य के बारे में अपने विविध अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की। दुर्गा सीड्स के मैनेजिंग पार्टवर करण महाजन ने कृषि व्यवसाय नवाचार और उद्यमिता में टिकाऊ प्रथाओं की भूमिका पर चर्चा की। नियो प्रोजेक्ट के सह-संस्थापक और आर के मेडिक्स और फूप्रो इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के पार्टनर रजत मल्होत्रा ने इंडस्ट्रियल थ्रेड डिस्ट्रीब्यूशन और प्रोस्थेटिक्स मार्केटिंग में अपने 30 से अधिक वर्षों के अनुभव का लाभ उठाते हुए व्यवसाय विस्तार में अनुकूलनशीलता पर प्रकाश डाला। पाइरेक्स ऑफ ग्रिल के संस्थापक अरविंदर सिंह ने खाद्य एवं आतिथ्य उद्योग में उद्यमों के विस्तार पर विशेषज्ञता प्रदान की। प्रो अल्टीमेट जिम्स के संस्थापक अभिषेक गगनेजा ने फिटनेस क्षेत्र में ब्रांड विभेदीकरण के महत्व पर जोर दिया। पनाकोट्टास के सह-संस्थापक अर्जुन के पजनी और प्राक्षी ने उपभोक्ता-केंद्रित व्यवसायों को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्मों का लाभ उठाने की रणनीतियों को साझा किया।

चर्चा में स्टार्टअप इकोसिस्टम के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसमें रेगुलेटरी कंप्लायंस, पूंजी अधिग्रहण, प्रतिस्पर्धी स्थिति और बाजार प्रवेश रणनीतियां शामिल थीं। पैनलिस्टों ने उद्यमशीलता संबंधी चुनौतियों पर काबू पाने के लिए प्रत्यक्ष अंतर्दृष्टि प्रदान की, तथा उपस्थित लोगों को गतिशील स्टार्टअप परिदृश्य में आगे बढ़ने और सफल होने के लिए कार्यान्वयन योग्य रणनीतियां प्रदान कीं।

टंडन ने सदर मार्केट में पार्टी के कार्यकताओं के साथ सुनी प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

- प्रधानमंत्री के मन की बात में बताए गए जागरूकता कार्यक्रम का हिस्सा बने : टंडन

संवाददाता
चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के मंडल नंबर 11 के सदस्यों द्वारा रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' के 120वें एपिसोड के सीधे प्रसारण का कार्यक्रम सेक्टर 19, चंडीगढ़ स्थित सदर बाजार में हआ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं हिमाचल प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी संजय टंडन ने विशेष रूप से भाग गुप्ता, लिया और स्थानीय लोगों के साथ साथ पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना इस अवसर पर जिला साथ रानी झाँसी के जिला अध्यक्ष अनूप, मंडल अध्यक्ष जतिन नागपाल, संजय पूरी, जतिंदर चोपड़ा, सुमिता कोहली, एस सी गुप्ता और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों को आज चैत्र नवरात्र के क्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि शुरू है। आज से चैत्र नवरात्र की शुरुआत, भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2082 की भी शुरुआत, गुड़ी पाड़वा और ईद का त्योहार की सभी देशवासियों को बधाई प्रदान करते हुए कहा कि ये पूरा महीना त्योहारों और पर्वों का है। ये त्योहार भारत की विविधता में एकता का अहसास कराते हैं। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि 'गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों के पास काफी समय होता है। इस समय में बच्चों को नई चीजें सीखनी चाहिए और इस समय का इस्तेमाल अपने स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए करना चाहिए। ऐसे प्लेटफॉर्म की कमी नहीं, जहां वे काफी कुछ सीख सकते हैं।'

इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण के महत्व पर बल दिया और सभी नागरिकों से पानी बचाने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स के बारे में बात की और बताया कि इस बार पहले से ज्यादा खिलाड़ी इन खेलों में हिस्सा ले रहे हैं, जिससे पता चलता है कि पैरा स्पोर्ट्स लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। खेलो इंडिया पैरा गेम्स में 18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने, जिनमें से 12 महिला खिलाड़ियों ने बनाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में दुनिया की तीसरा सबसे ज्यादा टेक्सटाइल वेस्ट निकलता है, लेकिन अब इस चुनौती से निपटने के प्रयास किए जा रहे हैं और कई स्टार्टअप्स इस मामले में काम कर रहे हैं। हरियाणा के पानीपत की तारीफ की और बताया कि टेक्सटाइल रिकवरी के प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। कई लोग पुराने जूते-चप्पलों को रिसाइकल कर लोगों तक पहुंचा रहे हैं। इसी तरह हैंडबैग, स्टेशनरी और खिलौनों जैसी चीजें भी बनाई जा रही हैं।

कबाड़ी की दुकान को लगी भीषण आग

संवाददाता
जीरकपुर

जीरकपुर के ढकोली क्षेत्र में एक कबाड़ी की दुकान के ऊपर रहते किराएदार द्वारा नवरात्र के पहले दिन माता की ज्योत जलाई गई। उसके बाद पूजा करने के बाद घर को कुंडी लगाकर परिवार कुछ समय के लिए बाहर गया था जिस दौरान घर में आग लग गई। घर की मालकिन सुमन के अनुसार उनके घर में आग इस जलती हुई जोत के कारण ही लगी है क्योंकि उसके पास कुछ कपड़े भी पड़े हुए थे जैसे ही आग कपड़ों को लगी तो इसने गंभीर रूप धारण कर लिया और कमरे में पड़ा हुआ सारा सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार यहां पर आग लगने की घटना दोपहर 12:10 पर हुई और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित कर दिया गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई और उन्होंने आग पर काबू पाया। आग लगने की घटना के मत्र 16 मिनट में अग्निशमन विभाग की टीम पहुंचने के कारण यहां पर काफी बचाव रह गया क्योंकि फायर ब्रिगेड की टीम ने आग को पहली मंजिल तक ही रोक कर काबू पा लिया। अगर आग थोड़ी और ज्यादा फैल जाती तो नीचे वाली मंजिल में कबाड़ी की दुकान थी और इमारत के बिल्कुल साथ बिजली का ट्रांसफार्मर भी था और पीछे एक बड़ी सोसाइटी जिसका नाम न्यू जनरेशन अपार्टमेंट है, बिल्कुल साथ ही स्थित है को भी नुकसान हो सकता था।

शहर में इस हफ्ते फिर से बढ़ेगा पारा, गर्मी करेगी परेशान

चंडीगढ़। शहर में बीते दो दिनों से चल रही ठंडी हवाओं ने मौसम खुशनुमा किया हुआ था, लेकिन रविवार को फिर से गर्मी का असर देखने को मिला। इस दौरान दिन के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं मौसम विभाग के अनुसार इस हफ्ते तापमान में बढ़ोतरी होगी और गर्मी परेशान करेगी। विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री दर्ज किया गया। ध्यान रहे कि नॉर्थ पाकिस्तान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने और पहाड़ों पर बर्फबारी होने की वजह से मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला था। दो दिन आंशिक बादल छाए रहे। ठंडी हवाओं की वजह से दिनभर मौसम खुशनुमा बना रहा। विभाग की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार शुक्रवार को दिन का तापमान 28.5 डिग्री दर्ज किया गया, जोकि बीते 24 घंटों के मुकाबले 6.6 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री दर्ज किया गया। लेकिन इस हफ्ते अधिकतम तापमान 34 डिग्री के पार और न्यूनतम तापमान भी 18 डिग्री तक जाने के आसार है।

गद्दी वेलफेयर सोसाइटी का हुआ गठन गगन सिंह चौहान बने मुख्य सलाहकार

संवाददाता
कालका

हरियाणा में नौकरी कर रहे गद्दी समुदाय के प्रोफेशनल युवाओं ने मिलकर गद्दी वेलफेयर सोसाइटी कालका का गठन किया है। इस सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य समाज और संस्कृति से जुड़ी समस्याओं पर मंथन करना और उनका निवारण करना है। वेलफेयर सोसाइटी के तहत एक बैठक अध्यक्ष राकेश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में कालका में रह रहे गद्दी समुदाय के प्रोफेसनल युवाओं ने गद्दी वेलफेयर सोसाइटी कालका के नाम से एसोसिएशन का पंजीकरण कर गठन किया है। राकेश कुमार को अध्यक्ष, डॉ. करनैल सिंह को महासचिव का दायतिव सौंपा गया। डिम्पल शर्मा को उपाध्यक्ष और महिंद्र सिंह को सह-सचिव का जिम्मा सौंपा गया है। दया राम को कोषाध्यक्ष और रुमेल सिंह को एग्जिक्युटिव सदस्य चुना गया। गगन सिंह चौहान को मुख्य सलाहकार बनाया गया। महासचिव डॉ. करनैल सिंह ने बताया की वेलफेयर सोसाइटी समाज और गद्दियाली संस्कृति से जुडी समस्याओं पर मंथन करेगी और सक्रीय रूप से उनका निवारण भी करेगी। सोसाइटी के पदाधिकारियों ने संकल्प लिया है कि वे जरूरतमंदों की समस्याओं को सुलझाने के साथ-साथ उन्हें सही निष्कर्ष पर पहुंचाएंगे।

सोसाइटी के अध्यक्ष राकेश कुमार ने पदाधिकारियों को संस्था की जानकारियां दी और एकजुट रहने के फायदे बताए।

मुख्य सलाहकार गगनसिंह चौहान ने बताया की हमारा उद्देश्य समाज और संस्कृति की समस्याओं का निवारण करना है। हम एकजुट होकर काम करेंगे और समाज की समस्याओं का समाधान निकालेंगे। गद्दी वेलफेयर सोसाइटी कालका 6 अप्रैल को बी० आर० अंबेडकर भवन कालका में एक सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन करेगी, जिसमें हरियाणा में नौकरी कर रहे गद्दी समुदाय से जुड़े लगभग 300 प्रोफेशनल्स इस बड़े सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम में समाज और संस्कृति से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की जाएगी और उनके समाधान के लिए रणनीतियां बनाई जाएंगी।

संक्षिप्त-समाचार

एनएसएस स्वयंसेवकों ने निकाली रक्तदान जागरूकता रैली

पंचकूला। गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज सेक्टर -1 के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा रक्तदान जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का आयोजन कॉलेज गेट से सेक्टर 16 स्थित अग्रवाल भवन तक किया गया। रैली में शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों समेत एनसीसी कैडेट भी शामिल रहे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनिल कुमार पाण्डेय ने बताया कि प्राचार्य डॉ नरेन्दर सिवाच के मार्गदर्शन में अश्विनी गुप्ता मेमोरियल एजुकेशनल, स्पोर्ट्स एण्ड चैरेटिबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित विशाल रक्त दान शिविर में पंचकूला शहर के लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से रैली का आयोजन किया गया। रक्तदान के नारों से लिखे बैनर और तख्तियों को हाथों में लिए स्वयंसेवकों द्वारा रक्तदान है महादान, इससे बड़ा न कोई दान और आपका रक्तदान, हर जरूरतमंद को जीवनदान जैसे लगाए गाए नारों ने न केवल लोगों का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि राह में चल कई लोगों ने रैली के साथ रक्तदान शिविर तक पहुंचकर रक्तदान भी किया। शिविर में एनएसएस के स्वयंसेवकों समेत कॉलेज के विद्यार्थियों ने रक्तदान करके पुण्य अर्जित किया। कॉलेज द्वारा सफलतापूर्वक जागरूकता रैली के सफल आयोजन के लिए प्राचार्य और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी को अश्वनी गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट के प्रधान और पूर्व विधान सभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता और रक्तदान शिविर के विशिष्ट अतिथि समाजसेवी प्रेम गोयल द्वारा सम्मानित किया गया। रैली का आयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर प्रवीण ढांढा और कंप्यूटर साइंस विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर पंकज हुड्डा की देखरेख में किया गया। रैली के आयोजन में एनएसएस स्वयंसेवक मुरारी कुमार, श्वेता मौर्य, चेतन शर्मा, संदीप कुमार, अमित, कोमल, आरती, विकास और सौरव का भी विशेष सहयोग रहा।

पीयू में छात्र की हत्या पर छात्रों में आक्रोश, न्यायिक जांच और सुरक्षा कड़ी करने की मांग

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी के यूआईटी विभाग के चौथे सेमेस्टर के छात्र आदित्य की हत्या के दो दिन बाद भी पुलिस अपराधियों को पकड़ने में विफल रही है, जिससे नाराज छात्रों का रोष प्रदर्शन जारी है। कैंपस में बीते 48 घंटों से प्रोटेस्ट पर बैठे विभिन्न छात्र मृतक आदित्य के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। वहीं एबीवीपी की ओर से रविवार को स्टूडेंट सेंटर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर आदित्य को श्रद्धांजलि अर्पित की और दोषियों के खिलाफ त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की मांग की गई। ध्यान रहे कि बीती 28 मार्च की रात पीयू में आयोजित सांस्कृतिक संध्या 'सीट्रॉन' के दौरान आदित्य की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हमले में अन्य छात्र भी घायल हुए थे। घटना के दो दिन बाद भी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। वहीं सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाते हुए नाराज छात्र डीएसडब्ल्यू व सिक्योरिटी इंचार्ज के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। डीन स्टूडेंट वेलफेयर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने वाले संगठनों में पीयूएसयू, पीएसयू ललकार, एनएसयूआई, एबीवीपी, सथ, सीवाईएसएस, इनसो समेत कई संगठनों के छात्र मौजूद थे। छात्रों ने सवाल उठाया कि यदि पीयू के पास सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे तो स्टार नाइट को अनुमति क्यों दी गई। पीयू की लापरवाही के कारण एक छात्र की मौत हुई है एबीवीपी के अध्यक्ष परविंदर नेगी ने विश्वविद्यालय प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था की लचर स्थिति पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अभाविप ने पहले ही इस आयोजन को लेकर सुरक्षा चिंताओं को प्रशासन के समक्ष रखा था, क्योंकि साउथ कैंपस में बाहरी तत्वों की अवैध रूप से एंट्री की संभावना रहती है। इसके बावजूद, प्रशासन ने कोई ठोस सुरक्षा उपाय नहीं किए, जिस वजह से यह घटना घटी। परविंदर नेगी ने यह भी कहा कि यदि प्रशासन और पुलिस ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो अभाविप सभी विद्यार्थियों को संगठित कर उग्र आंदोलन करेगी।

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में किड्स मैनिया फिएस्टा का आयोजन

संवाददाता
मोहाली

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, मोहाली में जूनियर आरजे हंट और किड्स मैनिया फिएस्टा, का शानदार और रोमांचक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 1,500 लोग शामिल हुए, जिनमें छात्र, अभिभावक, रेडियो जॉकी, इन्फ्लुएंसर्स, शिक्षा विशेषज्ञ और कलाकार उपस्थित थे। यह कार्यक्रम जोश और उत्साह से भरपूर था, जिसमें कई शानदार प्रस्तुतियां और रोचक गतिविधियाँ शामिल थीं। प्रतिभाशाली छात्रों ने एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसने अपनी शानदार कहानी से दर्शकों का दिल जीत लिया। ट्रैशियोनीस्ता वॉक में छात्रों ने पुराने कपड़ों से बनाए गए सुंदर और अनोखे परिधानों के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं, दीव सस्टेनेबल हंट ने बच्चों को नई चीजें बनाने और पर्यावरण के प्रति जागरूक होने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में शानदार डांस प्रस्तुतियों की झलक देखने को मिली, जिसमें एक मनमोहक कथक नृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्टिल्ट वॉकर्स ने अपनी ऊँची चाल और अनोखे अंदाज से माहौल को और भी खास बना दिया। लकी बोनस गेम ने रोमांच को चरम पर पहुंचा दिया, जहां प्रतिभागियों को शानदार इनाम और सरप्राइज जीतने का मौका मिला, जिससे पूरे कार्यक्रम में उत्साह बना रहा। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मशहूर हस्ती मिस सिमरन कौर विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं। मनोरंजन जगत में अपने बेहतरीन काम के लिए पहचानी जाने वाली मिस सिमरन ने छात्रों से बातचीत की और अपनी प्रेरणादायक यात्रा से उन्हें प्रोत्साहित किया। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम में उत्साह और ग्लैमर का रंग भर दिया, जिससे यह पल और भी यादगार बन गया। पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभागियों की मेहनत और रचनात्मकता को सराहा गया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया। जोश और उत्साह से भरे इस आयोजन में बच्चों की भागीदारी देखने लायक थी। बेहतरीन योजना और शानदार प्रस्तुतियों के साथ, जूनियर आरजे हंट और किड्स मैनिया फिएस्टा ट्राईसिटी का एक अनोखा कार्यक्रम साबित हुआ। इसने जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल की प्रतिभा को बढ़ावा देने और समग्र विकास को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को फिर से साबित किया।

प्रदूषित पानी से गांव दयालपुरा के लोगों को हो रही कई प्रकार की बीमारियां

जीरकपुर। जीरकपुर के साथ लगे एक गांव दयालपुर के लोग धरती के नीचे से आ रहे पीने वाले प्रदूषित पानी से परेशान हो रहे हैं। लोगों का आरोप है के उनके गांव की एक बड़ी सोसाइटी जिसका नाम रिवरडेल एरो विस्टा है उसके बिल्डर द्वारा इस सोसाइटी में 3 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए हुए हैं जिनमें से प्रतिदिन दो से ढाई लाख लीटर पानी निकलता है। गांव वासियों का आरोप है के बिल्डर द्वारा यह पानी जमीन में बोर करके धरती के नीचे डाला जा रहा है जिसके कारण आसपास के लोगों को पीने के लिए प्रदूषित पानी मिल रहा है जो के सेहत के लिए नुकसान दायक है। इस समस्या को लेकर आज गांव वासियों द्वारा बिल्डर के दफ्तर के आगे रोष प्रदर्शन किया गया तथा जोरदार नारेबाजी की गई। इस मौके मौजूद गांव वासी सुखविंदर सिंह, मलकीत सिंह, गुरप्रीत सिंह,लाडी, सुरिंदर सिंह, सुरजीत सिंह सेखों,यश गुप्ता और प्रताप सिंह विर्क आदि ने कहा कि हम इस सोसाइटी में पहले भी आए थे और प्रबंधन को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के पानी की निकासी संबंधी पूछा गया था कि आपके द्वारा यह पानी कहां पर गिराया जा रहा है लेकिन उनके द्वारा कोई तसल्ली बक्श जवाब नहीं दिया गया।

पुस्तक चरित्र निर्माण ही राष्ट्र निर्माण है का हुआ विमोचन व चर्चा

संवाददाता
चंडीगढ़

प्रसिद्ध शायर अशोक नादिर की 31वीं पुस्तक चरित्र निर्माण ही राष्ट्र निर्माण है का विमोचन व चर्चा आज सेंट्रल स्टेट लाइब्रेरी सेक्टर 17 चंडीगढ़ के सभागार में हुई। हरियाणा सहित्य व संस्कृत अकादमी के उपाध्यक्ष कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री मुख्य अतिथि, फकरे हरियाणा बी डी कालिया 'हमदम', माननीय अतिथि, के. के. शारदा, अध्यक्ष स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण एसोसिएशन, वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम विज, लाइब्रेरियन डॉ. निजा सिंह, अतिथि और वरिष्ठ लेखक सिरी राम अर्श संरक्षक के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कविवर गणेश दत्त बजाज ने किया। सरस्वती वंदना और अशोक नादिर की रचना की प्रस्तुति सुरजीत सिंह धीर ने प्रस्तुत की। पुस्तक पर बोलते हुए प्रेम विज ने कहा कि लेखक ने काव्यात्मक रूप से दहेज प्रथा, नशा, रक्तदान, जंक फूड एक जहर, छोटा परिवार के महत्व को प्रस्तुत कर युवाओं के चरित्र निर्माण का सफल प्रयास किया है। के के शारदा ने कहा कि उन्होंने एक बहुत ही अच्छी सोच से युवाओं को नई दिशा दी है। बी डी कालिया हमदम ने कहा शायरी के माध्यम से उनसे नई पीढ़ी सकारात्मक दिशा प्रदान की है। उस्ताद शायर श्री राम अर्श ने मुबारकबाद देते हुए कहा की शायरी से युवा पीढ़ी में देशभक्ति की भावना पैदा करने का सार्थक प्रयत्न किया है।

युवसत्ता (यूथ फॉर पीस) के संस्थापक प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में आयोजित यात्रा में 61 स्टूडेंट्स और टीचर्स हुए शामिल

भवन विद्यालय के स्टूडेंट्स के लिए नई दिल्ली की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक शिक्षा यात्रा आयोजित

संवाददाता
चंडीगढ़

- ऐसे दौरे युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को पहचानने का एक मंचः पल्लवी

भवन विद्यालय, पंचकूला के 61 स्टूडेंट्स और टीचर्स का एक ग्रुप शहर की एनजीओ युवसत्ता (यूथ फॉर पीस) के संस्थापक प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में नई दिल्ली की तीन दिवसीय शैक्षिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान यात्रा से लौटा। प्रतिभागियों ने यहां शहर के ऐतिहासिक, शैक्षिक और प्रशासनिक संस्थानों का दौरा किया। भवन विद्यालय की प्रिंसिपल गुलशन कौर ने कहा कि वे इस तरह के अनुभवात्मक शैक्षिक दौरों को एकेडमिक प्रोग्राम का एक महत्वपूर्ण घटक मानती हैं, क्योंकि इससे छात्रों को कक्षा के बाहर सीखने और उपयोगी व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का मौका मिलता है।

उन्होंने कहा कि ऐसे दौरों में भाग लेने से उन्हें आलोचनात्मक सोच, टीमवर्क, सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है। उनका आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ता है और जैसा कि एक कहावत है, मैं सुनता हूं और भूल जाता हूं, मैं देखता हूं और याद रखता हूं, मैं करता हूं और समझ जाता हूं। नई दिल्ली स्थित महात्मा गांधी के राष्ट्रीय स्मारक गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की निदेशक पल्लवी प्रशांत होलकर के साथ बातचीत के दौरान छात्रों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन और कार्यों के बारे में अपनी सीख साझा की। इस पहल की सराहना करते हुए पल्लवी ने कहा कि इस तरह के दौरे युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को पहचानने का एक मंच हैं।

इस दौरे के बारे में बताते हुए युवसत्ता के संस्थापक प्रमोद शर्मा ने कहा कि इस दौरे में स्टूडेंट्स ने न केवल गांधी स्मृति और राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की, बल्कि उन्होंने राष्ट्रपति भवन की भव्यता भी देखी, जबकि प्रधानमंत्री संग्रहालय ने भारत के राजनीतिक इतिहास का अवलोकन कराया। लाल किला, कुतुब मीनार, लोटस टेंपल, इंडिया गेट, हुमायूं का मकबरा, गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब, श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, इंदिरा गांधी संग्रहालय, दिल्ली हाट, सुंदर नर्सरी, निजामुद्दीन दरगाह, राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, हुमायूं का मकबरा आदि के भ्रमण से उन्हें भारत की सांस्कृतिक और प्रशासनिक विविधता को समझने का अनूठा अवसर मिला।

शर्मा ने कहा कि युवसत्ता की ऐसी पहल छात्रों को भारत के विभिन्न हिस्सों से जोड़ने वाले सेतु का काम करती है, जिससे देश के प्रशासनिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक परिदृश्य की गहरी समझ विकसित होती है। आठवीं कक्षा की छात्रा तनीषा सिंह ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे केवल तीन दिनों में पुरानी और नई दिल्ली का इतना अधिक भ्रमण कर सकेंगी। आठवीं कक्षा की एक अन्य छात्रा आयुषी ने कहा कि यह एक अद्भुत अनुभव था, जिसमें महात्मा गांधी से जुड़े स्थानों का दौरा करने से उन्हें एक बेहतर दुनिया के लिए अहिंसा, सत्य और सेवा की शक्ति और गुणों को समझने में मदद मिली।

डॉ. अशोक शर्मा ने वर्ल्ड कॉर्निया कांग्रेस, अमेरिका में पीडियाट्रिक कॉर्नियल ट्रांसप्लांट पर शोध प्रस्तुत किया

संवाददाता
चंडीगढ़

डॉ. अशोक शर्मा, डायरेक्टर, डॉ. अशोक शर्मा कॉर्निया सेंटर, ने 20 से 22 मार्च तक वाशिंगटन डी.सी., अमेरिका में आयोजित वर्ल्ड कॉर्निया कांग्रेस में भाग लिया। डॉ. अशोक शर्मा ने पीडियाट्रिक (बाल चिकित्सा) कॉर्नियल ट्रांसप्लांट पर अपना शोध प्रस्तुत किया। नवजात शिशुओं और शिशुओं (1 वर्ष से कम उम्र) में कॉर्नियल ट्रांसप्लांट करना अत्यंत कठिन होता है। डॉ. शर्मा पिछले 30 वर्षों से बच्चों में कॉर्नियल ट्रांसप्लांट कर रहे हैं। इस सम्मेलन में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और 225 आंखों में किए गए कॉर्नियल ट्रांसप्लांट के परिणाम प्रस्तुत किए।

डॉ. अशोक शर्मा के अनुसार, हालांकि बच्चों में कॉर्नियल ट्रांसप्लांट करना चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन नियमित फॉलो-अप से अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। नेत्र चिकित्सकों को यह समझना चाहिए कि जन्म से कॉर्नियल ओपसिटी (अपारदर्शिता) के साथ जन्मे बच्चे भी कॉर्नियल ट्रांसप्लांट सर्जरी के माध्यम से अच्छी दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. अशोक शर्मा ने बहरीन में भी बच्चों और नवजातों में कॉर्नियल ट्रांसप्लांट सर्जरी पर एक विशेष व्याख्यान दिया है। उन्हें बच्चों में कॉर्नियल ट्रांसप्लांट पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार भी मिला है। उनके प्रयासों ने कई नेत्रहीन बच्चों को दृष्टि प्रदान की है, जिससे वे एक बेहतर जीवन जी पा रहे हैं।

ऐसा ही एक मामला 5 महीने की एक बच्ची का था, जो जन्म से अंधी थी। उसे माइक्रो-ऑफथाल्मिया, माइक्रो-कॉर्निया और स्क्लेरो-कॉर्निया की समस्या थी। डॉ. अशोक शर्मा ने 5.5 महीने की उम्र में उसके दाहिने नेत्र का और 8.5 महीने की उम्र में बाएं नेत्र का कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किया। अब वह बच्ची 8 वर्ष की हो चुकी है, स्कूल जा रही है और सामान्य जीवन जी रही है। डॉ. अशोक शर्मा ने इस सम्मेलन में तीन पोस्टर प्रस्तुत किए। पहला पोस्टर बच्चों में उन्नत केराटोकोनस के मामलों में पैनेट्रेटिंग केरेटोप्लास्टी और डीप एंटीरियर लैमेलर केरेटोप्लास्टी (डीएएलके) के परिणामों की तुलना पर था। उनके अनुसार, बच्चों में डीएएलके एक सुरक्षित तकनीक है।

दूसरा पोस्टर बच्चों में केराटोकोनस के लिए तीव्र कोलेजन क्रॉसलिंकिंग पर आधारित था। यह तकनीक सुरक्षित और प्रभावी है तथा यह बच्चों के लिए सुविधाजनक है क्योंकि इसमें पारंपरिक तकनीक की तुलना में कम समय लगता है। डॉ. अशोक शर्मा एक अग्रणी कॉर्नियल सर्जन हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में वयस्कों और बच्चों दोनों में सर्वाधिक संख्या में कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किए हैं।